3 राजधानी
केजरीवाल ने सत्येंद्र जैन को गले लगाया

6 अभिमत
सावरकर के हिन्दुत्व को समझना होगा

10 विदेश
रूस का कीव पर ड्रोन हमला किया

11 राष्ट्रीय
लोकसभा चुनाव से पहले जनगणना की उम्मीद नहीं

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 202
नई दिल्ली, सोमवार, 29 मई, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

प्रणय ने मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता
स्पोर्ट्स-12

आजादी के अमृतकाल में देश को मिली नई संसद

प्रधानमंत्री मोदी ने भव्य समारोह में किया उद्घाटन, आगामी 25 वर्षों में भारत को विकसित बनाने का आह्वान

● केवल एक भवन नहीं, यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष से 100 वर्ष के सफर 'अमृतकाल' में देश को नया संसद भवन समर्पित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में नई संसद की महत्ता का बखान करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह सिर्फ एक भवन नहीं है, यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है। यह विश्व को भारत के दृढ़संकल्प का संदेश देता है। यह हमारे लोकतंत्र का मंदिर है और इसके कण-कण से एक भारत, श्रेष्ठ भारत के दर्शन होते हैं। उन्होंने आजादी मिलने के पहले के 25 सालों से की तुलना आगामी 25 वर्षों के अमृतकाल से करते हुए देशवासियों का आह्वान किया कि जिस प्रकार उस दौर में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से हर देशवासी जुड़ गया था, उसी प्रकार अगले 25 वर्षों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक भारतवासी को जी-जान से जुटना ही होगा।उन्होंने कि हर देश के इतिहास में ऐसा समय आता है, जब देश की चेतना नए सिरे से जागृत होती है। भारत में आजादी (1947) के 25 साल पहले ऐसा ही समय आया था। गांधी जी के असहयोग आंदोलन ने पूरे देश को एक विश्वास से भर दिया था। गांधी जी ने स्वराज के संकल्प से हर भारतवासी को जोड़ दिया था। यह वो दौर था, जब हर भारतीय आजादी के लिए जी जान से जुट गया था। इसका नतीजा यह हुआ कि भारत आजाद हुआ।

मोदी ने कहा कि आजादी का ये अमृतकाल भी भारत के इतिहास का ऐसा ही पड़ाव है। आज से 25 साल बाद भारत 100 वर्ष पूरे करेगा। हमारे पास भी 25 वर्ष का अमृत कालखंड है। इन वर्षों में हमें मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। लक्ष्य बड़ा है, कठिन भी है, लेकिन हर देशवासी को इसके लिए जी जीन से जुटना ही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुलामी के बाद भारत ने बहुत कुछ खोकर अपनी नई यात्रा शुरू की थी और वह यात्रा कितने ही उतार-चढ़ावों से होते हुए, कितनी ही चुनौतियों को पार करते हुए आजादी के अमृतकाल में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा कि आजादी का यह अमृतकाल विरासत को सहेजते हुए, विकास के नए आयाम गढ़ने का अमृतकाल है। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई ने दुनिया के कई अन्य देशों तक में चेतना जागृत कर दी थी और फिर वे आजादी की राह पर चल पड़े, भारत के विश्वास ने दूसरे देशों के विश्वास को सहारा दिया था। उन्होंने कहा कि भारत जैसी विविधता से भरा देश, इतनी बड़ी आबादी का देश, जब आगे बढ़ता है तो दूसरे देशों को प्रेरणा भी मिलती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पुराने संसद भवन में बैठने और प्रौद्योगिकी से जुड़ी समस्याएं थीं और बीते डेढ़ दो दशकों से ये चर्चा लगातार हो रही थी। (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में रविवार की शाम रंग-बिरंगे प्रकाश में नहाया नया संसद भवन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया

सेंगोल हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के तौर पर सेंगोल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह राजदंड सांसदों को उनके कर्तव्य के प्रति प्रेरित करता रहेगा। नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर लोकसभा कक्ष में अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि 1947 में सेंगोल, सी राजगोपालाचारी और अधीनाम के मार्गदर्शन में सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक था। इसके विपरीत, कांग्रेस दावा कर रही है कि लॉर्ड माउंटबेटन, सी राजगोपालाचारी और जवाहरलाल नेहरू द्वारा राजदंड को भारत में अंग्रेजों द्वारा सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में वर्णित करने का कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है। मोदी ने कहा कि पिछले दिनों मीडिया में इसके इतिहास से जुड़ी बहुत सारी जानकारी उजागर हुई है। मैं इसके विस्तार में नहीं जाना चाहता, लेकिन मैं मानता हूं, ये हमारा सौभाग्य है कि इस पवित्र सेंगोल को हम उसकी गरिमा लौटा सके हैं, उसकी मान-मर्यादा लौटा सके हैं। जब भी इस संसद भवन में कार्यवाही शुरू होगी, ये सेंगोल हम सभी को प्रेरणा देता रहेगा। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने रविवार सुबह लोकसभा में सेंगोल स्थापित किया।

सेंगोल को हाथ में लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

उप्र के कारीगरों ने तैयार किया संसद का कालीन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद लोकतंत्र के नए मंदिर में बिछी कालीन ने लोगों को खासा आकर्षित किया है। उत्तर प्रदेश के करीब 900 कारीगरों द्वारा 10 लाख घंटे की मेहनत से तैयार कालीन नए संसद भवन के लोकसभा और राज्यसभा के फर्श की शोभा बढ़ा रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा के कालीनों में क्रमश: राष्ट्रीय पक्षी मोर और राष्ट्रीय पुष्प कमल के उत्कृष्ट रूपों को दर्शाया गया है। ये कालीन तैयार करने वाली 100 साल से अधिक पुरानी भारतीय कंपनी ओबीटी कार्पेट ने कहा कि बुनकरों ने लोकसभा तथा राज्यसभा के लिए 150 से अधिक कालीन तैयार किए और फिर उनकी 35,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैले दोनों सदनों की वास्तुकला के अनुरूप अर्ध-वृत्त के आकार में सिलाई की गई। ओबीटी कार्पेट के अध्यक्ष रुद्र चटर्जी ने कहा कि यह कार्य डिजाइन टीम के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था क्योंकि कालीन को अलग-अलग टुकड़ों में सावधानी से तैयार करना था (शेष पेज 9)

नए संसद भवन का उद्घाटन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन किए जाने का स्वागत किया और कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व तथा अपार हर्ष की बात है। राष्ट्रपति ने उद्घाटन के अवसर पर अपने संदेश में कहा कि नए संसद भवन का उद्घाटन देश के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। अपने संदेश में कहा, नए संसद भवन का उद्घाटन भारत के सभी लोगों के लिए गर्व और खुशी की बात है। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति का संदेश पढ़कर सुनाया। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे इस बात का गहरा संतोष है कि नई संसद का उद्घाटन प्रधानमंत्री द्वारा किया गया है, जो संसद में विश्वास का प्रतीक है। (शेष पेज 9)

भारत के विकास का गवाह बनेगा नया संसद भवन: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि नया संसद भवन राजनीतिक सहमति कायम करने में मदद करेगा और गुलामी की मानसिकता से आजादी का प्रतीक बनेगा। नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर अपने संदेश में उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि यह भारत के लोगों की आकांक्षाओं का समाधान ढूंढ़ेगा। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने नए संसद भवन के लोकसभा कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम में धनखड़ का संदेश पढ़कर सुनाया। धनखड़ ने कहा कि नया भवन भारत की प्रगति का गवाह बनेगा। उपराष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, मुझे विश्वास है कि इस अमृत काल में बना नया संसद भवन भविष्य में भी हमारी तीव्र प्रगति का साक्षी बनेगा। (शेष पेज 9)

आजादी के अमृतकाल में संपूर्ण राष्ट्र इस महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पल का साक्षी बन रहा है। प्रधानमंत्री के दृढ़संकल्प और प्रेरक मार्गदर्शन से ढाई वर्ष से कम समय में भी यह भवन बनकर तैयार हुआ: **लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला**

यह इमारत केवल ईंट और पत्थर का ढांचा नहीं है, बल्कि यह भारत के लोगों की उम्मीदों एवं आकांक्षाओं को पूरा करने का जरिया है : **राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश**

यह मेरा सौभाग्य है कि मैं भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में एक बड़े क्षण का गवाह बना। नए संसद भवन के उद्घाटन के इस अवसर पर मैं भारत के सभी लोगों को नमन करता हूं : **पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा**

यह भवन न केवल वह स्थान है जहां लोगों की आकांक्षाएं फलीभूत होंगी, बल्कि यह अमृत काल के दौरान हर क्षेत्र में उत्कृष्टता की दिशा में भारत की यात्रा की शुरुआत का प्रतीक भी है : **केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह**

आजादी के अमृत काल में, भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ता यह राष्ट्रीय कार्य एक भारत-श्रेष्ठ भारत के भाव को और अधिक संवर्धित करेगा : **उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ**

विपक्षी दलों का आरोप, आत्ममुग्ध हैं प्रधानमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसद के नए भवन के उद्घाटन के बाद विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आत्ममुग्धता का आरोप लगाया और कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम से दूर रखा गया, जो भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दलित, आदिवासी एवं पिछड़ा समुदाय विरोधी रुख को दिखाता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन किए जाने के बाद रविवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री संसद भवन के उद्घाटन को राज्याभिषेक समझ रहे हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि संसद लोगों की आवाज है, प्रधानमंत्री संसद भवन के उद्घाटन को राज्याभिषेक समझ रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति पद पर आसीन होने वाली पहली आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को उनके संवैधानिक कर्तव्य का निर्वहन नहीं करने दिया जा रहा है। कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने ट्वीट किया। (शेष पेज 9)

राजद ने साझा की ताबूत और नए संसद भवन की तस्वीर, भाजपा ने दी तीखी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, पटना। राष्ट्रीय जनता दल ने रविवार को नए संसद भवन की वास्तुकला की तुलना एक ताबूत से की जिस पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता राजद को ऐसे ही ताबूत में दफना देगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसद भवन का उद्घाटन करते ही बिहार में सत्तारूढ़ दल राजद ने एक ट्वीट किया जिसमें एक ताबूत और नए संसद भवन को अगल-बगल दिखाते हुए पूछा गया, यह क्या है? भाजपा की बिहार इकाई ने ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा, पहली तस्वीर आपका भविष्य है और दूसरी भारत की है। (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

नौवहन उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए उल्टी गिनती शुरू

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने 29 मई को यहां भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) के जरिए एक नौवहन उपग्रह को प्रक्षेपित किए जाने की 27.5 घंटे की उल्टी गिनती रविवार सुबह 7.12 बजे शुरू कर दी। अंतरिक्ष एजेंसी ने दूसरी पीढ़ी की नौवहन उपग्रह शृंखला के प्रक्षेपण की योजना बनाई है जो नाविक (जीपीएस की तरह भारत की स्वदेशी नौवहन प्रणाली) सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करेगी। यह उपग्रह भारत और मुख्य भूमि के आसपास लगभग 1,500 किलोमीटर के क्षेत्र में तात्कालिक स्थिति और समय संबंधी सेवाएं प्रदान करेगा। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से सोमवार पूर्वाह्न 10 बजकर 42 मिनट पर 51.7 मीटर लंबा जीएसएलवी अपनी 15वीं उड़ान में 2,232 किलोग्राम वजनी एनवीएस-01 नौवहन उपग्रह को लेकर रवाना होगा। इसरो ने कहा कि प्रक्षेपण के करीब 20 मिनट बाद, रॉकेट लगभग 251 किमी की ऊंचाई पर भू-स्थिर स्थानांतरण कक्ष (जीटीओ) में उपग्रह को स्थापित करेगा।

मोदी ने वीर सावरकर को निर्भीक स्वाभिमानी बताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को विनायक दामोदर सावरकर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके निर्भीक और स्वाभिमानी स्वभाव को गुलामी की मानसिकता बिलकुल भी रास नहीं आती थी। उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में सावरकर की जयंती पर उन्हें याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज वीर सावरकर जी की जयंती है। उनके त्याग, साहस और संकल्प-शक्ति से जुड़ी गाथाएं आज भी हम सबको प्रेरित करती हैं। मैं वो दिन भूल नहीं सकता, जब मैं अंडमान में, उस कोठरी में गया था जहां वीर सावरकर ने काला पानी की सजा काटी थी। उन्होंने कहा, वीर सावरकर का व्यक्तित्व दृढ़ता और विशालता से समाहित था। उनके निर्भीक और स्वाभिमानी स्वभाव को गुलामी की मानसिकता बिलकुल भी रास नहीं आती थी। स्वतंत्रता आंदोलन में ही नहीं, सामाजिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए भी वीर सावरकर ने जितना कुछ किया उसे आज भी याद किया जाता है।

पुलिस ने खाली कराया जंतर मंतर, प्रदर्शन के आयोजकों पर केस

नए संसद भवन की तरफ बढ़ने की कोशिश पर पुलिस बलों ने विनेश, साक्षी और बंजरंग पूनिया समेत समर्थकों को हिरासत में लिया, शाम को छोड़ा

● महिला पहलवानों को हिरासत में लिए जाने के बाद विपक्षी दलों ने सरकार पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पुलिस ने रविवार को प्रदर्शनकारी पहलवानों पर कार्रवाई करते हुए जंतर मंतर पूरी तरह खाली करा लिया और विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया को समर्थकों समेत हिरासत में ले लिया। इस दौरान पहलवानों व उनके समर्थकों के साथ पुलिस कर्मियों की धक्का-मुक्की हुई। पुलिस प्रदर्शन स्थल से पहलवानों के गद्दे, कूलर-पंखे और अन्य सामान गाड़ियों में भरकर ले गई। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन के आयोजकों, अन्य के खिलाफ दंगा करने, लोक सेवक के कर्तव्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कहा कि पहलवानों को अब यहां प्रदर्शन नहीं करने दिया जाएगा। हालांकि हिरासत में लिए गए सभी पहलवानों और समर्थकों को शाम को छोड़ दिया गया। विपक्षी दलों ने पहलवानों के साथ कथित बदसलूकी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है।

पुलिस ने पहलवानों को चेताया था कि वे संसद की तरफ नहीं जाएं लेकिन वे आगे बढ़े, जिसके बाद झड़प हुई। जंतर-मंतर पर अफरातफरी के बीच पहलवानों और पुलिस अधिकारियों ने एक-दूसरे को धक्का दिया और विनेश फोगाट, उनकी बहन संगीता फोगाट और साक्षी ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की। विनेश ने हिरासत में लिए जाने के प्रयास के दौरान कड़ा प्रतिरोध किया और संगीता उनसे लिपट कर सड़क पर लेट गई। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें कई अन्य पहलवानों और उनके समर्थकों के साथ घसीटते हुए बसों में बैठा दिया।

कानून और व्यवस्था के विशेष पुलिस आयुक्त दीपेंद्र पाठक ने कहा कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारी पहलवानों और उनके समर्थकों को दिल्ली में अलग-अलग जगहों पर ले जाया गया। बजरंग को मयूर विहार के समीप पुलिस थाने में हिरासत में रखा गया जबकि साक्षी को बुराड़ी ले जाया गया। विनेश और संगीता को कालकाजी ले जाया गया। विनेश ने सबसे अधिक प्रतिरोध किया और बाद में बस से कहा कि उन्हें न्याय मांगने की सजा मिल रही है। उन्होंने कहा, आरोपी आजाद घूम रहा है, उसे सरकार पनाह दे रही है। महिला पहलवानों को हिरासत में लिए जाने के बाद विपक्षी दलों ने सरकार पर जमकर हमला बोला। (शेष पेज 9)

पहलवान विनेश फोगाट को हिरासत में लेती दिल्ली पुलिस

जंतर मंतर पर ही जारी रहेगा प्रदर्शन : साक्षी

पुलिस के दावों के उलट ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने ट्वीट कर कहा कि हमारा आंदोलन खत्म नहीं हुआ है। हम जंतर मंतर पर ही सत्याग्रह करेंगे। इस देश में तानाशाही नहीं चलेगी। साक्षी ने लिखा कि कभी सोचा नहीं था कि ऐसा दिन आएगा जब हमें देश के लिए मैट पर पदक जीतने के बाद इंसाफ के लिए सड़कों पर लड़ना होगा। इस देश की बेटियां मजबूत हैं। वहीं बजरंग पूनिया ने ट्वीट किया कि कोई नहीं बता रहा कि क्या हो रहा है। क्या मैंने कोई गुनाह किया है। बृजभूषण को हिरासत में होना चाहिए था, हमें नहीं।

मणिपुर में फिर हिंसा सीएम ने कहा- अब तक 40 उग्रवादी ढेर

पायनियर समाचार सेवा। इंफाल

● ताजा झड़पों में दो लोगों की मौत, 12 घायल

रुक-रुक कर हिंसा झेल रहे पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में ताजा गोलीबारी और उग्रवादियों तथा सुरक्षा बलों के बीच झड़पों की अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हुए हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने दावा किया कि शांति अभियान के दौरान अब तक 40 सशस्त्र उग्रवादियों को मार गिराया गया है। राज्य सचिवालय में मीडियाकर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि हालिया दौर की झड़प समुदायों के बीच नहीं बल्कि कुकी उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई है। सिंह ने यह भी कहा कि सशस्त्र उग्रवादियों द्वारा एके-47, एम-16 और स्नाइपर राइफल से लोगों पर गोलीबारी करने के मामले सामने आए हैं। (शेष पेज 9)

नोएडा एक्सप्रेसवे चौड़ा होगा, ट्रैफिक गति में आएगी तेजी

● नए सिरे से सर्वे करने का आदेश सीईओ ने दिया

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा एक्सप्रेसवे को और चौड़ा करवाया जाएगा। इसके लिए नोएडा अथॉरिटी ने एक कंपनी को जिम्मेदारी सौंपी है। पहले दौर का सर्वे किया जा चुका है।

हालांकि, सर्वे रिपोर्ट मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऋतु महेश्वरी ने खारिज कर दी है। नए सिरे से सर्वे करने का आदेश सीईओ ने दिया है। यह काम कर रही कंपनी को वीडियो रिपोर्ट बनाकर प्रजेंटेशन देना होगा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच करीब 30 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे हैं। दोनों शहरों के बीच इस मार्ग से रोजाना लाखों लोग आवागमन करते हैं। ग्रेटर नोएडा और आगरा के बीच 165 किलोमीटर लंबा यमुना एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद नोएडा एक्सप्रेसवे पर वाहनों की संख्या बढ़ी है। नोएडा शहर में महामाया फ्लाईओवर से गौतम बुद्ध द्वार तक एक्सप्रेसवे की राह में कई अड़चन हैं। दलित प्रेरणा स्थल की दीवारों ने एक्सप्रेसवे को संकुचित कर दिया है। महामाया फ्लाईओवर से लेकर फिल्म सिटी और चिल्ला बॉर्डर तक हर वक्त ट्रैफिक धीमा रहता है। सुबह और शाम ट्रैफिक जाम लग जाता है। जिसमें रोजाना हजारों वाहन फंसते हैं। अब नोएडा अथॉरिटी ने महामाया फ्लाईओवर से लेकर सेक्टर.14ए के पास गौतम बुद्ध द्वार तक एक्सप्रेसवे को चौड़ा करने का निर्णय लिया है।

एक्सप्रेसवे की चौड़ाई किस तरह बढ़ायी जाएए यह पता लगाने की जिम्मेदारी एक कंपनी को सौंपी गई है। कंपनी ने पिछले 15 दिन महामाया फ्लाईओवर से लेकर गौतम बुद्ध द्वार तक इस सड़क का सर्वे किया। ट्रैफिक के दबाव का आंकलन किया गया। शुक्रवार को यह रिपोर्ट सीईओ रितु महेश्वरी के सामने पेश की गई। ऋतु माहेश्वरी ने सर्वे पर कई आपत्तियां दर्ज करवाई हैं। अब इन आपत्तियों का समाधान कम्पनी को करना है। ऋतु माहेश्वरी ने सर्वे रिपोर्ट के साथ वीडियो रिपोर्ट भी बनाने का निर्देश दिया है। अब स्टैटिक कैमरों और ड्रोन के जरिए वीडियो सर्वे करवाया जाएगा। आपको बता दें कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे छह लेन का एक्सप्रेसवे है, जो नोएडा और ग्रेटर नोएडा को जोड़ता है। इस एक्सप्रेसवे का विस्तार ताज इकोनॉमिक जोन, इंटरनेशनल एयरपोर्ट और यमुना एक्सप्रेसवे के साथ बनाए जाने वाले एविएशन हब तक किया जा रहा है। एक्सप्रेसवे 24.53 किलोमीटर लंबा है, जिसे पुराने दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग को राहत देने के लिए 400 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था। दरअसल, नेशनल हाइवे पहले से ही भीड़भाड़ वाला था। यह फरीदाबाद, बल्लभगढ़ और पलवल जैसे शहरों के बीच से होकर गुजरता था। नोएडा.ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे देश के शुरूआती एक्सप्रेसवे में से एक है।

यह नोएडा में महामाया फ्लाईओवर और ग्रेटर नोएडा में परी चौक को जोड़ता है। नोएडा में दिल्ली की ओर डीएनडी फ्लाईवे और चिल्ला बॉर्डर तक जाता है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे का निर्माण वर्ष 2002 में पूरा हुआ था। तब से एक्सप्रेसवे का पुनर्निर्माण नहीं करवाया गया। हाल ही में एक्सप्रेसवे की रि-सरफेसिंग का काम पूरा हुआ है। नोएडा की सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने करीब डेढ़ साल पहले रि-सरफेसिंग का काम शुरू करवाया था। आपको बता दें कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने जुलाई 2002 में इसकी शुरुआत की थी। हालांकि, एक्सप्रेसवे की नींव मायावती के पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने रखी थी। इसे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की परिकल्पना माना जाता है।

दिल्ली जाने वाले वाहनों को मिलेगी राहत

नोएडा से दिल्ली जाने वाले लाखों लोगों को आश्रम फ्लाईओवर से बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि फ्लाईओवर के एक हिस्से के ऊपर हाईटेंशन बिजली की लाइन आ रही थी, जिस कारण इसका एक रूप अभी तक चालू नहीं हो पाया है। हाईटेंशन लाइनों को यूनीपोल पर शिफ्ट किया जाना था, जो अब बनकर तैयार हो गए हैं और इन पर बिजली के तार भी लगा दिए गए हैं। फ्लाईओवर के दोनों ओर लगाए गए दो यूनिपोल की मदद से तारों को ऊपर उठा दिया गया है जोकि फ्लाईओवर से काफी ऊंचाई पर हैं। पीडब्ल्यूडी अधिकारी ने बताया कि कम ऊंचाई पर लटक रहे हाईटेंशन तारों को हटाकर बिजली के हाइड्रो पोल का कनेक्शन दोनों यूनिपोल के बीच में लगाए गए नए हाईटेंशन तारों में दे दिया गया है।

पिता-पुत्र ने आर्थिक तंगी के चलते की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौमबुद्ध नगर के नोएडा में एक सोसाइटी में रहने वाले पिता-पुत्र ने आर्थिक तंगी और बीमारी के चलते ज्यादा मात्रा में दवाइयां खाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह घटना थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर -77 स्थित इलाइट होम सोसाइटी की है।

सहायक पुलिस आयुक्त सौम्या सिंह ने बताया कि सेक्टर 77 स्थिति इलाइट होम सोसायटी में रहने वाले 23 वर्षीय शुभांशु जैन और उसके 54 वर्षीय पिता राहुल जैन पुत्र विनोद जैन ने अत्यधिक मात्रा में दवाइयां खाकर आत्महत्या कर ली है।

उन्होंने बताया कि घर में राहुल जैन के पिता विनोद जैन भी रहते हैं। घर में परिवार की कोई महिला सदस्य नहीं रहती थी। विनोद जैन ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि शुभांशु और राहुल शुगर और रक्तचाप सहित कई बीमारियों से ग्रसित थे। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद स्थित अपनी कुछ संपत्ति बेचकर दोनों ने एक बिल्डर के यहां पैसे जमा किए थे, लेकिन बिल्डर के वादे के अनुसार उन्हें रिटर्न नहीं मिल रहा था जिसके कारण दोनों परेशान थे।

मीडियाकर्मी ने लोहे की हुक लटक कर दी जान

नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के चिपयाना खुर्द में रहने वाले एक मीडिया कर्मी ने कथित रूप से पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि विक्की कुमार मूल रूप से जनपद वैशाली (बिहार) का रहने वाला था और नोएडा में एक समाचार पत्र में काम करता था। अधिकारी ने बताया कि विक्की अपने मामा के घर पर रहता था।

छापेमारी में लाखों की नकली दवाएं जब्त

● हिमाचल व उत्तराखंड से एनसीआर में सप्लाई होती थी मेडिसिन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर की गोविन्दपुरी कॉलोनी में पुलिस व औषधि विभाग की टीम ने छापेमारी करके 50 लाख रुपये की कीमत से अधिक की नकली दवाईयां बरामद की है। हिमाचल व उत्तराखंड से नकली दवाईयां लाकर एनसीआर में सप्लाई की जाती थी।

पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य आरोपी फरार चल रहा है। इसके अलावा दो मेड़िकल स्टोर भी सील किए हैं। जिला औषधि निरीक्षक अनुरोध कुमार ने बताया कि एक सन फर्मा कंपनी के अधिकारियों ने सूचना दी कि मोदीनगर में नकली दवाईयां की सप्लाई एनसीआर में की जा रही है। जानकारी मिलने के बाद एक टीम तैयार की गई। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर रात मोदीनगर पुलिस के साथ मिलकर गोविन्दपुरी की मानवतापुरी कॉलोनी में एक मकान पर छापा मारकर नकली दवाईयों का जखीरा बदामद किया है।

बताया जा रहा है कि जो दवाईयां बरामद की गई, उनकी कीमत बाजार में 50 लाख रुपये से अधिक की है। नकली दवाईयां मिलने के बाद मोदीनगर के मेडिकल स्टोर संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

प्रथम जांच में सामने आया है कि इन दवाईयों की मैन्यूफैक्करिंग हिमाचल और उत्तराखंड में होने की संभावना है। औषधि निरीक्षक आशुतोष मिश्रा ने बताया कि विभाग को एक निजी कंपनी के अधिकारियों ने लिखित में सूचना दी कि मोदीनगर में हमारी कंपनी के नाम से नकली दवाईयां बेची जा रही हैं। इसके बाद उक्त स्थान पर छापेमारी की कार्रवाई की गई तो पूरा मामला खुल गया। उन्होंने बताया कि बरामद दवाईयों में से दस सैंपल जांच के लिए लैब भेज गए हैं। बरामद दवाईयों में ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, मधुमेह, कैशिल्यम, इंफेक्शन, दर्द निवारक और हृदयरोग से जुड़ी है।

" औषधि विभाग की सूचना पर गोविन्दपुरी कॉलोनी में छापेमारी करके नकली दवाईयों का जखीरा पकड़ा है। 50 लाख से अधिक कीमत की दवाईयां पकडी गई हैं। पिता पुत्र इस गोरखे धंधे को चला रहे थे। पिता रुपचंद्र निवासी छोटी मार्केट गोविन्दपुरी कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी पुत्र रवि कुमार की तलाश में पुलिस की पांच टीमों का गठन किया गया है।"

-रवि कुमार, डीसीपी ग्रामीण गाजियाबाद

बहन के साथ मिलकर महिला ने पति का गला घोंटा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मुरादनगर थाना क्षेत्र के गांव जलालाबाद में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। महिला ने अपनी बहन के साथ मिलकर अपने पति की दुपट्टे से गला घोटकर हत्या कर दी।

शव को दस घंटे तक छुपाए रखा। देर रात पुलिस को आत्महत्या करने की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पत्नी व साली को हिरासत में ले लिया है। गांव जलालाबाद निवासी बॉबी पुत्र राजपाल अपनी पत्नी व तीन बच्चों के साथ रहता था।

वह मजदूरी करके परिवार का लालन पालन करता था। थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार रात को सूचना मिली कि बॉबी पुत्र राजपाल ने आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जब शव देखा तो कुछ शक हुआ।

शव बेड पर पड़ा हुआ था। पुलिस ने जब पत्नी से सख्ती से पूछताछ की तो उसने सब कुछ उगल दिया। एसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि पत्नी व उसकी बहन को हिरासत में ले लिया गया है। पूछताछ के बाद ही हत्या के कारण का पता चल पाएगा। बताया जा रहा है कि गृह कलेश के चलते हत्या हुई है। पुलिस कई पहलुओं को ध्यान में रखकर हत्या की जांच की जा रही है।

मुकेश हत्याकांड: वीके सिंह ने पीड़ित परिजनों से की मुलाकात

गाजियाबाद। मुरादनगर में रेलवे रोड पुलिस चौकी के सामने दुकान में घुसकर की गई व्यापारी मुकेश गोयल की हत्या के मामले में पुलिस पांच दिन बाद भी बदमाशों को पकड़ नहीं पाई है। केन्द्रीय राज्यमंत्री व सांसद वीके सिंह मृतक के आवास पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने जल्द हत्याकांड के खुलासे के लिए पुलिस कमिशनर से बात करने को कहा है। बता दें कि रेलवे रोड पर पुलिस चौकी के सामने 23 मई की सुबह सवा नौ बजे दुकान में घुसकर दो बदमाशों ने गोली मारकर व्यापारी मुकेश गोयल की हत्या कर दी थी।

महिला ने प्रेमी संग मिलकर की थी पति की हत्या

● जीजा के भाई से थे संबंध

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

खोड़ा इलाके में महिला ने प्रेमी संग मिलकर अपने पति की गला दबाकर हत्या कर दी। सबको ये बता दिया कि पति की मौत जमीन पर गिरने से हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या करने की बात सामने आई तो पुलिस को शक हुआ। जांच-पड़ताल में प्रेम संबंधों की बात पता चली। आखिरकार महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि उसके प्रेमी की तलाश जारी है। अरुण कुमार मूल रूप से बिहार में नवादा जिले का रहने वाला था। वो पत्नी गुड़िया के साथ गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र स्थित भारत नगर में किराए के मकान में रहता था। दो बच्चे बिहार में रहकर ही पढ़ाई कर रहे थे। 15 मई की रात अरुण कुमार की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। अगली सुबह गुड़िया ने सबको ये बताया कि अरुण रात में पानी की मोटर चला रहा था, अचानक जमीन पर गिरा और मौत हो गई। किसी को ये बात हजम नहीं हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। 18 मई को पोस्टमार्टम की रिपोर्ट। इसमें पता चला कि गला दबाने से मौत हुई है। घर में उस वक्त गुड़िया और उसका पति थे, ऐसे में पुलिस का शक गहरा गया। इधर, गुड़िया घर बंद करके लापता हो गई। पुलिस ने उसको कई दफा फोन करके बुलाया, लेकिन वो नहीं आई। ऐसे में पुलिस का शक बढ़ता चला गया। स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया, गुड़िया को शनिवार को दिल्ली-मुरादाबाद हाईवे से कस्टडी में लिया गया। गुड़िया ने बताया कि जीजा के भाई राजेश से उसके छह-सात साल से प्रेम संबंध हैं। ये बात कुछ दिन पहले ही पति अरुण को पता चल चुकी थी।

संक्षिप्त समाचार

दो लोगों को गाड़ी से कुचलकर घायल करने वाला आरोपी गिरफ्त में।

दो दिवसीय संत समागम

नोएडा। प्रशांत अद्वैत फाउंडेशन के संस्थापक और पूर्व सिविल सेवा अधिकारी आचार्य प्रशान्त ने कहा कि कि जीवन में करने योग्य एक ही काम है, अपनी मुक्ति और जगत का कल्याण। अपनी मुक्ति के लिए आत्मज्ञान जरूरी है। उसके लिए हमें उपनिषदों के पास आने होगा। सामान्यजन के लिए उपनिषदों का व्यवहारिक ज्ञान हमें संतवाणी से ही मिल सकता है। नॉलेज पार्क दो में स्थित जीएन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट में आयोजित दो दिवसीय संत समागम में बोलते हुए आचार्य प्रशान्त ने कहा कि सभी ज्ञानी, संत हमें बता गए हैं और ग्रंथों में भी लिखा हुआ है कि सभी दर्दो की वजह आत्मा से दूरी ही है। हम अपने को नहीं पहचानते बाहरी जगत को ही हम सच मानने लगते हैं, यही दुख का कारण है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का सर्वोच्च कर्तव्य मुक्ति है इसके लिए जूझना पड़ता है। मेहनत करनी पड़ती है, वह हम करना नहीं चाहते हमारे पास अहम के बचाव के बहाने बहुत हैं।

रैली निकालकर किया अभिभावकों को जागरूक

गाजियाबाद। जिले में पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा जिसमें पांच वर्ष तक के बच्चों को बूथ दिवस पर पोलियो खुराक पिलाई जाएगी। अभिभावक अपने बच्चों को पोलियो खुराक पिलाएं, इसके लिए आज जिला अस्पताल से पल्स पोलियो रैली निकाली गई। बारिश के बावजूद भी रैली अस्पताल से शुरू कर घंटाघर रामलीला मैदान तक निकाली गई जिसका शुभारंभ सीएमओ डॉ भवतोष शंखधर ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अपने बच्चों को अभियान के दौरान पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। सीएमओ ने बताया कि 29 मई से डोर टू डोर अभियान चलाया जाएगा। रैली के माध्यम से अभिभावकों को पोलियो खुराक पिलाए जाने का महत्व बताया गया। रैली में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ नीरज सिंह, डॉ चरण सिंह, नरेन्द्र सिंह, अशोक चांदीवाल सहित अन्य कर्मचारी व एनसीसी के कैडेट व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

जून माह से शुरू हो जाएगा नोएडा का डॉग पार्क

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने बताया कि डॉग पार्क को 1 जून से शुरू करने के निर्देश उद्यान विभाग को दिए गए हैं। जरूरी सुविधाओं के साथ पार्क शुरू किया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि डॉग पार्क में कुत्तों के लिए नहाने, खानपान से लेकर ट्रेनिंग तक की सुविधा होगी। यहां आने वाले लोगों के लिए भी बैठने व खाने की सुविधा होगी। यहां लोग बिल्ली भी ला सकेंगे।

साइबर सुरक्षा जागरूकता को लेकर कार्यशाला

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ मार्ग पर शनिवार को 35 यूपी वाहिनी एनसीसी मोदीनगर ने साइबर सुरक्षा जागरूकता को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में एनसीसी के अधिकारियों ने कैडेट्स को साइबर सुरक्षा से संबंधित कानूनों की जानकारी दी। कार्यशाला का शुभारंभ एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल संदीप शर्मा ने किया। विभिन्न विद्यालयों के 246 एन सी सी कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। सीओ कर्नल संदीप शर्मा ने अपने संबोधन में एन सी सी कैडेट्स को बताया कि किसी की निजी जानकारी को प्राप्त कर दूर बैठकर कंप्यूटर के माध्यम से उनका गलत इस्तेमाल करना साइबर अपराध की श्रेणी में आता है।

साहिबाबाद से दुहाई तक रैपिडएक्स चलने को तैयार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर का प्राथमिकता वाला खंड परिचालन के लिए तैयार हो गया है।

अधिकारियों ने परियोजना की समयसीमा के अनुसार, पांच स्टेशनों (साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो) वाले खंड पर इस साल जून तक परिचालन शुरू किया जाना था, लेकिन यह मई के महीने में ही शुरू कर दिए जाने के लिए तैयार हो गया है। सेमी-हाई-स्पीड क्षेत्रीय रेल सेवा को रैपिडेक्स नाम दिया गया है, जो केंद्र का दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों के साथ एक संयुक्त उद्यम है।

उल्लेखनीय है कि 2025 तक दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर को लोगों के उपयोग के लिए शुरू किए जाने का लक्ष्य है।

इससे पहले, यह साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच 17 किमी लंबे प्राथमिकता वाले खंड पर परिचालन शुरू करेगा।

तालाबों के सौंदर्यीकरण में देरी पर लगा जुर्माना

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के खेड़ी भनौता गांव में दो तालाबों के सौंदर्यीकरण कार्यों में लापरवाही करने पर प्राधिकरण ने संबंधित ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 5.25 लाख रुपए का जुर्माना लगा दिया है।

यहां पर तालाब के सौंदर्यीकरण के कार्य में देरी करने पर यह जुर्माना लगाया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि तालाब में एक भी रुपए का कार्य नहीं हुआ है, लेकिन बोर्ड लगाकर कार्य पूरा दिखा दिया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी के निर्देश पर सभी गांवों के तालाबों के सौंदर्यीकृत के कार्य किए जा रहे हैं।

वीजा के नाम पर ठगी से बचाने के उपायों पर सेमिनार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सालों से विदेशी वीजा दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी की जा रही है। वीजा एजेंट भोले भाले लोगों को कागजों के हेरफेर और गैर जरूरी परमिशन के नाम पर ठगे जा रहे हैं। इसको लेकर वीजा एक्सपर्ट कंपनी द्वारा रविवार को एक सेमिनार का आयोजन किया। इस आयोजन में देशभर से करीब 600 वीजा इच्छुक लोगों ने भाग लिया। जहां मोटिवेशनल स्पीकर कवीश कपूर द्वारा इस ठगी से बचने के उपायों सहित लोगों को जागरूक किया। कवीश कपूर वीजा एक्सपर्ट कंपनी के फाउंडर के साथ साथ मोटिवेशनल स्पीकर हैं। कंपनी द्वारा देशभर में हो रही वीजा ठगी की शिकायातों के बाद इस तरह के सेमिनार आयोजित करने का निष्चय किया। जिसके तहत रविवार को सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें देशभर से करीब 600 वीजा इच्छुकों ने भाग लिया।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर अधिकारी प्रीति यादव के नेतृत्व में महिलाओं/लड़कियों को मासिक धर्म के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई जिससे वे गंभीर बीमारियों जैसे हेपेटाइटिस बी, सर्वाइकल कैंसर आदि से बच सके।

नोएडा में सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

● सरिया और लोहे से भरा ट्रैक्टर पलटा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में थाना बिसरख क्षेत्र में अलग-अलग जगह पर हुए दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि रविवार सुबह को एक ट्रैक्टर-ट्राली पर सरिया और लोहे का अन्य सामान लादकर चालक अवधेश गाजियाबाद से सूरजपुर जा रहा था। उन्होंने बताया कि इसी बीच ट्रैक्टर असंतुलित होकर चिपयाना गांव के पास पलट गया।

उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर पर लदे सरिया और लोहे की चपेट में आकर चालक अवधेश की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि रविवार की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर- 3 के बिजली घर के पास खैरपुर जाने वाली सड़क पर बुलेट मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने सड़क किनारे घायल पड़े व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की जेब से आधार कार्ड मिला है, जिसके आधार पर उसकी पहचान 42 वर्षीय जगबीर पुत्र रामवीर निवासी हाथरस के रूप में हुई है। वहीं मोदीनगर हापुड मार्ग पर गांव भोजपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास दोपहर एक बजे के आसपास तेज रफ्तार बाइक सड़क पार कर रहे आवारा पशु से जा टकराई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कस्बा निवाड़ी निवासी इमरान 27 वर्ष पुत्र तैय्यब अपनी पत्नी व दो बच्चों के साथ रहता था। वह मजदूरी करके परिवार का लालन पालन करता है। उनकी पत्नी अपने मायके गुलावठी के गांव सिवाया गई हुई थी।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस टू पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी नाबालिग को डांस सिखाने के बहाने अपने घर पर बुलाता था। उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देता था। परिवार जनों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस से इसकी शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी आशीष को रवि एनक्लेव के पास से गिरफ्तार किया है। पीड़िता के पिता ने पुलिस को शिकायत देते हुए बताया पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

फ्लैट की रजिस्ट्री और कब्जे की मांग को लेकर खरीदारों का प्रदर्शन

● मूर्ति चौक पर जमा होकर की नारेबाजी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में घर खरीदारों ने रविवार को प्रदर्शन किया। एकता और दृढ़ संकल्प के साथ प्रदर्शन में विभिन्न आवासीय परियोजनाओं के फ्लैट खरीदार, फ्लैट पजेशन और रजिस्ट्री के साथ पुलिस नोटिस की शिकायतों को सुनने और अधिकारियों से त्वरित कार्रवाई की मांग करने के लिए एक मूर्ति चौक पर एकत्रित हुए।

प्रदर्शनकारी फ्लैट की रजिस्ट्री और कब्जे की अपनी मांगों को लेकर अड़े थे, जो लंबे समय से लंबित है। उन्होंने स्थिति से निपटने पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए। पुलिस द्वारा कई होम बॉयर्स को दिए गए नोटिसों को रद्द करने का आह्वान किया।

बिसरख पुलिस के खिलाफ नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए योगी और मोदी से हस्तक्षेप का आग्रह किया। नेफ ोवा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने प्रदर्शनकारियों के दृढ़ संकल्प पर जोर देते हुए कहा, जब तक हमारे मुद्दों का समाधान नहीं हो जाता, तब तक हमारा विरोध जारी रहेगा। हमें पुलिस नोटिस से डराने का प्रयास, हमें हमारे अधिकारों के लिए लड़ने के दृढ़ संकल्प को और मजबूत करेगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ऐ, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यवाहक कार्यकारी संपादक: विजय प्रकाश सिंह, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 29 मई, 2023

पहलवानों के समर्थन में आ रहे किसान नेता सीमाओं पर हिरासत में

टिकरी, सिंघू और गाजीपुर बार्डर पर विरोध के चलते भारी हंगामा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के समर्थन में बुलायी गयी महिला महापंचायत में शामिल होने के लिए समर्थकों के साथ राष्ट्रीय राजधानी की ओर बढ़ रहे उत्तर प्रदेश, हरियाणा व पंजाब के कई किसान नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार रात से टिकरी बार्डर, सिंघू बार्डर और गाजीपुर बार्डर बड़ी संख्या मे अर्द्ध सैनिक बल और स्थानीय पुलिस तैनात कर दिए थे। कई स्थानों पर पुलिसकर्मियों की भारी तैनाती के साथ अवरोधक लगा दिए गए थे। किसान संगठन भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) (चढूनी) ने यह दावा किया।

महिला महापंचायत के मद्देनजर, पंजाब, दिल्ली और हरियाणा की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और कई स्थानों पर पुलिस कर्मियों की भारी तैनाती के साथ अवरोधक लगा दिए गए थे। गाजियाबाद बार्डर पर महापंचायत में जा रहे किसानों की पुलिस से झड़प हो गई।

किसान जंतर मंतर पर बैठे पहलवानों के समर्थन में पंचायत में शामिल हो जा रहे थे। किसानों को पुलिस ने रोक लिया, जिससे नाराज किसान धरने पर बैठ गए और हंगामा करने लगे। पुलिस न किसी तरह से उन्हें समझाबुझाकर स्थिति को संभाला। उधर, बार्डर पर पहुंचे भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा, जब तक दिल्ली में हिरासत में लिए गए पहलवानों को रिहा नहीं किए जाते, तब तक किसान गाजीपुर बॉर्डर से नहीं उठेंगे। वहीं दिल्ली जा रहे सपा विधायक अतुल प्रधान को पुलिस ने मेरठ में हिरासत में ले लिया है। राकेश टिकैत ने कहा, उन्हें जगह-जगह रास्ते में रोकने की कोशिश हुई। पुलिस और सरकार तानाशाह की तरह काम कर रही है। कई जगह किसानों को हाउस अरेस्ट किया गया है।

टिकैत ने कहा कि राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च होता है। संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए था। वर्ष 2024 लोकसभा चुनाव से पहले बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। सीमाओं पर दिल्ली पुलिस के जवानों के साथ वाटर कैनन, दमकल गाड़ियां तैनात थी। सुरक्षा के मद्देनजर एक क्रेन भी तैनात की गई थी। जिससे एन वक्त पर बड़े-बड़े अवरोधकों को सड़क पर रखा जा सके।

जंतर-मंतर से संसद की ओर जाते समय पुलिस ने रोका तो सड़क पर बैठ गई पहलवान विनेश फोगाट और संगीता, साथ में बजरंग पुनिया। फोटो: रंजन डिमरी

नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह और पहलवानों द्वारा महिला महापंचायत के आह्वान के मद्देनजर रविवार को लुटियंस दिल्ली के इलाकों में हजारों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया और अवरोधक लगाए गए। दिल्ली के विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) दीपेंद्र पाठक ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी, रणनीतिक स्थानों और इसके सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापक और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है और यह सुनिश्चित किया है कि कानून व्यवस्था बनी रहे।

नए संसद भवन के उद्घाटन में गड़बड़ी पैदा करने के किसी भी प्रयास से बहुत ही विनम्रता और दृढ़ता से निपटा जाएगा। उन्होंने पहलवानों से भी अनुरोध किया था कि आज वे ऐसा कुछ भी न करें। पाठक ने यह भी कहा कि पुलिस इतने महत्वपूर्ण दिन पर किसी को भी देश विरोधी गतिविधियों में शामिल नहीं होने देगी और किसी भी स्थिति से पेशेवर तरीके से निपटेगी। वाहनों की जांच के साथ ही सीमाओं पर बड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

जंतर-मंतर से पहलवानों को सामान हटाती दिल्ली पुलिस।

दो मेट्रो स्टेशनों पर आवाजाही रही बंद

दिल्ली मेट्रो के केंद्रीय सचिवालय और उद्योग भवन स्टेशन के सभी प्रवेश व निकास द्वार रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन के मद्देनजर बंद कर दिया था। अशोक रोड के पास पटेल चौक मेट्रो स्टेशन का द्वार नंबर तीन भी दोपहर को बंद कर दिया गया था। नया संसद भवन केंद्रीय सचिवालय स्टेशन के पास स्थित है जो एलो लाइन और वायलेट लाइन पर आने वाला इंटरचेंज स्टेशन है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम रविवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे ट्वीट कर कहा कि दिल्ली मेट्रो रेल पुलिस से मिले निर्देश के मुताबिक, केंद्रीय सचिवालय और उद्योग भवन स्टेशन के सभी प्रवेश व निकास द्वार यात्रियों की आवाजाही के लिए बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, केंद्रीय सचिवालय में इंटरचेंज यानी मेट्रो लाइन बदलने की सुविधा उपलब्ध है।

जंतर-मंतर कूच कर रहे छात्रों को रोका

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक वर्ग ने रविवार को आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में सुरक्षा बढ़ाकर उन्हें महिला महा पंचायत में हिस्सा लेने से रोका। छात्रों ने कहा कि परिसर पर बड़ी तादात में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आईसा) कार्यकर्ता मधुरिमा कुंडु ने दावा किया कि परिसर में अघोषित रूप से धारा 144 लागू की गई है। कुंडु ने आरोप लगाया कि जैसे ही उन्होंने मुख्य द्वार से बाहर कदम रखा उन्हें जबरन रोका गया।

विपक्ष का केंद्र सरकार पर हमला

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी पहलवानों को रविवार को पुलिस हिरासत में लिए जाने पर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने देश को सम्मान दिलाने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को गलत और निंदनीय बताया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि आज जब प्रधानमंत्री नए संसद भवन का उद्घाटन कर रहे थे और लोकतंत्र को लेकर प्रवचन दे रहे थे, तब संसद से कुछ ही दूरी पर पदक जीतकर

देश का मान बढ़ाने वाली बेटियों को हिरासत में लिया जा रहा था। यह शर्मनाक है और मोदी सरकार के असली चेहरे को दिखाता है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मीडिया से बातचीत में कहा, आज इतिहास

का काला दिन है। कुछ साल पहले एक प्रधानमंत्री (अटल बिहारी वाजपेई) ने मोदी से राजधर्म की बात की थी। आज जब प्रधानमंत्री राजदंड को लेकर चल रहे थे, तो बेटियों के खिलाफ अत्याचार हो रहा था।

स्कूल को अस्थायी जेल बनाने की नहीं दी अनुमति : महापौर

नई दिल्ली। महापौर शैली ओबेरॉय ने रविवार को कहा कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्कूल को अस्थाई जेल में तब्दील करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दिल्ली पुलिस ने पहलवानों की महिला महापंचायत के मद्देनजर कंझावला स्थित एमसीडी के स्कूल को अस्थाई जेल में तब्दील करने की अनुमति मांगी थी। ओबरॉय ने रविवार को जारी आदेश में कहा, उनके संज्ञान में यह लाया गया कि दिल्ली पुलिस द्वारा एमसीडी के उपायुक्त (उत्तर) को 27 मई को एक पत्र भेजा था, जिसमें कंझावला चौक पर स्थित एमसी प्राथमिक कन्या विद्यालय में 28 मई को एक अस्थाई जेल बनाने के लिए कहा गया है।

केजरीवाल ने सत्येंद्र जैन को गले लगाया, बताया हीरो

- मुख्यमंत्री ने एलएनजेपी अस्पताल में की मुलाकात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रविवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन से मिलने लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में भावुक होकर जैन को गले लगाया।

सीएम ने अस्पताल के डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने जैन को मेडिकल ग्राउंड पर 11 जुलाई तक अंतरिम जमानत दी है।

अपनी इस मुलाकात की कुछ तस्वीरें ट्विटर पर शेयर करते हुए केजरीवाल ने कहा, बहादुरदु व्यक्ति से मिला। आम आदमी पार्टी ने भी अपने ऑफिशियल ट्वीटर हैंडल से केजरीवाल और जैन की तस्वीरें साझा की । आप ने लिखा मुख्यमंत्री

जेल के बाथरूम में गिरने से लगी गंभीर चोटें

धन शोधन के मामले में सत्येंद्र जैन तिहाड़ जेल में बंद थे। कुछ दिन पहले वे तिहाड़ जेल के बाथरूम में गिर गए। गिरने से उनके सिर में आई चोट लगी थी तुरंत जेल के डॉक्टरों ने उन्हें उपचार दिया और उनकी जांच की। फिर उन्हें हरी नगर के दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में रेफर कर दिया गया था। उनकी हालत ठीक नहीं होने पर डाक्टरों ने उन्हें एलएनजेपी भेज दिया था।

अपने क्रांतिकारी साथी सत्येंद्र जैन से मिलने अस्पताल पहुंचे।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जैन को पहले दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, और बाद में सांस लेने में तकलीफ के कारण उन्हें लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल भेज दिया गया था जहां उनका इलाज चल रहा है।

अध्यादेश पर कांग्रेस-आप के साथ या खिलाफ, फैसला आज

- राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुलाई प्रदेश इकाई के नेताओं की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अधिकारियों के तबादले को लेकर केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश पर सियासी पारा अब भी गर्म है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तमाम विपक्षी दलों को इस अध्यादेश के खिलाफ एकजुट करने में लगे हैं। उन्होंने कांग्रेस से भी समर्थन मांगा है। लेकिन कांग्रेस 'आप' के साथ रहेगी या खिलाफ, इसका फैसला सोमवार को होने की संभावना है। अलबत्ता फैसला क्या होगा, यह कहना अभी भी मुश्किल है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को इसी मुद्दे पर रायशुमारी करने के लिए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक बुलाई है। बैठक सुबह 11 बजे पार्टी मुख्यालय में होगी। इस बैठक के लिए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल, प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी, पूर्व अध्यक्ष जेपी अग्रवाल, अजय माकन, सुभाष चोपड़ा, अरविंदर सिंह लवली सहित मनीष चतरथ, देवेंद्र यादव और हारून यूसुफ को बुलाया गया है। सूत्रों की मानें तो बैठक में राहुल गांधी भी मौजूद रह सकते है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

- पीएम ने देश के युवाओं को जुड़ने का अवसरः सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात को सुना। दिल्ली भाजपा द्वारा 21 प्रमुख स्थानों पर आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यकम के सामूहिक अवलोकन में वरिष्ठ नेता भी सम्मिलित हुए। सचदेवा ने कहा की एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत इस योजना से देश के युवाओं को एक दूसरे की परंपरा, संस्कृति, प्रकृति और प्रथाओं को जानने का मौका मिलेगा।

जिससे आने वाली पीढ़ियों को फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने आज के कार्यक्रम मे अरुणाचल प्रदेश के यवक ज्ञामर और बिहार की कुमारी विशाखा से बातचीत की और दोनों ही युवा अपने अनुभवों को साझा करते वक्त गौरवांवित महसूस कर रहे थे उसे हर एक युवा एक उम्मीद के साथ ले और कोशिश करें कि युवा संगम मे अधिक से अधिक भाग ले। सचदेवा ने कहा कि पानी की समस्या एक आम समस्या है।

अवैध रंगाई कारखानों पर होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- एनजीटी ने निगरानी समिति, सीपीसीबी और डीपीसीसी को दिया आदेश

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त निगरानी समिति, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को राष्ट्रीय राजधानी में रंगाई के अवैध कारखानों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

एनजीटी ने सीपीसीबी और डीपीसीसी को आवेदन में नामित इकाइयों के संबंध में संयुक्त रूप से अनुपालन कार्वाई रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया।

अधिकरण उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें दावा किया गया है कि राष्ट्रीय राजधानी के बिंदापुर, मटियाला, रणहौला, ख्याला, मीठापुर, बदरपुर, मुकुंदपुर और किरार इलाकों में बिना अनुमति के रंगाई कारखाने चल रहे हैं। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए.के. गोयल की पीठ ने कहा कि उच्चतम नयायालय द्वारा नियुक्त निगरानी समिति सीपीसीबी और डीपीसीसी सहित अन्य संबंधित प्राधिकरणों के साथ समन्वय कर मामले को देखें। एनजीटी ने मामले की अगली सुनवाई चार अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध की।

वर्ष 2004 में उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के मास्टर प्लान काउल्लंघन कर चल रही औद्योगिक गतिविधियों को स्थानांतरित करने या बंद करने का निर्देश दिया था और निगरानी तंत्र भी निर्धारित किया था।

'डीयू में कोटे की सीटें हर साल रह जाती हैं खाली'

नई दिल्ली। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर योगेश सिंह को पत्र लिखा है। उन्होंने मांग की है कि शैक्षिक सत्र दाखिला प्रक्रिया शुरू करने से पहले डीयू के विभागों व कॉलेजों से पिछले पांच वर्षों के आंकड़े मंगवाकर उनकी जांच करवाएं।

उन्होंने दावा किया है कि कॉलेजों ने अपने यहां स्वीकृत सीटों से ज्यादा एडमिशन दिया लेकिन उन्होंने सामान्य सीटों की एवज में एससी/एसटी , ओबीसी , ईडब्ल्यूएस व पीडब्ल्यूडी कोटे की सीटों को नहीं भरा। बता दें कि गत वर्ष पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह गई थी।

नरवाना रोड के सौंदर्यीकरण को मिली मंजूरी

- पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी बोली यूरोपियन तर्ज पर बनेगी सड़क

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने पटपड़गंज विधानसभा में नरवाना रोड के दूसरे फेज के सौंदर्यीकरण की परियोजना को मंजूरी दी। प्रोजेक्ट के दूसरे फेज में नरवाना रोड़ पर टेक्नोलॉजी अपार्टमेंट से परिवार अपार्टमेंट तक के लगभग 800 मीटर के रोड स्ट्रेच को नया स्वरूप मिलेगा।

वर्तमान में मदर डेयरी से टेक्नोलॉजी अपार्टमेंट तक की सड़क के सौंदर्यीकरण का किया जा रहा है जो लगभग पूरा हो चुका है। पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने साझा करते हुए बताया कि नरवाना रोड के पहले फेज में सौंदर्यकरण का ज़्यादातर काम पूरा हो चुका है और पूरा स्ट्रेच बेहद

शानदार दिख रहा है। इससे आस-पास के लोग इससे बेहद खुश है। और अब दूसरे फेज का काम पूरा हो जाएगा तो पूरे स्ट्रेच को शानदार स्वरूप मिलेगा और ये सड़क पटपड़गंज का आइकॉनिक पहचान बनेगा। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि सड़क के री-डिजाइन के बाद सड़क के आस-पास हरियाली काफी बढ़ जाएगी। सड़क की एक इंच जमीन भी खाली नहीं होगी, जहां पर घास न लगी हो। इससे सड़क पर धूल से होने वाले प्रदूषण की समस्या खत्म होगी।

अब उपराष्ट्रपति एन्क्लेव, नए पीएमओ, सामान्य केंद्रीय सचिवालय पर फोकस

सेंट्रल विस्टा परियोजना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नए संसद भवन का उद्घाटन होने के बाद अब ध्यान उपराष्ट्रपति एन्क्लेव, सामान्य केंद्रीय सचिवालय भवनों, रक्षा एन्क्लेव, सांसदों के कक्ष और प्रधानमंत्री के नए आवास और कार्यालय के निर्माण पर केंद्रित हो गया है।

नया संसद भवन दूसरी परियोजना है जो पूरी हो चुकी है। पहली परियोजना विजय चौक से इंडिया गेट तक फैले सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का पुनर्विकास था। जिस खंड को पहले राजपथ के नाम से जाना जाता था, उसका नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया है। देश की शक्ति के केंद्र सेंट्रल विस्टा के पुनर्विकास की योजना में नया संसद भवन भी शामिल है जिसका रविवार को उद्घाटन किया गया।

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) पुनर्विकास योजना के तहत

परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। नए संसद भवन के निर्माण का टेंडर टाटा प्रोजेक्ट्स को सितंबर 2020 में 861 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से दिया गया था। बाद में, कुछ परिवर्तनों के कारण लागत में मामूली वृद्धि हुई। अवसंरचना फर्म लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड 1,189 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), मंत्रिमंडल सचिवालय, इंडिया हाउस और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के एक्जीक्यूटिव एन्क्लेव का निर्माण कर रही है। कंपनी को पिछले साल नवंबर में टेंडर दिया गया था और यह परियोजना 24 महीने में पूरी होगी।

एग्जिक्यूटिव एन्क्लेव साउथ ब्लॉक के दक्षिण की ओर बनेगा। इंडिया हाउस का उपयोग हैदराबाद हाउस की तरह एक सम्मेलन केंद्र के रूप में किया जाएगा जहां वर्तमान में विभिन्न देशों के शीर्ष नेताओं के साथ उच्चस्तरीय वार्ताएं आयोजित की जाती हैं। लार्सन एंड टुब्रो सामान्य केंद्रीय सचिवालय के पहले तीन भवनों का निर्माण भी कर रही है। इसने अक्टूबर 2021 में 3,142 करोड़ रुपए की बोली लगाकर बोली जीती थी। सीपीडब्ल्यूडी ने इन भवनों को पूरा करने के लिए ढाई साल की समयसीमा तय की है। सामान्य केंद्रीय सचिवालय के तहत, सरकार 10 भवनों का निर्माण करने की योजना बना रही है जिसमें मंत्रालय और अन्य कार्यालय होंगे। आवास मंत्रालय के मुताबिक, विभिन्न सरकारी कार्यालयों के किराए पर सालाना 1,000 करोड़ रुपये खर्च होते हैं और सामान्य केंद्रीय सचिवालय से इस राशि की बचत होगी। शास्त्री भवन, उद्योग भवन, निर्माण भवन और रेल भवन उन अन्य इमारतों में शामिल हैं जिन्हें सामान्य केंद्रीय सचिवालय बनाने के लिए गिराए जाने की संभावना है।

सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत, नॉर्थ और साउथ ब्लॉक, जो लुटियंस दिल्ली में अपनी स्थापना के बाद से सरकारी प्राधिकरण का प्रतीक हैं, को राष्ट्रीय संग्रहालयों में परिवर्तित किया जाएगा। नॉर्थ और साउथ

- सरकारों कार्यालयों के किराये पर सालाना 1,000 करोड़ खर्च : आवास मंत्रालय

ब्लॉक भारत के इतिहास और स्वतंत्रता के इसके संघर्ष को प्रतिबिंबित करने की संभावना रखते हैं।सरकार की योजना सांसदों के लिए कक्ष बनाने की भी है जो उस भूमि पर बनेंगे जहां परिवहन भवन और श्रम शक्ति भवन स्थित हैं। सरकार कर्मियों और रक्षा प्रतिष्ठान के शीर्ष अधिकारियों के रहने के लिए एक बड़ा डिफेंस एन्क्लेव भी स्थापित करेगी।

एन्क्लेव के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने के लिए उपराष्ट्रपति के आवास और इसके आसपास की इमारतों को ध्वस्त किया जाएगा। जून 2024 तक भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार के पास इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) की नई इमारत का निर्माण किया जाएगा। सेंट्रल कांफ्रेंस सेंटर दिसंबर 2026 तक बनाया जाना है।

आत्मनिर्भर और स्वावलंबी भारत का प्रतीक है नई संसदः अश्विनी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि आत्मनिर्भर और स्वावलंबी भारत का प्रतीक नया संसद भवन है। हमारे जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है, आधुनिकता और पुरातन का अनूठा संगम है।

यह हम सबके के लिए गौरव का क्षण रहा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को नए संसद भवन को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि नया संसद भवन देश की भावी आशा, आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार है। उन्होंने देशवासियों एवं प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। केंद्रीय मंत्री चौबे ने कहा कि विपक्ष द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन के बहिष्कार का रवैया ना केवल भारतीय लोकतांत्रित मर्यादा का उल्लंघन है बल्कि विपक्ष की लोकतांत्रित आस्था पर भी गहरे प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। केंद्रीय राज्यमंत्री श्री चौबे ने राष्ट्रीय जनता दल द्वारा नए संसद भवन की तुलना ताबूत से करने पर कहा कि यह अत्यंत दुखद, शर्मनाक एवं लोकतंत्र का अपमान है।

मानवता भलाई के कार्यों को समर्पित रहा डेरा सच्चा सौदा का पावन भंडारा

डेरा सच्चा सौदा में सत्संग भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

अति जरूरतमंदों को बांटा राशन, वस्त्र, पक्षियोद्धार मुहिम के तहत बांटे सकोरे

डेरा सच्चा सौदा में पावन भंडारा कार्यक्रम में पहुंची साध-संगत का नजारा।

पायनियर समाचार सेवा। सिरसा

सर्वधर्म संगम व मानवता भलाई का विश्व विख्यात केन्द्र डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत ने रविवार को सत्संग भंडारा हर्षोल्लास और मानवता भलाई कार्यों के साथ मनाया। इस पावन अवसर पर आयोजित विशाल रूहानी नामचर्चा में देश के अलग-अलग राज्यों से भारी तादाद में साध-संगत ने शिरकत की।

पावन भंडारे में साध-संगत के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आश्रम की ओर आने वाले मार्गों पर दूर-दूर तक साध-संगत का सैलाब नजर आ रहा था और मार्गों पर कई-कई किलोमीटर तक वाहनों की कतारें नजर आई। साध-संगत के जोश, जज्बे और श्रद्धाभाव के सामने प्रबंधन द्वारा बनाए गए चार विशाल पंडाल भी छोटे पड़ गए। नामचर्चा की शुरूआत से पहले ही सभी पंडाल खचाखच भर गए और नामचर्चा की समाप्ति तक ये सिलसिला जारी रहा। इस अवसर पर गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंहजी इन्सां ने साध-संगत के नाम अपना 16वां रूहानी पत्र भेजा, जिसे साध-संगत को पढ़कर सुनाया गया। गुरु जी ने पत्र में साध-संगत को सत्संग भंडारे की बधाई देते हुए लिखा कि आप सब सुमिरन, अखण्ड सुमिरन तथा नामचर्चा व नाम चर्चा सत्संग में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया करो। परहित परमार्थ व बढ़-चढ़ कर सेवा किया करो। मालिक जल्द से जल्द आपकी जायज मांग जरूर से जरूर पूरी करेंगे।

सत्संग की नामचर्चा के दौरान फूड बैंक मुहिम के तहत 75 अति जरूरतमंदों को राशन किटें और क्लॉथ बैंक मुहिम के तहत 75 बच्चों को वस्त्र वितरित किए गए। इसके अलावा पक्षी उद्धार मुहिम के तहत 175 सकोरे दिए गए। सत्संग भंडारे के दौरान साध-संगत ने बड़ी-बड़ी स्क्रीनों के माध्यम से गुरु जी के अनमोल वचनों का लाभ उठाया। साध-संगत ने एकाग्रचित होकर गुरु जी के वचनों को श्रवण किया।

जागरुकता के लिए गाए गए गीतों पर झूमी साध-संगत : इस अवसर पर गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंहजी इन्सां द्वारा नशों के खिलाफ आमजन को जागरूक करने के लिए गाए गए सांग मेरे देश की जवानी व आशीर्वाद मांओं का...चलाए गए, जिससे युवाओं को नशों से दूर रहने का संदेश मिला। इसके साथ ही साध-संगत ने नाच-गाकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान सत्संग भंडारे को लेकर बनाई गई एक डॉक्यूमेंट्री भी चलाई गई, जिसे सभी ने ध्यानपूर्वक देखा व सुना। नामचर्चाकी समाप्ति पर हजारों सेवादारों ने आई हुई साध-संगत को कुछ ही मिनटों में लंगर-भोजन और प्रसाद छका दिया।

उल्लेखनीय है कि डेरा सच्चा सौदा के 75वें रूहानी स्थापना दिवस व जाम-ए-इन्सां गुरु का के पावन अवसर पर 29 अप्रैल को पूज्य गुरु संत डॉ. गुरमीत राम रहीम सिंह जी इन्सां ने 15वीं चिट्ठी में मई महीने को लेकर पावन वचन फरमाए थे। चिट्ठी द्वारा पूज्य गुरु जी ने फरमाया था कि सन 1948 में पूजनीय बेपरवाह साईं शाह मस्तानाजी महाराज ने डेरा सच्चा सौदा का निर्माण कर पहला सत्संग मई महीने में फरमाया था। इसलिए मई महीने में भी साध-संगत पावन भंडारा मनाया करेगी।

सड़क हादसे में सैनिक की मौत, ड्यूटी जाते समय रास्ते में हुई दुर्घटना

मृतक सैनिक हवलदार मुकेश कुमार की फाइल फोटो।

सोहना। नगर परिषद के वार्ड-20 का सांप की नंगली निवासी 28 वर्षीय सैनिक की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक सैनिक की बाइक को जिला के गांव झांझारौल खेड़ा थाना सुल्तानपुर के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी। मृतक सैनिक अपनी दो बहनों के बीच अकेला भाई था।

नगर परिषद वार्ड-20 का गांव सांप की नंगली निवासी मुकेश कुमार शनिवार की सुबह 8 बजे चण्डीगढ़ स्थित टार्जिर कैंप ड्यूटी पर जाने के लिए घर से बाइक पर निकला था। मुकेश कुमार बाइक को अपने रिश्तेदार सतबीर निवासी झांझारौल खेड़ा थाना सुल्तानपुर जिला गुरुग्राम के घर अपनी बाइक को खड़ी करने के इरादे से लेकर गया था। जिसका शनिवार की दोपहर बाद तीन बजे फ रुखनगर के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया था।

जिसे उपचार के लिए पास के एसजीटी अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया था। जहां डॉक्टरों ने हलदार मुकेश कुमार को मृतक घोषित कर दिया। मृतक के चाचा हंसराज ने भोंडसी पुलिस को बताया कि मुकेश सतबीर के साथ चण्डीगढ़ जाने के लिए सांप की नंगली से गया था। वह अप्रैल माह में छुट्टी आया था।

अंतिम संस्कार में सैंकड़ों की भीड़ : मृतक हवलदार मुकेश कुमार के शव का रविवार को उसके पैतृक गांव सांप की नंगली में सैंकड़ों ग्रामीण, रिश्तेदार और मित्रगणों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कर दिया। इस अवसर पर सोहना विधायक संजय सिंह, समाज सेवी बलबीर सिंह रावत, भाजपा नेता हरबीर सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एक साल पहले पिता की मौत: मृतक सैनिक हवलदार मुकेश कुमार के पिता रणजीत की भी एक साल पहले स्वर्गवास हो गया था। मुकेश कुमार अपनी दो बहनों का एक मात्र भाई था। नौ साल पहले सेना में देश सेवा करने के इरादे से भर्ती हुआ था।

सैनिक का परिवार देश भक्त: जानकारी के अनुसार मृतक हवलदार मुकेश कुमार का परिवार देशभक्त है। सैनिक मुकेश के ताऊजी सूबेदार हरिचंद, चाचा कैप्टन हंसराज, चाचा सूबेदार सतबीर सिंह रिटायर्ड व भाई सचिन कुमार देश सेवा में कार्यरत है।

संक्षिप्त समाचार

पल्स पोलियो की खुराक पिलाकर किया अभियान का शुभारंभ

गुरुग्राम। जिला में 28 से 30 मई के बीच चलने वाले पल्स पोलियो अभियान का रविवार को सीएमओ डॉ. वीरेंद्र यादव ने शुभारंभ किया। डीसी निशांत कुमार यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान के तहत नागरिक अस्पताल सेक्टर-10 में सीएमओ ने बच्चों को स्वयं पोलियो की खुराक देकर इस तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत की। डॉ. यादव ने इस दौरान नागरिक अस्पताल में अभियान के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। सीएमओ डॉ. वीरेंद्र यादव ने वहां उपस्थित चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस अभियान को सफल बनाना हमारी साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग योजनाबद्ध तरीके से काम करते हुए इस पुनीत कार्य के अभियान को सफल बनाने के लिए सहयोग करें। इस दौरान उन्होंने जिलावासियों से भी अपील करते हुए कहा कि सभी अभिभावक इस तीन दिवसीय अभियान में अपने 5 साल तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा अवश्य पिलवाएं। कार्यक्रम में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. जय प्रकाश ने सीएमओ को पूरे अभियान की रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि पल्स पोलियो अभियान के तहत 28 मई को पोलियो बूथ पर तथा 29 व 30 मई को घर-घर जाकर बचे हुए बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा अलग-अलग स्तर पर मॉनीटरिंग करते हुए काम किया जाएगा। इसके साथ साथ गुरूग्राम में माइग्रेटरी आबादी को ध्यान में रखते हुए निर्धारित लक्ष्य से अधिक बच्चों को कवर करते हुए उन्हें पोलियोरोधी दवा पिलाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए जिला में 1557 टीकाकरण केन्द्रों पर लगभग 5408 वैक्सीनेटरों का सहयोग लिया जा रहा है। इसके साथ ही जिला में 162 मोबाइल टीमें, 501 हाईरिस्क एरिया की पहचान, 33 ट्रांजिट टीमें, 286 सुपरवाईजरों की ड्यूटी लगाई गई।

गुरुग्राम से किसान मोर्चा को नहीं जाने दिया जंतर-मंतर पर

गुरुग्राम। देश की राजधानी स्थित जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों के धरने का समर्थन करने गुरुग्राम से जा रहे किसान मोर्चा के सदस्यों को पुलिस ने रोक लिया। किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष संतोख सिंह कार्यकर्ताओं व महिला संगठनों के साथ हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन पर पहुंचे तो सभी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उन्हें क्षेत्र के सेक्टर-29 पुलिस थाना ले जाया गया। संतोख सिंह, महेंद्र सिंह ठाकरान, सूबे सिंह बोहरा आदि का कहना है कि पुलिस से आग्रह भी किया गया कि वे शांतिपूर्वक जंतर-मंतर पर जा रहे हैं, लेकिन पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनीं। उन्हें जंतर-मंतर पर नहीं जाने दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस थाना क्षेत्र में ही उन्हें रोक लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार खिलाड़ियों के आंदोलन से डर गई है और तानाशाही रवैया अपनाकर आंदोलन को तोड़ना चाहती है। दिल्ली की सीमाओं को सील कर दिया गया है, ताकि लोग जंतर-मंतर पर महिला पहलवानों के आंदोलन के समर्थन में न पहुंच सकें। उनका कहना है कि सेक्टर-29 थाना में ही महिला सम्मान महापंचायत का आरंभ सभी ने मिलकर कर दिया। पुलिस द्वारा रोके गए लोगों में उषा सरोहा, धर्मबीर कटारिया, देविका सिवाच, रामवती, भारती देवी, डा. मुकेश शर्मा, जगपाल सिंह कटारिया, सतबीर सिंह, जसबीर ठाकरान, महाबीर, अनिल दहिया, अनूप सिंह, नवीन, रविंद्र, महाबीर ठाकरान, मनफूल ठाकरान, दयाचंद ठाकरान, जगदीश ठाकरान, विजेंद्र फौजी, आकाशदीप आदि शामिल रहे।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई यूपीएससी की परीक्षा

गुरुग्राम। जिला प्रशासन ने रविवार को जिला में दो सत्रों में आयोजित संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराया। इसके लिए स्वयं एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कमान सम्भाली और जिला में बनाए गए परीक्षा केंद्रों में से कुछ को आकस्मिक तौर पर चेक किया। उन्होंने उन परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजन की व्यवस्थाएं देखी, परीक्षा केंद्र अधीक्षक व स्टाफ से भी पूछताछ की। एडीसी ने बताया कि प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि प्रश्न पत्र सही तरीके से गोपनीयता से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे, जिसके लिए डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर ड्यूटी पर लगाए गए। उन्होंने बताया कि संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा की यह परीक्षा दो चरणों मे आयोजित की गई थी। पहली शिफ्ट प्रात: 9.30 बजे से 11.30 बजे तक थी। वहीं दूसरी शिफ्ट दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक थी। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा के लिए गुरुग्राम जिला में 61 केंद्र बनाए गए थे व 24 ड्यूटी मजिस्ट्रेट लगाए गए थे। इन केंद्रों पर 20060 परीक्षार्थियों ने परीक्षा देनी थी। दोनों चरणों मे 68 प्रतिशत के करीब परीक्षार्थी परीक्षा देने आए थे। सुरक्षा की दृष्टि से जिन स्कूलों में केंद्र बनाए गए, उसके नजदीक फोटोस्टेट मशीन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वाली दुकानों को बंद रखा गया। दोनों सत्रों में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई।

मंदिर क्षतिग्रस्त कर जबरन कब्जा करने का आरोप

तावडू। उपमंडल के गांव गुढी में दबंगों द्वारा मंदिर क्षतिग्रस्त कर भूमि पर जबरन अवैध कब्जा करने का मामला सामने आया है। मामले में विरोध करने पर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। सदर थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पांच आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गुढी निवासी नवीन ने बताया कि करीब 60 वर्ष पहले ग्राम पंचायत द्वारा दलित समाज के लोगों के लिए भूमि एलोट की गई थी, जिस पर एक कुंआ भी बनाया गया। जिस पर अब गांव के ही दबंग किस्म के लोगों ने कब्जा कर लिया। नवीन का आरोप है कि बीते 25 मई को कुंए के पास स्थित पूजनीय स्थल को तोड़ दबंगों ने घर में आने जाने का रास्ता बना कर जबरन निर्माण भी कर लिया। जिम्मेदार ग्रामीणों ने विरोध किया तो जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली गलौज की गई। इसके अलावा उन्हें जान से मारने की भी धमकी दी गई। नवीन के बयान पर सदर थाना पुलिस ने गुढी निवासी रमजान, जुहरू, कमरू, कासम और असरु के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।ह्व इस मामले में आरोपी पक्ष का कहना है कि संबंधित तथाकथित मंदिर भूमि उनकी निजी मिल्कियत है। इससे संबंधित जरूरी दस्तावेज भी उनके पास मौजूद हैं। वह निष्पक्ष जांच के लिए तैयार हैं।

डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली एजेंसी ने एनजीटी के आदेशों की उड़ाईं धज्जियां

सोहना में डोर टू डोर कूड़ा उठाने के दौरान गीला व सूखा कचरा को एक साथ बिना ढके भरकर ले जाते कंश्यूलेशन एजेंसी के कर्मचारी।

सोहना। नगर परिषद सीमा क्षेत्र में डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली कंश्यूलेशन एजेंसी एनजीटी के आदेशों की जमकर धज्जियां उड़ा रही है। डोर टू डोर कूडा उठाने के दौरान गीला व सूखा कूड़ा-कचरा अलग नहीं किया जा रहा है। वाहनों में भरे कूड़े को बिना जाल या सुरक्षा कवच के निस्तारण केन्द्र ले जाया जा रहा है। नगर परिषद प्रशासन ने अगस्त माह में डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाली कंश्यूलेशन एजेंसी को नये नियम व शर्तों के आधार पर ठेका दिया था। लेकिन यह एजेंसी पहले से ही शहर में डोर टू डोर कूड़ा उठाने का कार्य करती रही है। इस बार ठेका देने से पहले एजेंसी को नये नियम के आधार पर कार्य करने की शर्त रखी गई थी। एजेंसी कर्मचारी सभी नियमों को नजरअंदाज करते हुए अपनी मनमर्जी से कूड़ा उठाने का कार्य कर रहे हैं।

एनजीटी के इन नियमों की पालना नहीं : एजेंसी कर्मचारी को एनजीटी नियम के अनुसार डोर टू डोर कूड़ा उठाने के दौरान गीले व सूखे कचरे को दो अलग-अलग पाशे में रखना होता है, लेकिन वाहन चालक कूड़े की छंटनी किए बिना ही एक ही डिब्बे में कूड़ा भर रहे हैं। कूड़े को निस्तारण केन्द्र तक लेकर जाने से पहले सुरक्षा कवच से ढका जाना चाहिए, लेकिन वाहन चालक सरेआम कूड़े को आम रास्ते से लेकर बाजारों में बिखेरते हुए ले जाते हैं। विशेष रूप से आबादी वाले क्षेत्र से अवश्य लेकर जाते है। जाल न लगा होने के कारण वाहनों से कूड़ा गिरता हुआ जाता है।

परिषद अधिकारियों पर ध्यान नहीं देने का आरोप : नगर परिषद अधिकारी सरेआम एनजीटी के आदेशों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहन चालकों का कुछ नहीं बिगाड़ पा रहे हैं। परिषद अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी अंजान बने हुए हैं। राहुल का कहना है कि अगस्त से लेकर आज तक बीते करीब 9 माह में नप अधिकारियों ने नियमों की धज्जियां उडाने वाले एक भी वाहन चालक का चालान तक नहीं काटा है। जिससे एजेंसी मालिक व उसके कर्मचारी अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं।

अब चालान काटे जाएंगे

एजेंसी कर्मचारियों के वाहन चालकों को कई बार नियमों की पालना करने के लिए चेतावनी देकर छोड़ा गया, लेकिन भविष्य में इस तरफ ध्यान देते हुए चालान काटे जाएंगे।

सतेन्द्र सिंह
(सफाई इंस्पेक्टर नप)

सोहना नप चैयरपर्सन को राजस्थान पुलिस ने किया गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना नप चेयरपर्सन अंजू देवी राजस्थान पुलिस की हिरासत में।

राजस्थान पुलिस ने नगरपरिषद चेयरपर्सन अंजू देवी को गिरफ्तार किया। अंजू देवी पर फर्जी स्कूल प्रमाण पत्र का चुनाव में उपयोग करने का आरोप है। जिसकी तलाश में राजस्थान पुलिस पिछले करीब तीन माह से गिरफ्तार करने के लिए चक्कर लगा रही थी। अंजू देवी के खिलाफ राजस्थान में फर्जी स्कूल प्रमाण पत्र बनवाने के आरोप में मामला दर्ज है।

रविवार को राजस्थान पुलिस ने नगर परिषद चैयरपर्सन अंजू देवी को भोंडसी थाना क्षेत्र के अंर्तगत आने वाली ग्लोबल हाइट सोसायटी के एक फ्लैट से गिरफ्तार किया है। राजस्थान पुलिस अंजू देवी को ग्लोबल हाइट सोसायटी से सीधे अलवर जिला ले गई है। अंजू देवी की एक जमानत याचिका पहले ही रद्द हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार अभी यह मामला राजस्थान के हाई कोर्ट में विचाराधीन है। हालांकि अधिकारिक तौर अंजू देवी के गिरफ्तार होने की पुष्टि स्थानीय स्तर पर नहीं हो सकी है, क्योंकि राजस्थान पुलिस पिछले करीब तीन माह से अंजू देवी की गिरफ्तारी में पहले भी कई बार सोहना में स्थित उनके निवास स्थान पर दो बार तथा अन्य कई स्थानों पर छापामारी कर चुकी थी। रविवार को राजस्थान पुलिस ने किसी को इस बात की भनक तक नहीं लगने दी, क्योंकि राजस्थान पुलिस साधा कपड़ों में ग्लोबल हाइट सोसायटी के उस फ्लैट पर पहुंच गई। जहां पर अंजू देवी रह रही थी।

ललिता ने लगाया था अंजू देवी पर आरोप : नगर परिषद आम चुनाव में दूसरे नंबर पर रही आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी ललिता ने अंजू देवी के स्कूल प्रमाण पत्र फर्जी होने का आरोप लगाया था। जिसकी शिकायत ललिता द्वारा राजस्थान पुलिस से की थी। अंजू देवी को हरियाणा चुनाव आयोग भी स्कूल प्रमाण पत्र फर्जी होने के आधार पर अपदस्थ कर चुका है, लेकिन हरियाणा हाईकोर्ट में चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ अंजू देवी ने याचिका डालकर स्टे लेते हुए राहत की सास लीं और नगर परिषद के चैयरपर्सन पद की शपथ ले ली थी।

नप की राजनीति में आया उछाल : चेयरपर्सन अंजू देवी को राजस्थान पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने से नगर परिषद की राजनीति में काफी बदलाव होने के आसार हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार अंजू देवी को निलंबित करके कार्यभार उप चेयरपर्सन को सौंप सकती है। जिसको लेकर अंजू देवी के विरोधियों ने अपनी योजना को अमलीजामा पहनाने की कवायद शुरू कर दी।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों व समाजसेवियों का किया सम्मान

गुड़गांव विकास मंच एवं ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन ने किया सम्मान समारोह

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में प्रतिभाशाली छात्रों एवं समाजसेवियों के सम्मान समारोह में नर्सिंग ऑफिसर पूनम सहराय को सम्मानित करते मुख्य अतिथि कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल व अन्य।

गुड़गांव विकास मंच एवं ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से प्रतिभाशाली छात्रों व समाजसेवियों के अलावा कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों को भी स्मृति चिन्ह, सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। यहां ओल्ड ज्यूडिशियल कॉम्पलेक्स स्थित होटल ग्रेसियस इन में यह समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल, पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी ललित कटारिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी राजकुमार त्यागी, सोनू तायल, ब्राह्मण सभा झाड़सा के पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र कौशिक, बनवारी लाल शर्मा, एडवोकेट महेश शर्मा, शिक्षाविद् डा. सोना यादव, नर्सिंग ऑफिसर पूनम सहराय, शिक्षिका संगीता दास, संस्था के उपाध्यक्ष अनिल वशिष्ठ, मनीष कौशिक, सोनू कौशिक, कृष्ण भारद्वाज, दीपक कटारिया, सोनाली बत्रा, भारती जैन, अंतरराष्ट्रीय चित्रकार कमल शर्मा, जितेंद्र वशिष्ठ, संदीप गौड़, दयाकिशन भारद्वाज, विकास शर्मा, सोमबीर कादयान, अभिषेक ठाकुर, आशा गगन गोयल, अजय जैन ने शिरकत की।

ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन व गुड़गांव विकास मंच के अध्यक्ष अजय शर्मा ने बताया कि संस्था की ओर से अतिथियों द्वारा एमबीबीएस करने उपरांत डा. प्रिया वशिष्ठ व चार्टर्ड अकांउटेंट सौहार्द अत्री को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इनके अलावा 12वीं कक्षा के टॉपर वेदांत शर्मा, इशिता, मयंक यादव, अनु यादव, प्रिया शुक्ला, शैना शर्मा और 10वीं कक्षा के टॉपर श्रेष्ठ गौड़, रिया कादियान, गर्व बत्रा, काशवी रावत आदि को भी यहां सम्मानित करते हुए उन्हें भविष्य में भी ऐसे ही सफलताओं के लिए शुभकामनाएं दी गई। अपने संबोधन में डा. डीपी गोयल ने कहा कि ये दोनों संस्थाएं गुरुग्राम में समाजसेवा के क्षेत्र में बेहतर काम कर रही हैं। हम सबका लक्ष्य समाजसेवा ही होना चाहिए। जीवन हमें मिला है तो मानवता के काम भी आना चाहिए। सभी को अपने भीतर ऐसी सोच पैदा करनी होगी। हम समाज को कुछ देने की सोच रखें। नवीन गोयल ने कहा कि समाजसेवी के रूप में अजय शर्मा लगातार सक्रिय रहते हैं। उन्होंने कहा कि समाजसेवा का कोई दायरा नहीं होता। वह किसी भी रूप में कहीं पर भी की जा सकती है।

सेक्टर-4 में नवीन ने चलाया सफाई अभियान

नवीन गोयल ने सुबह 6 बजे शुरू किया सेक्टर में सफाई अभियान

पीएम मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के तहत की गई सफाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-4 ग्रीन बेल्ट में सफाई अभियान चलाते नवीन गोयल।

पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने रविवार की सबह 6 बजे से सेक्टर-4 में ग्रीन बेल्ट एरिया में सफाई अभियान चलाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के तहत उन्होंने यह अभियान चलाया। इससे पूर्व नवीन गोयल का स्वागत भी किया गया।

वरिष्ठ साहित्यकार मदन साहनी, सुंदरदास अग्रवाल, हिमांशु, संजीव रोहिल्ला, डा. एससी गुप्ता, महिंद्र रोहिल्ला, राजेश शर्मा, सोनू गर्ग, शीशपाल जांघू, अजय कुमार श्रीवास्तव, निखिल जैन समेत समाज के अनेक आम और खास लोगों ने नवीन गोयल के साथ श्रमदान करके इस क्षेत्र को चमकाया। इस अवसर पर नवीन गोयल ने फिर से दोहराया कि स्वच्छता के मामले में हमें गुरुग्राम को टॉप-10 शहरों में लाना है। इसके लिए ऐसे प्रयास बहुत जरूरी हैं। किसी भी काम की सफलता के लिए हमें निरंतर उस पर फोकस करना चाहिए। हम अगर सड़क पर झाड़ू भी नहीं लगा सकते तो इतना जरूर करें कि अपने हाथ में कागज या अन्य कोई चीज सड़कों पर ना फेंके। उन्हें निर्धारित डस्टबिन में डालें। अगर हम अपने घर की सफाई करके गली में गंदगी डालते हैं तो यह भी ठीक नहीं। नवीन गोयल ने कहा कि हम गुरुग्राम महानगर के निवासी हैं। यह शहर विदेशी लोगों की भी रिहायश है। हमारे द्वारा की गई हर गलती का असर हमारे शहर की छवि पर पड़ता है। केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के प्रयासों से गुरुग्राम विश्व में चमक रहा है। इसकी चमक को हमें फीकी नहीं पड़ने देना। अपने कर्तव्यों का पालन करके हम स्वच्छता ही नहीं बल्कि पर्यावरण में सुधार करने के भी प्रयास करें। पेड़ लगाएं, उनका पालन करें। जिन पेड़ों की छांव में हम बैठते हैं, जिनसे हमें ऑक्सीजन मिलती है, वे भी किसी ने लगाए हैं। इसलिए अपने आगे की पीढ़ियों के लिए हम भी पेड़ लगाएं। नवीन गोयल ने कहा कि ऐसे अभियानों का मुख्य उद्देश्य सफाई करने के साथ क्षेत्र के लोगों को जागरुक करना भी होता है। उन्होंने आह्वान किया कि अपने-अपने क्षेत्र में मौजिज लोग एक टीम बनाकर हर संडे को थोड़ी-थोड़ी सफाई करके अपने क्षेत्र की सूरत बदल सकते हैं। हमें अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। देश के प्रधानमंत्री ने झाड़ू लगाई है। इसलिए हमारे भीतर भी इस काम के प्रति कोई झिझक नहीं होना चाहिए। साहित्यकार मदन साहनी ने भी स्वच्छता और पर्यावरण विषय को गंभीरता से लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन का ये दोनों ही अभिन्न अंग हैं।

विधायक सीमा त्रिखा ने पन्ना प्रमुखों को दी जिम्मेदारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बड़खल विधानसभा क्षेत्र वार्ड-17 के पन्ना प्रमुख कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बड़खल मंडल के अध्यक्ष सत्येंद्र पांडे, पूर्व मंडल अध्यक्ष कर्मवीर बैंसला द्वारा एसजीएम नगर बी ब्लॉक होली फेथ मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किया गया। बैठक में मुख्य वक्ता विधायक सीमा त्रिखा ने शिरकत की।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की सरकार पारदर्शी एवं समदर्शी हाथों में चल रही है, जिसका नेतृत्व मनोहर लाल कर रहे हैं। इस पारदर्शी एवं समदर्शी सरकार के चलते हरियाणा में भ्रष्टाचार खत्म हुआ और पारदर्शी नीति बनी। उनके नेतृत्व में हरियाणा ऐसा पहला राज्य बना जहां गरीबी की न्यूनतम सीमा 1.20 हजार से बढ़ाकर 1.80 की गई।

हरियाणा राज्य के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने में भी अव्वल रहा। उसी प्रकार हरियाणा भाजपा के कर्मठ संघर्षशील अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ भी भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए हरियाणा राज्य में भाजपा का संगठन और पार्टी की नींव को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। विधायक ने इस मौके पर पन्ना प्रमुखों की जिम्मेदारियां भी बताईं।

एडवांस कॉलेज में बारहवीं के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को जिला शिक्षा अधिकारी ने किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

छात्राओं को दी जाएगी विशेष स्कॉलरशिप : डॉ पूनम गोयल

विद्यार्थियों को सम्मानित करते अतिथि व आयोजक।

नए भारत के लिए आपका शिक्षित संस्कारित योग्य होना बहुत जरूरी है। विद्यार्थी अपनी मूल संस्कृति को न भूलें, अपने मूल्यों को संजोकर रखें, ज्ञान अर्जन पर ध्यान दें। अपने लिए जो भी शिक्षा का क्षेत्र श्रेष्ठ हो उसको चुनें, दूसरों को देखकर चुनाव न करें।

ये बातें जिला शिक्षा अधिकारी अशोक बघेल ने एडवांस्ड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में बारहवीं पासआउट विद्यार्थियों के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान बतौर मुख्य अतिथि कही। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के चेयरमैन डॉ. पुनीत गोयल व चैयरपर्सन डॉ. पूनम गोयल ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती। एडवांस्ड एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन छात्रों की प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर तत्पर है। साथ ही इंस्टीट्यूशन में प्रवेश प्राप्त करने वाली छात्राओं को विशेष स्कॉलरशिप देने की घोषणा की।

प्रशासक डॉ. सुनील दलाल ने कार्यक्रम की भूमिका के साथ स्वामी विवेकानंद के कथन को याद दिलाते हुए कहा कि उठो जागो और आगे बढ़ो, लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको। लक्ष्य पाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दो। प्रतिभा सम्मान समारोह में पलवल जिले के अच्छे अंकों से बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले 250 छात्रों को सम्मानित किया। इस अवसर पर कम उम्र में प्रतिभाओं की धनी सात वर्ष की छात्रा सृष्टि गुलाटी को उनकी प्रतिभाओं और कार्यों के लिए सम्मानित किया।

कार्यक्रम में राजकीय विद्यालयों के प्रिंसिपल डॉ. रंजना गुप्ता, मोनिका, सरिस्का गर्ग, ओम पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल राजेंद्र खटाना तथा विभिन्न स्कूलों के अध्यापक शमशेर सिंह, अमरचंद, पारुल तोमर, यशपाल, प्रवीण गुलाटी, कुसुम, पिंकी तथा विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभा सम्मान समारोह की कोर्डिनेटर प्रोफेसर लक्ष्मी शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि, शिक्षकों, अभिभावकों, छात्रों व श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। प्रोफेसर शर्मा ने बताया कि आज हम सबके लिए ये गौरव की बात है कि लड़कियां बेहतर शिक्षा पाकर बेहतर परिणाम ला रहीं हैं। इससे नए समाज का निर्माण संभव हो रहा है।

पलवल में पटाखे बनाने की अवैध फैक्ट्री का फंडाफोड़

एक आरोपी गिरफ्तार, मालिक की तलाश, पांच लाख का कच्चा और तैयार माल हुआ बरामद

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पुलिस द्वारा पकड़ा गया आरोपी।

पुलिस ने पटाखे बनाने की अवैध फैक्ट्री पकड़ी है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार करके करीब दो लाख के तैयार पटाखे व तीन लाख रुपए का पटाखा बनाने का विस्फोटक पदार्थ बरामद किया। सदर थाना पुलिस ने कंपनी मालिक सहित तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सदर थाना प्रभारी विश्व गौरव ने जानकारी देते हुए बताया कि सब इंस्पेक्टर चंदन सिंह टीम के साथ गश्त पर थे। गुप्त सूचना मिली कि अटोहां गांव निवासी किरणपाल के प्लॉट में टीन शेड के नीचे अवैध पटाखा कंपनी चल रही है, जिसमें भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री व तैयार किए गए पटाखे हैं। कंपनी को दक्षिणपुरी दिल्ली निवासी मनजीत कुमार बिना लाइसेंस और परमिट के चलाता है।

पुलिस टीम ने चंदन सिंह के नेतृत्व में मौके पर दबिश दी तो एक शख्श अवैध पटाखे बनाता मिला, जिसको पुलिस टीम ने काबू करके नाम पता पूछा तो उसने जिला बागपत के गुराना रोड बड़ौत निवासी शालीम उर्फ साहिल बताया। तलाशी ली गई तो 46 बॉक्स पैक माचिस छोटे पटाखे मिले। एक बॉक्स में 48 पैकेट थे, जो कुल 2208 पैकेट निकले, जबकि 38 खाली बॉक्स मिले। 15 पीले कटटों में पीले रंग का पाउडर (जिसे विस्फोटक बताया गया है), एक बिजली का कांटा, एक मशीन (डिब्बों की पैकिंग के लिए) और 10 बड़ी टेप मिलीं।

प्लॉट मालिक से भी की जाएगी पूछताछ : विश्व गौरव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शालीन से जब पटाखों को बनाने का लाइसेंस व परमिट मांगा तो वह पेश नहीं कर सका। पुलिस ने पूछा कि पटाखे बनाने का कच्चा माल कहां से आता है और तैयार करके कहां बेचे जाते तो उसने कहा कि यह तो कंपनी का मालिक दिल्ली निवासी मनजीत कुमार ही बता पाएगा। इसके बाद पुलिस ने मामले में बिना अनुमति के अपने प्लॉट में अवैध पटाखे बनाने की कंपनी चलाने के आरोप में अटोहां निवासी किरणपाल को भी 120बी के तहत नामजद कर लिया। पुलिस टीम प्लॉट के मालिक की तलाश में जुटी हुई है।

जज को ठगने वाला दूसरा आरोपी गिरफ्तार

पलवल। जज के साथ साइबर ठगी करने के मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया, जबकि मुख्य आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार करके जेल भेज चुकी है। उसने सरेंडर किया था। तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।

साइबर थाना प्रभारी जसवीर सिंह ने बताया कि कुसलीपुर गांव स्थित ज्यूडिशियल कॉम्पलेक्स में रहने वाले अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश महेश कुमार ने शिकायत दी थी कि उनके साथ ऑनलाइन ठगी हुई। ठगों ने उनके खाते से साढ़े 24 हजार रुपये निकाले। रुपये उनके खाते से 7, 23 व 25 नवंबर को निकाले गए थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू की। जांच में पुलिस जिला अररिया (बिहार) के महलगांव निवासी आरोपी मोहम्मद फोजान तक पहुंची तो उसने पलवल अदालत में अग्रिम जमानत याचिका लगा दी थी, जो रद्द कर दी गई। तीन जनवरी को आरोपी ने अदालत में सरेंडर कर दिया तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने आरोपी से मोबाइल फोन बरामद करके उसे जेल भेज दिया था। थाना प्रभारी ने बताया कि मोहम्मद की निशानदेही पर पुलिस ने दूसरे आरोपी जिला अररिया (बिहार) के चोक्ता मचैला गांव निवासी अमान उल हक की तलाश शुरू कर दी, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार करके पैसों की बरामदगी के लिए रिमांड पर लिया है।

युवक की झगड़े में चाकू घोंपकर हत्या

शोकाकुल मृतक युवक के परिजन।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मृतक-आरोपी दोनों कबाड़ी, किसी बात पर हुआ था विवाद

बाटा पुल के नीचे कबाड़ी का काम करने वाले युवक की चाकू घोंप कर हत्या कर दी। बीती रात साढ़े 11 बजे पुलिस को फोन से सूचना मिली थी कि बाटा पुल के नीचे झगड़ा हो रहा है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो एक युवक को चाकू लगा हुआ था और उसकी मौत हो चुकी थी।

थाना मुजेसर के एसएचओ कबूल सिंह के अनुसार मृतक युवक का नाम 32 वर्षीय कल्लू पुत्र रसीद है, जो कबाड़ी का काम करता था। चाकू मारने वाले युवक का नाम विक्रम है, जो खुद भी कबाड़ी का काम करता है। दोनों ही बाटा पुल के नीचे बनी झुग्गियों मे रहते थे। उनका किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इस झगड़े में विक्रम ने कल्लू को चाकू मार दिया, जिसके चलते कल्लू की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक कल्लू के भाई ने शिकायत में कहा है कि रात को विक्रम और कल्लू का किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया, जिसके बाद विक्रम कल्लू के पीछे चाकू लेकर भागा। कल्लू अपनी जान बचाने के लिए विक्रम की बुआ के घर में घुस गया, लेकिन विक्रम ने अपनी बुआ के घर में घुसकर कल्लू की छाती में चाकू घोंप दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

हनी ट्रैप मामले में पति पत्नी को थाना सेक्टर-8 की टीम ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। सेक्टर-8 थाना प्रभारी नवीन कुमार, चौकी सेक्टर-7 प्रभारी की टीम ने हनी ट्रैप के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में ईशा और उसका पति रक्षित शामिल है।

दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश नोएडा के रहने वाले हैं। दोनों आरोपियों को सेक्टर-6 की कंपनी से काबू किया गया है। पीड़ित ने शिकायत दी थी कि कोरोना महामारी में लॉकडाउन के दौरान फेसबुक के माध्यम से उसकी दोस्ती ईशा से हो गयी। आपसी चैट से स्पष्ट हुआ कि ईशा उसके साथ स्कूल में पढ़ती थी। उसे पता चला कि ईशा भी शादी शुदा है, जो ईशा द्वारा आज से तीन साल पहले मिलने का आफर दिया था। जो उस समय एफिनिटि सेलून, नोयडा में काम करती थी। जहां दोनों में रजामंदी से शारीरिक संबंध बन गये। उसके बाद ईशा ने एक दिन कहा कि में अपना निजी काम करना चाहती है, 20 लाख रुपये ले लिय। जब उसने अपने रुपये वापस मांगे तो ईशा ने कहा कि बिजनेस में घाटा चल रहा है 20 लाख रुपये और दे दो। पैसे देने से मना किया तो उसके पति ने कहा कि मेरी पत्नी के साथ गलत काम किया है, तुम्हारे खिलाफ बलात्कार का मुकदमा दर्ज करवायेंगे और तुम्हारे घर भी तुम्हारे पत्नी को सारी बातें बतायेंगे।

गुदराना में आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों का स्वास्थ्य जांचा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तत्वावधान में जिला नागरिक अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. लोकवीर के दिशा निर्देशन व डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामेश्वरी के मार्गदर्शन में गांव गुदराना स्थित सरोज व सविता आंगनबाड़ी केंद्र में 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य की जांच व स्क्रीनिंग की गई।

शिविर में आरबीएसके टीम के डॉ. रूप व डॉ. ज्योति द्वारा 75 बच्चों के स्वास्थ्य की जांच व स्क्रीनिंग की गई। शिविर में जन्मजात रोग, डेफिशियेंसी, चाइल्डहुड डिजीज तथा डिसेबिलिटी से संबंधित बच्चों के स्वास्थ्य की जांच व स्क्रीनिंग की गई। शिविर में जन्मजात रोग जैसे जन्मजात हृदय रोग, क्लब फुट (पैर के पंजे का अंदर की तरफ मुड़ा होना), न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट (पीठ पर फोड़ा होना), क्लेफ्ट लिप एंड पेलेट (कटे होंठ कटे तालु), जन्मजात बहरापन, अंधापन, डीडीएच, डाउन सिंड्रोम, जन्मजात मोतियाबिंद, रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेच्योरिटी, गंभीर एनीमिया, विटामिनए तथा विटामिन डी की कमी, कुपोषण, घेंगा, चर्म रोग, कान बहना, श्वसन संबंधी, दंत रोग, मिर्गी, दौरा, रिफ्रैक्टिव एरर, भेंगापन शारीरिक व मानसिक विकास में देरी, बोलने व चलने में देरी, न्यूरो मोटर इंपेयरमेंट तथा सामान्य रोग जैसे खांसी, जुकाम, बुखार, दस्त, उल्टी, पेट रोग आदि की जांच व स्क्रनिंग की गई।

शिविर में चार बच्चे दंत रोग, सात बच्चे चर्म रोग, एक बच्चा स्पीच एंड लैंग्वेज डिले (बोलने में देरी), तीन बच्चे जन्मजात हृदय रोग (बच्चों के दिल में छेद होना) से ग्रस्त पाए गए। जिन्हें जिला नागरिक अस्पताल के डीईआईसी सेंटर में इलाज के लिए रेफर किया गया। शिविर में नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

इस अवसर पर डॉ. रूप, डॉ. ज्योति, विकास फार्मासिस्ट, ज्योति एएनएम, आंगनबाड़ी वर्कर सविता, सरोज तथा आंगनबाड़ी के बच्चे व उनके माता-पिता और अभिभावक मुख्य रूप से मौजूद रहे।

ऑटो चालक को चोरी में फंसाने पर दी शिकायत

फरीदाबाद। एक ऑटो चालक को चोरी के आरोप में पकड़ने पर ऑटो चालक का प्रतिनिधिमंडल पुलिस कमिश्नर ऑफिस पहुंचा, जहां उन्हें पुलिस कमिश्नर तो नहीं मिले, लेकिन उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर शिकायत दी।

उन्होंने बताया कि सेक्टर-31 थाना पुलिस ने एक ऑटो चालक को चोरी के आरोप में फंसाया है। उन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच करने के लिए पुलिस से कहा है। दरअसल कुछ समय से सेक्टर-30 पुलिस लाइन से स्क्रैप चोरी हो रहा था। इसकी शिकायत सब इंस्पेक्टर दिनेश कुमार ने 22 मई को सेक्टर-31 थाना पुलिस से की। 23 मई को पुलिस को जानकारी मिली कि सफेद रंग का एक ऑटो बाईपास रोड चाय वाले खोखा के पास से जाएगा, जिसमें तीन महिलाएं और एक ऑटो चालक है। ये पुलिस लाइन की दीवार से स्क्रैप को ऑटो में रख कर जाने वाले हैं।

बुराई का त्याग कर अच्छाई ग्रहण करने का लें संकल्प

धूमधाम से मनाया गया 3डी42 स्थित श्री हनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रविवार को श्रीहनुमान मंदिर का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पवन मटोलिया एवं परिवार द्वारा श्रीखाटू श्याम की स्थापना की गई। इसके बाद श्रीबाला महाराज एवं श्रीखाटू श्याम बाबा की चौकी का आयोजन किया गया।

छोटी कंचन द्वारा केक काटकर विशाल भंडारे का आरंभ किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम को सिद्धपीठ श्रीहनुमान मंदिर श्रीसनातन धर्म महाबीर दल मार्केट नंबर-1 फरीदाबाद के प्रधान राजेश भाटिया के संयोजन में आयोजित किया गया, जिसमें शहर के गणमान्य लोगों ने बढ़ चढक़र अपनी भागीदारी निभाई। राजेश भाटिया ने बताया कि इस मंदिर की स्थापना 46 वर्ष पूर्व मिलापचंद द्वारा हनुमान जी की मूर्ति की स्थापना द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हनुमान जी ने भगवान राम की सहायता करके रावण का नाश करने में अहम भूमिका निभाई, उसी प्रकार आज हम सभी को अपने अंदर छुपी बुराइयों का अंत करके अच्छाइयों को ग्रहण करना चाहिए, क्योंकि अच्छा व्यक्ति ही सशक्त समाज निर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि आज इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। बालाजी एवं श्री खाटू श्याम बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। अंत में प्रधान राजेश भाटिया ने फरीदाबाद वासियों को 14 व 15 जून को होने जा रहे सिद्ध पीठ श्री हनुमान मंदिर श्री सनातन धर्म महाबीर दल मार्केट नंबर-1 के वार्षिकोत्सव का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर पवन मटोलिया, मधुसूदन, राजकुमार, मनोज, कमल, रोहित, मोहित, पीयूष, शुभम, मेघा, विमल खंडेलवाल समस्त मटोलिया परिवार के अलावा प्रधान राजेश भाटिया की पत्नी जनक भाटिया,अंजलि मटोलिया, निशा, आभा, पुष्पा, सरला, सरिता कविता, नंदराम पाहिल, सीमा सितोरिया, गजेंद्र भड़ाना, परविंदर सिंह, बॉबी सितोरिया, मनोज नासवा, योगेश ढींगरा, राजकुमार बोहरा, अमित टंडन, सुरेंद्र गेरा, राजेश भाटिया (कानपुर वाले), उजागर सिंह, शक्ति सेवादल के प्रधान मोहनलाल अरोड़ा, श्रीमां काली मंदिर के प्रधान राकेश रक्कू, बंसीलाल कुकरेजा, कैलाश गुगलानी, राजेश, अनिल, परमेश्वर, पीएल खंडेलवाल, ललित, चंदर, सभी खंडेलवाल बंधु के अलावा राजे भाटिया, हरिंदर भाटिया, अजय शर्मा, सचिन भाटिया, अमर बजाज, अरविंद शर्मा, कुणाल वर्मा, लक्ष्मण सिंह, पवन सिंह, जितिन गांधी, किशन कुमार आहूजा, प्रेम बब्बर, रिंकल भाटिया, गगन अरोड़ा, कुणाल बब्बर, आशीष अरोड़ा, पंकज अरोड़ा, गौरव गुलाटी, रविंद्र गुलाटी, अनुज नागपाल, संदीप कुमार, वेद भाटिया, चुन्नीलाल खत्री, मनोज अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, जीडी शर्मा, राजीव चावला, पुरुषोत्तम माटा, गौरव भाटिया सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

पूर्व डीएसपी को हनीट्रैप में फंसा, 20 लाख मांगे

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

घर पर काम करने आई महिला ने कपड़े उतारे, ब्लैकमेल कर 25 हजार ऐंठे

पूर्व डीएसपी को हनीट्रैप में फंसाकर 20 लाख रुपये मांगने का मामला सामने आया है। महिला पीड़ित से 25 हजार रुपए ले चुकी है। कैंप थाना पुलिस ने शिकायत पर महिला समेत दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कृष्णा कॉलोनी निवासी पूर्व डीएसपी नत्थू सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक महिला का उसके पास फोन आया। फोन पर उसने कहा कि वह उनके पास एक औरत भेज रही है, वह उसके कपड़े साफ कर दिया करेगी। उसके कहा कि वह उस महिला को नहीं जानता, काम पर तुम आ जाओ। जिस पर महिला ने कहा कि वह भी उसके पास ही काम करती है। उसने महिला को फोन नंबर दे दिया।

वह महिला उसके घर आ गई। वहां उसके जानकार की बेटी भी मौजूद थी। महिला ने उसे कहा कि लड़की को यहां से भेज दो। जिसके बाद वह वहां से चली गई। महिला ने कमरे में जाकर अपने कपड़े उतार लिए। उसने शोर मचाया तो जानकार की बेटी वहां आ गई, उसे देखते ही महिला कपड़े पहनकर वहां से भाग गई। कुछ देर बाद उसके पास महिला का दोबारा फोन आया। उसने कहा कि उसने महिला के साथ क्या किया है, वह पुलिस चौकी में बैठी है, अब वह पुलिस को शिकायत देगी। महिला ने कहा कि उसने उस महिला को बुला लिया है, वह 50 हजार रुपये मांग रही है। वह 25 हजार रुपये देने की बात पर राजी हो गया।

उसने बेटे से 25 हजार मंगाकर उस महिला को दे दिए। पैसे लेते हुए उन्होंने उसके फोटो खींच लिए। पैसे लेने के बावजूद अब वह महिला फोन कर उसे 20 लाख रुपये की डिमांड कर रही है। साथ ही धमकी दे रही है कि पैसे नहीं दिए तो रेप केस में फंसा देगी। नत्थू ने आरोप लगाया कि महिला के साथ रिक्शा चलाने वाला युवक राहुल भी शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

मांगों को लेकर जींद की रैली में शामिल हुए पलवल के कर्मचारी

पलवल। पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, रेगुलराईजेशन की नीति बनवाने, हरियाणा का अलग से वेतन आयोग गठित करने समेत कई मांगों को लेकर रविवार को पलवल जिले के सैकड़ों कर्मचारी सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के तत्वावधान में आयोजित चेतावनी रैली में शामिल होने के लिए जींद पहुंचे। कर्मचारी नेताओं का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इससे जाहिर होता है कि कर्मचारी सरकार से आर पार की लड़ाई के मूंड में नजर आ रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि कौशल रोजगार निगम का गठन कर सरकार ने कर्मचारियों के हितों पर कुठाराघात किया है। कौशल रोजगार निगम में कर्मचारियों की कोई भी वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं होती है। उसमें केवल पांच वर्ष के अनुभव के आधार पर मात्र 1050 की वेतन वृद्धि होती है। यह वेतन वृद्धि महंगाई के समय में ऊंट के मुंह में जीरे के सामान है। सिंचाई विभाग मैकेनिकल में कार्यरत कौशल रोजगार निगम के कर्मचारियों को अप्रैल माह का वेतन अब तक नहीं मिला है। उनकी मांग है कि सरकार नीति बनाकर तमाम तरह के कच्चे कर्मचारियों को रेगुलर करे। एक जनवरी 2006 से नियुक्त सभी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लाभ सरकार दे। विभागों को सिकोड़ना, उन्हें बंद करना व निजीकरण सरकार बंद करे। खाली पड़े पदों पर समय रहते सरकार नियमित भर्ती करे। रैली में मुख्य रूप से जिला प्रधान राजेश शर्मा, सचिव योगेश शर्मा, देवी सिंह सहजवाल, रमेश डागर, राकेश तंवर, हरकेश सौरोत, दिवाकर, कन्हैया, देवेंदर नंबरदार, अनिल आदि शामिल रहे।

ऑनलाइन आभूषण मंगाने पर हुई सवा लाख की धोखाधड़ी

फरीदाबाद। सराय ख्वाजा इलाके में एक ज्वैलर को आभूषणों के लिए ऑनलाइन आर्डर देना महंगा पड़ गया। उसके साथ 1.25 लाख रुपये की धोखाधड़ी हो गई। करीब आठ महीने बाद अब पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। सराय ख्वाजा निवासी अक्षय कुमार वर्मा ने पुलिस को शिकायद दी है कि उनकी यहां बजरंग चौक पर आभूषणों की दुकान है। दिवाली पर उन्हें चांदी के कुछ आभूषणों की आवश्यकता थी। आभूषण खरीदने के लिए वे ऑनलाइन सर्च कर रहे थे। उन्हें एक नंबर मिला, उस पर कॉल किया। कॉल उठाने वाले ने कहा कि वह अच्छी किस्म के आभूषण उचित दाम पर देता है। विश्वास करके अक्षय ने उसे ऑर्डर दे दिया। उसने बिल और आभूषणों के फोटो व्हाट्स-एप पर डाल दिए। उसने कहा कि आभूषणों का भुगतान पहले करना होगा। अक्षय ने उसके खाते में 1.25 लाख रुपये डाल दिए। इसके बाद भी उन्हें कोई आभूषण प्राप्त नहीं हुए। उस व्यक्ति ने उनका फोन उठाना भी बंद कर दिया। तब अक्षय को ठगी का अहसास हुआ और पुलिस को शिकायत दी। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया है, मामले की जांच की जा रही है।

नए संसद भवन के उद्घाटन पर खुशी जाहिर की

फरीदाबाद। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नए संसद भवन का उद्घाटन करने के उपलक्ष में सेक्टर-46 फरीदाबाद के निवासियों ने पार्क में इकट्ठा होकर अपनी खुशी जाहिर की। इस मौके पर आरडब्ल्यूए प्रधान एनके गुप्ता, एलएन बिधूड़ी, भूपेंद्र नागर, सुनील कथूरिया, वेदराम चौधरी, वीरपाल मावी, संजीव जेटली, सुरेंद्र मित्तल, जेपी रायसिंघानी व बड़ी संख्या में सेक्टर निवासियों ने इकट्ठा होकर जलपान के साथ इस मौके पर अपनी शुभकामनाएं दीं।

आम आदमी पार्टी के प्रति दिनोंदिन बढ़ रहा है युवाओं का रुझान

फरीदाबाद। कांग्रेस व भाजपा में आस्था रखने वाले अनेक युवाओं ने जिलाध्यक्ष हरेंद्र भाटी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया। आम आदमी पार्टी फरीदाबाद के लोकसभा अध्यक्ष पंडित राजेंद्र शर्मा के बाटा चौक स्थित कार्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आप में शामिल हुए कृष्ण, अशोक, राहुल, जगबीर, अमर, अजय, सिकंदर, साहिल, विवेक, रवि, हरिकेश, अभिषेक, नितिन, सुमित आदि अनेक युवाओं को हरेंद्र भाटी ने पार्टी की टोपी व पटका पहनाया और उन्हें विश्वास दिलाया कि पार्टी में उन्हें पूरा मान सम्मान मिलेगा। उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए हरेंद्र भाटी ने कहा कि भाजपा-कांग्रेस एक सिक्के के दो पहलु हैं और इन दोनों पार्टियों ने देश व प्रदेश में सबसे अधिक शासन किया। लेकिन हमेशा गरीब, दलित, पिछड़ों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया और सत्ता प्राप्ति के बाद इन वर्गो की सदैव अनदेखी की। जबकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली शिक्षा, चिकित्सा क्षेत्र में जो परिवर्तन करके आम आदमी को राहत प्रदान की, उससे पूरे देश में एक नई राजनीति का सूत्रपात हुआ और दिल्ली मॉडल की तर्ज पर आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सरकार बनाई व गरीब, दलित, पिछड़े वर्गों के हितों के लिए कार्य किए।

विधायक राजेश नागर ने निगम आयुक्त संग की समीक्षा बैठक

फरीदाबाद। तिगांव के भाजपा विधायक राजेश नागर ने नगर निगम आयुक्त जितेंद्र दहिया एवं अन्य अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की। नागर ने कहा कि हर सप्ताह किसी न किसी विभाग के साथ बैठक कर तिगांव विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देना हमारा उद्देश्य है। सेक्टर-16 स्थित सर्किट हाउस में हुई इस बैठक में विधायक राजेश नागर ने निगम आयुक्त जितेंद्र दहिया को अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि तिगांव विधानसभा क्षेत्र के अनेक कार्यों की गति को बढ़ाए जाने की जरूरत है, जिससे हम उन्हें समय पर लोगों को सौंप सकें। इसके अलावा ऐसे अनेक प्रोजेक्ट हैं, जिनके लिए धन का भी इंतजार नहीं करना है, उन्हें तुरंत प्रभाव से टेंडर करवाकर शुरू करवाएं। उन्होंने कहा कि विधानसभा का एक एक मतदाता हरियाणा सरकार का हिस्सा है। इसलिए हम हर क्षेत्र तक विकास को लेकर जाएंगे। इसके साथ ही हाल ही में निगम में शामिल हुए गांवों में भी विकास की गति को बढ़ाने पर हमारा फोकस है। जिसके लिए बैठक बहुत महत्वपूर्ण नतीजे लेकर आएगी। विधायक राजेश नागर ने बताया कि पिछली बैठक आयुक्त की अनुपस्थिति में हुई थी, जिस कारण कुछ निर्णय नहीं ले पाए थे। लेकिन आज की बैठक में कई निर्णय लिए गए हैं और आयुक्त ने अपने अधीनस्थों को विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढील न बरतने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने भी बताया कि हाल ही में नगर निगम में शामिल हुए गांवों में विकास को गति देना उनकी प्राथमिकता होगी। इन गांवों में रहने वाले लाखों लोगों को शहरी सुविधाएं देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं और इस कार्य में हम विधायक के साथ समन्वय करके कर रहे हैं। गौरतलब है कि एक सप्ताह पहले निगम के अधीक्षक अभियंता के साथ हुई बैठक में ही विकास कार्यों पर चर्चा हुई थी और उनको बता दिया गया था कि अगले सप्ताह इन सभी कार्यों की समीक्षा बैठक होगी। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें निगम आयुक्त के अलावा कार्यकारी अभियंता ओमदत्त सहित कई एसडीओ व जेई भी मौके पर मौजूद रहे।

कर्नाटक नतीजा

लोकरंजकता का खतरा

कर्नाटक विधानसभा चुनाव नतीजे विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच 'प्रतियोगी लोकरंजकता' को जन्म दे सकते हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की शानदार विजय ने न केवल राष्ट्रीय राजनीति में एक नई गतिशीलता पैदा की है, बल्कि इसने आर्थिक सुधारों के भविष्य पर भी सवालिया निशान लगा दिए हैं। वैसे भी आमतौर से आम चुनाव के पहले सुधारों को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। पी.वी. नरसिम्हा राव ने अपने कार्यकाल 1991-96 के पहले तीन सालों में ऐतिहासिक उदारीकरण किया था। इसी प्रकार महान उदारवादी माने जाने वाले अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल के अंतिम वर्ष में किसी सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम-पीएसयू का निजीकरण नहीं किया था। कहा जाता है कि फिलहाल नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार किसी नए पीएसयू का निजीकरण नहीं शुरू करेगी, हालांकि सरकार आईडीबीआई बैंक, शिपिंग कार्पोरेशन, बीईएमएल व कंटेनर कार्पोरेशन आफ इंडिया-कोनकोर में विनिवेश संबंधी प्रक्रिया पर आधारित समझौतों को आगे बढ़ाती रहेगी। एक खबर में एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि 'दो सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों व एक बीमा कंपनी के प्रस्तावित निजीकरण को टाल दिया गया है।' इसके कारण तलाशना कठिन नहीं है। समाजवादियों व निहित स्वार्थी तत्वों के लिए किसी निजीकरण में कमियां तलाशना बहुत आसान है। वे अक्सर इससे जुड़ी हर चीज और हर व्यक्ति की निंदा करते हैं जिसमें निजीकरण, प्रक्रिया, निजीकरण करने वाले, इसका प्रयास करने वाली सरकार तथा पीएसयू की ब्रिकी के समर्थक अर्थशास्त्री व विशेषज्ञ शामिल हैं। वे 'निजीकरण विरोधी जिहाद' में सभी तरकीबें और फर्जी तर्क आजमाते हैं जिनमें 'रोजमर्रा खर्च के लिए घर का सोना-चांदी बेचने', 'मामूली कीमत पर राष्ट्रीय संपत्तियों की बिक्री', आदि तर्क शामिल हैं। यदि वे निजीकरण रोकने में विफल रहते हैं तो निजीकरण करने वालों को परेशान करते हैं। वाजपेयी कैबिनेट में विनिवेश मंत्री रहे अरुण शोरी निजीकरण के दशकों बाद आज भी अदालतों में मुकदमों का सामना कर रहे हैं।

उदारीकरण के 'राजनीतिक जोखिम' भी बहुत हैं या कम से कम राजनेताओं का यही विश्वास है। उदाहरणार्थ, 2004 में वाजपेयी सरकार की पराजय का कारण कुछ लोग सरकार के निजीकरण प्रयासों को बताते हैं। लेकिन तथ्य यह है कि न केवल वामपंथी झुकाव वाले बुद्धिजीवी, बल्कि संघ परिवार से जुड़े कुछ लोग भी संभवत: सरकार द्वारा किए अनेक सुधारों से संतुष्ट नहीं थे। उस समय सार्वजनिक विमर्श 'समाजवादी पूर्वाग्रहों' से अत्यधिक प्रभावित था, और कुछ सीमा तक आज भी यही स्थिति है। सबसे बुरी बात यह समझ है कि अर्थव्यवस्था में किसी को लाभ दूसरों की कीमत पर ही हो सकता है। इसलिये यदि उस समय भाजपा के दावों के अनुसार, 'इंडिया शाइनिंग' था तो भारत दु:खी रहा होगा। इस माहौल में कांग्रेस ने कहना शुरू किया, 'आम आदमी को क्या मिला।' मोदी सरकार की प्रशंसा की जानी चाहिए कि इस सामाजिक, सांस्कृतिक व राजनीतिक परिवेश में भी उसने न निजीकरण को खारिज किया है और न उसकी गति धीमी की है। लेकिन 'लोकरंजकता' का खतरा असली है और यह बढ़ सकता है। कांग्रेस ने कर्नाटक में लोकरंजकता का सहारा लिया जिसके कारण राज्य के करदाताओं पर 50,000-60,000 करोड़ का भार पड़ेगा। कांग्रेस व अन्य पार्टियां और ज्यादा 'खैरातों' व 'रियायतों' की घोषणा कर सकती हैं। ऐसे में भाजपा को भी चाहे-अनचाहे 'प्रतियोगी लोकरंजकता' में उतरना पड़ सकता है। यदि ऐसा होता है तो आर्थिक सुधारों को भयानक धक्का लगेगा।

समझना होगा सावरकर के हिन्दुत्व को

वीर सावरकर के अनुसार 'हिंदुत्व' एक ऐसी बृहत्तर विचारधारा है जिसमें अनेक भारतीय धर्म, भारत भूमि की भौगोलिक अवधारणा एवं एक सांस्कृतिक पहचान सम्मिलित है।

डॉ. विकास नौटियाल
(लेखक, इतिहास के प्रोफेसर हैं।)

भारत में सनातन संस्कृति के अंतर्गत प्रश्न करने, प्रश्नोत्तर, शास्त्रार्थ, प्रश्नचिन्ह लगाने की परंपरा एक 'लोकतांत्रिक विमर्श' के रूप में वैदिक काल से ही देखी जा सकती है। वीर सावरकर के संबंध में उनके योगदान को लेकर उनके विरोधियों में भी यह सहमति अवश्य है कि अपने जीवन के प्रारंभिक काल में वे क्रांतिकारी आंदोलन के सूत्रधार एवं रणनीतिकार रहे। सांस्कृतिक रूप से भारत के हिंदुओं को एकजुट करने का प्रयास सावरकर द्वारा अपनी विचारधारा 'हिंदुत्व' के अंतर्गत किया गया। भारत के इतिहास एवं संस्कृति में भारत के सनातन ग्रंथों में भारत भूमि के लिए 'जम्मू द्वीपे भारतखंडे' शब्दावली का प्रारंभ में प्रयोग मिलता है। हिंदू शब्द का प्रयोग भौगोलिक एवं धर्म दोनों रूपों में किए जाने की पृष्ठभूमि प्राचीन काल में निर्मित होने लगी थी। मूल रूप से ऋग्वेद में सत्य के मार्ग के लिए 'सनातन' एवं कॉस्मिक व्यवस्था की नियमबद्धता, शाश्वता के लिए 'ऋत' शब्द का प्रयोग किया गया किंतु धीरे-धीरे इस 'ऋत' जैसी नियमावली का सामाजिक जीवन में 'धर्म' के रूप में प्रयोग होने लगा। सनातन एवं ऋत की इसी संकल्पना के आधार पर प्राचीन काल में वैदिक धर्म के विस्तारित रूप को सनातन धर्म भी कहा जाने लगा एवं यही हिंदू धर्म की मूल पृष्ठभूमि बना।

सावरकर एवं उनके चिंतन में सनातन संस्कृति की अभिव्यक्ति 'हिंदुत्व' के राजनीतिक सांस्कृतिक आयाम के अंतर्गत जटिल रूप में परिभाषित हुई जो कि उनके द्वारा 'हिंदुओं की एकता' के लिए सनातन, सनातन धर्म एवं सनातन संस्कृति की पृष्ठभूमि में विकसित की गई। वस्तुत: 'हिंदुत्व' (हिंदूनैस) शब्दावली संस्कृत, हिंदी, मराठी से संबंधित रही है। यह शब्दावली अंग्रेजी की नहीं है। सावरकर द्वारा 'हिंदुत्व' शब्दावली का प्रयोग उनकी अंग्रेजी में लिखी गई पुस्तक हिंदुत्व: हू इज हिंदू , जिसकी रूपरेखा अंडमान की जेल के दौरान तैयार की गई थी, में 1923 में किया गया। जिस संदर्भ में सावरकर द्वारा 'हिंदुत्व' शब्द का प्रयोग किया गया इससे पूर्व में इसका प्रयोग इस संदर्भ में नहीं था। वस्तुत: 'हिंदुत्व' शब्दावली का प्रयोग हुगली के बंगाली साहित्यकार चंद्रनाथ बसु द्वारा 19वीं शताब्दी के अंतिम दशक में किया गया। वैचारिक रूप से 'हिंदू राष्ट्र' की अवधारणा 19वीं शताब्दी में ही श्रीअरबिंदो घोष के नाना राजनारायण बसु एवं उनके मित्र नवा गोपाल मित्र के विचारों में भी देखी जा सकती है। इसके उपरांत तिलक, लाला लाजपत राय, भाई परमानंद, हिंदू महासभा द्वारा भी हिंदू एवं हिंदुत्व शब्दावली का प्रयोग किया गया। किंतु सावरकर द्वारा अपने से पूर्व के इन महानुभावों से भिन्न रूप में हिंदुत्व को परिभाषित किया गया।

सावरकर ने 'हिंदुत्व' को परिभाषित करते हुए इसे हिंदू धर्म से पृथक एवं एक अत्यंत वृहत अवधारणा माना। उनके अनुसार 'हिंदुत्व' एक ऐसी बृहतर विचारधारा है जिसमें अनेक भारतीय धर्म, भारत भूमि की भौगोलिक अवधारणा एवं एक सांस्कृतिक पहचान सम्मिलित है। वे 'हिंदुत्व' के अंतर्गत 'धार्मिक राष्ट्रवाद' के बजाय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर अधिक बल देते हैं। उनके अनुसार जब-जब भारत में हिंदू के साथ 'इज्म' शब्द का प्रयोग किया जाता है तो इसका संदर्भ 'हिंदू रिलिजन' के संबंध में कर दिया जाता है। किंतु 'हिंदुत्व' भारत भूमि में रहने वाले सभी भारतीयों को 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' के रूप में एक कर एक संयुक्त बल के द्वारा 'हिंदू राष्ट्र' बनाता है । हिंदुत्व के आधार पर विकसित राज्य में सभी धर्मों एवं संप्रदायों को महत्व दिया जाना सुनिश्चित किया गया किंतु अल्पसंख्यकों का किसी प्रकार से तुष्टीकरण एवं रियायत प्रदान नहीं देने की बात कही गई। यह भी कहा गया की 'हिंदू राष्ट' हिंदुत्व पर आधारित राज्य का एक महत्वपूर्ण एवं प्रभु भाग होगा अन्य धर्मों के लोग हिंदुत्व के राज्य- 'हिंदू राज' के भीतर गरिमा एवं सम्मान के साथ रह सकते हैं। ऐसे धर्मों के लोगों को भारतभूमि के इस हिंदुत्व की मुख्य संस्कृति को अपनाना अधिक बेहतर माना गया।

सावरकर के अनुसार हिंदू शब्द की उत्पत्ति सिंधु शब्द से हुई है और हिंदू वे हैं जो सिंधु से लेकर समुद्र पर्यंत तक भारतीय भूमि में वास करते हैं। जिनकी 'पित्रभूमि' एवं 'पुण्यभूमि' दोनों ही भारत बताई गई। यहां 'पित्रभूमि' से उनका आशय पूर्वजों की भूमि से तथा 'पुण्यभूमि' से आशय उनके पवित्र तीर्थस्थलों से था। उनकी हिंदुत्व की संकल्पना मूलत: हिंदू धर्म नहीं थी किंतु इसने ईसाइयों एवं मुसलमानों के मन में एक संदेह अवश्य उत्पन्न कर दिया। सावरकर ने व्यक्ति विशेष के हिंदू धर्म को राष्ट्र की हिंदू संस्कृति कहकर उसे अधिक वृहत्तर एवं संस्थागत करते हुए एक सेकुलर 'हिंदुत्व' नाम से परिभाषित किया।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जिन्ना एवं अन्य अधिकांश मुस्लिम नेताओं ने सावरकर के 'हिंदुत्व' को समझने में गलती की और हो सकता है कि वे यह समझना भी न चाहते हों कि सावरकर के 'हिंदुत्व का आशय हिंदू धर्म से नहीं है।' सावरकर के बारे में पूर्वाग्रह से ग्रसित तथाकथित विद्वानों एवं आलोचकों का यह मानना रहा है कि जिन्ना से पूर्व सावरकर द्वारा 1937 में द्विराष्ट्र सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया। वर्तमान में शशि थरूर भी अपनी पुस्तक वाई एमआई ए हिंदू में लिखते हैं, 'अपनी ऐतिहासिक कसौटी में द्विराष्ट्र सिद्धांत के पहले पैरोकार सावरकर ही थे, जिन्होंने हिंदू महासभा के प्रमुख के तौर पर भारत से हिंदुओं एवं मुसलमानों को दो अलग-अलग राष्ट्र के रूप में मान्यता देने का आह्वान किया था। तीन साल के उपरांत 1940 में लीग ने पृथक पाकिस्तान का प्रस्ताव पारित किया।'

जबकि वास्तव में देखा जाए तो 1937 के अधिवेशन में सावरकर द्वारा निम्नलिखित आह्वान किया गया था, 'भारत को आज एक एकात्मक और सजातीय राष्ट्र नहीं माना जा सकता है। लेकिन इसके विपरीत मुख्य रूप से दो राष्ट्र हैं हिंदू और मुस्लिम। यदि इस तरह के एक भारतीय राज्य को ध्यान में रखा जाता है, तो हिंदू संगठनवादी, हिंदू संगठन के हित में, सबसे पहले अपनी पूरी निष्ठा से इसके प्रति समर्पण करेंगे। मेरे जैसे हजारों महासभाइयों के लिए मैंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से ही एक भारतीय राज्य के इस आदर्श को अपने राजनीतिक लक्ष्य के रूप में निर्धारित किया है और अपने जीवन के अंत तक इसकी परिणति के लिए काम करता रहूंगा।'

इससे यह स्पष्ट होता है कि सावरकर ने हिंदुओं और मुसलमानों को एक समान राष्ट्र में मिलकर काम करने का आह्वान किया था, और उनके लिए अलग-अलग राज्यों का सुझाव नहीं दे रहे थे। उन्होंने अलगाव के खतरों की ओर भी इशारा किया था। उनके उक्त भाषण से यह स्पष्ट है कि उनके द्वारा द्विराष्ट्र सिद्धांत का प्रतिपादन स्पष्टत: नहीं किया गया। यदि वे 'द्विराष्ट्र सिद्धांत' की बात करते तो उनके 'हिंदुत्व' की अवधारणा ही खंडित हो जाती। उस काल में आलोचकों एवं उनके विरोधियों द्वारा सावरकर के 'हिंदुत्व' की ठीक से समझ न होने अथवा स्वहित होने के कारण द्विराष्ट्र सिद्धांत का ठीकरा उनके सिर पर फोड़ने का प्रयास किया गया। जिन्ना एवं अन्य मुस्लिम नेताओं का कहना था कि 1940 के लाहौर प्रस्ताव के अंतर्गत प्रस्तावित पाकिस्तान की योजना इसी की प्रतिक्रिया थी किंतु द्विराष्ट्र सिद्धांत की जड़ें 19वीं शताब्दी में अलीगढ़ आंदोलन एवं बीसवीं शताब्दी में अलीगढ़ योजना के अंतर्गत देखी जा सकती हैं। द्विराष्ट्र का सिद्धांत सावरकर की मूल 'हिंदुत्व' एवं अखंड भारत की संकल्पना से मेल ही नहीं खाता था।

सावरकर की हिंदुत्व की अवधारणा का प्रतिबिंबन 1945 के अखिल भारतीय हिंदू महासभा के 'स्वतंत्र हिंदुस्थान' के संविधान में देखा जा सकता है। सावरकर एवं हिंदू महासभा द्वारा स्वतंत्र भारत के संविधान बनने से 5 वर्ष पूर्व अखंड भारत के लिए एक नए संविधान-हिंदुस्थान मुक्त राज्य का संविधान 1944 का प्रस्ताव बनाया गया। इस नए संविधान के प्रस्ताव का मूल आधार हिंदुत्व ही था। लंबी प्रक्रिया के उपरांत बने इस संविधान में राजधर्म के रूप में किसी धर्म का उल्लेख नहीं किया गया है तथा विधि के समक्ष सभी को बराबर माना गया, जैसा कि स्वतंत्र भारत की संविधान सभा द्वारा बनाए गए संविधान में भी स्पष्टत: उल्लिखित किया गया है। सावरकर के हिंदुत्व के आलोचकों की यह मान्यता थी कि सावरकर के हिंदुत्व की संकल्पना में मुस्लिम विरोधी नीति के कारण मुसलमानों को द्वितीय दर्जे की नागरिकता प्राप्त होगी किंतु इस संविधान में न बहुसंख्यकों को विशेषाधिकार प्रदान किए गए न ही अल्पसंख्यकों के लिए किसी प्रकार की रियायतों का प्रावधान किया गया। इस संविधान में सावरकर के हिंदुत्व की विशेषताओं की स्पष्ट झलक संवैधानिक विकास की ऐतिहासिक प्रक्रिया के अंतर्गत देखी जा सकती है। इस प्रकार सावरकर के हिंदुत्व में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर आधारित एक वृहत्तर राजनीतिक सांस्कृतिक अवधारणा मिलती है।

ईश्वर से अंतरक्रिया का विषय है आस्था

हमें अपनी स्वतंत्र इच्छा का प्रयोग करके ईश्वर के पास जाना चाहिए, जो कई तरीकों से किया जा सकता है।

अजित कुमार बिश्नोई
(लेखक, आध्यात्मिक शिक्षक हैं)

हां यह ज्ञान की बात नहीं है। इंटरनेट के आगमन के साथ, भगवान के बारे में कौन नहीं जानता है? लेकिन कितने इस ज्ञान का अनुसरण करते हैं? कम से कम कहने के लिए बहुत कम। क्यों? क्योंकि विश्वास ईश्वर के साथ बातचीत से आता है। हम भगवान के पास जाते हैं और वह जवाब देते हैं, अन्यथा यह रिश्ता शुरू नहीं होता है। एक साधारण उदाहरण मदद करेगा। मेरे पड़ोस के किसी विशेष निवासी के साथ मेरी कोई बातचीत नहीं है। उस व्यक्ति के साथ मेरे संबंधों में कोई प्रगति नहीं होगी। हां, हमें ईश्वर के संपर्क में आना चाहिए, जो प्रामाणिक शास्त्रों, प्रचारकों, जिनके व्यापक अनुयायी हैं, आदि के माध्यम से हमें निर्देश देने के लिए खुद को सीमित करते हैं। हमें अपनी स्वतंत्र इच्छा का प्रयोग करके ईश्वर से संपर्क करना चाहिए। और हम ऐसा कई तरीकों से कर सकते हैं जैसे भगवान से प्रार्थना करना, मंदिर जाना, भगवान के नाम का जाप करना आदि। ऐसे हर कार्य को भगवान द्वारा नोटिस किया जाता है, जो उचित प्रतिक्रिया देते हैं।

इस घटना को स्पष्ट करने के लिए मैं इस संबंध में अपना अनुभव बताता हूं। सबसे पहली चीज़ जिस पर परमेश्वर ध्यान देता है वह है हमारी कर्तव्यपरायणता। हम मनुष्यों को समय, स्थान और परिस्थिति के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह सृष्टि चल सकती है। भगवान कृष्ण चेतावनी देते हैं कि निष्क्रियता से शरीर का रखरखाव भी संभव नहीं होगा। (भगवद-गीता 3.8) भगवान उन लोगों में रुचि रखते हैं जो कर्तव्यपरायण हैं। अगली बात, जो भगवान को प्रभावित करती है वह है धर्म का पालन करना। आखिरकार, धर्म वह आधारशिला है जिस पर सृष्टि टिकी है। भगवान भी धर्म की स्थापना के लिए अवतार लेते हैं। (4.8)

अब ऐसे लोगों पर पैनी निगाह रखी जाती है क्योंकि ऐसे लोग अच्छे इंसान बनते हैं. रजोगुण और अंधकार के अन्य दो गुणों को प्रबल करके उनमें सतोगुण प्रधान हो जाता है। (14.10) यदि ऐसा व्यक्ति सहायता के लिए अनुरोध करता है, तो भगवान ऐसा करने के लिए तैयार हैं; बस इसके लिए ईमानदारी से प्रार्थना करनी होगी।

हम आम तौर पर दो तरह से परमेश्वर से मदद मांगते हैं। एक है किसी परेशानी से बाहर निकलना और दूसरा है किसी अच्छी नौकरी जैसी कोई सामग्री हासिल करना। परमेश्वर की प्रतिक्रिया क्या है? आइए हम एक सरल नियम को समझें- ईश्वर हमेशा न्यायी होता है; वह दूसरे की कीमत पर किसी का पक्ष नहीं ले सकता, जैसा कि नौकरी मिलने के मामले में होगा। हालाँकि, किसी बड़ी बीमारी से उबरने में किसी की मदद करने के मामले में भगवान अधिक उदार हो सकते हैं। इस मामले में भी, परमेश्वर को यह निर्धारित करना है कि बीमार व्यक्ति इस तरह के एहसान का हकदार है या नहीं और कितना। लेकिन सब कुछ कहा और किया, भगवान जवाब देता है। भगवान द्वारा कितना और कब तय किया जाता है, जैसा कि उनके द्वारा उचित पाया जाता है। मदद के लिए किसी भी अनुरोध को नज़रअंदाज़ नहीं किया जाता है; केवल मात्रा और गुणवत्ता तय की जानी है।

एक मामले में, भगवान अधिक आगामी हैं, अर्थात मार्गदर्शन करने के लिए। यदि कोई व्यक्ति ईमानदारी से कुछ अच्छा करने के लिए मार्गदर्शन की तलाश कर रहा है, तो भगवान मदद करने के लिए बहुत उत्सुक होंगे, क्योंकि हर चीज का मालिक होने के नाते, उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए कि सृष्टि के अनुकूल क्या है। क्या हम सभी को चलते रहने के लिए अच्छे लोगों की आवश्यकता नहीं है?

भगवान सही बुद्धि देते हैं, जैसा कि चिकित्सा वैज्ञानिकों के मामले में होता है। अगर कोई वास्तव में एक चिकित्सा समाधान की तलाश कर रहा है, जो लाखों लोगों की मदद कर सकता है, और इसका मकसद इसे पूरी तरह से भुनाना नहीं है, तो भगवान मदद करेंगे। आपको क्या लगता है कि अगर हमें फैसला करना है तो हम क्या करेंगे? ईश्वर मुझे सामान्य समस्याओं का आध्यात्मिक समाधान देते हैं जिसके बारे में मैं लिख सकता हूँ। कोई इसे अहसास कह सकता है क्योंकि यह वास्तव में मुझे व्यक्तिगत रूप से मदद करता है। किसी भी अन्य एहसान से अधिक जो विश्वास को मजबूत करता है वह शांति है, जिसे हम सभी जानते हैं कि हर कोई चाहता है, लेकिन कुछ ही इसे प्रबंधित करते हैं।

निष्कर्ष यह है कि ईश्वर को उन तरीकों से जाना चाहिए जो उन्हें प्रसन्न करते हैं, जिसके बारे में उन्होंने विस्तृत निर्देश दिए हैं। स्वामी रवि दास चमड़े का काम करते थे। उनकी कोई औपचारिक शिक्षा नहीं थी, लेकिन वे भगवान के एक महान भक्त बन गए। ज्ञान केवल एक उपकरण के रूप में सहायक होता है, यहां तक कि आध्यात्मिक भी; इसका अभ्यास किया जाना चाहिए। आध्यात्मिक गतिविधियां हमें उच्च स्तर पर ले जाती हैं। इसलिए, आइए हम आगे बढ़ते हैं और सृष्टि के मालिक से जुड़ते हैं। वह प्रतीक्षा कर रहा है और उसके पास देने के लिए बहुत कुछ है।

आप की बात

डॉक्टरों की कमी

मेडिकल की पढ़ाई के लिए नीट परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की संख्या इस वर्ष 21 लाख से अधिक थी। जबकि देश में शासकीय व प्राइवेट कॉलेज को मिलाकर एक लाख के लगभग सीटें उपलब्ध है। इनमें से भी लगभग आधी सीटें आरक्षित वर्ग की जातियों के लिए हैं। एक छात्र को नीट की परीक्षा पास करने से लेकर डॉक्टर बनने तक में अपनी जिंदगी का सर्वोत्तम भाग खर्च करना पड़ता है। सीटों की कमी के कारण मात्र पांच प्रतिशत छात्रों को ही मेडिकल की पढ़ाई का अवसर मिल पाता है। इनमें से भी प्राइवेट कॉलेज में सिर्फ अमीर वर्ग ही प्रवेश कर पता है। कई देश भारत से कम खर्चे में मेडिकल पढ़ाई करवा कर डिग्री दे देते हैं, मगर उनमें से अनेक छात्र भारतीय अस्पतालों में नियुक्ति के योग्य नहीं होते हैं। डब्लूएचओ के अनुसार प्रत्येक 1000 व्यक्ति पर कम से कम एक डॉक्टर उपलब्ध होना चाहिए, लेकिन भारत 7000 लोगों पर एक डॉक्टर उपलब्ध है। इनमें से भी अधिकांश डॉक्टर निजी अस्पतालों में हैं जहां इलाज आम आदमी के बस की बात नहीं है। ऐसे में मेडिकल कॉलेज की भारी कमी को तत्काल पूरा करने के लिए सरकार को अधिक धन का प्रावधान करना चाहिए। इस दिशा में प्रयास तेज होने चाहिए।

- **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

नया संसद भवन

नया संसद भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण आकर्षक और देश को देश का गौरव बढ़ाने वाला है। इसके उद्घाटन का क्षण ऐतिहासिक है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रधानमंत्री से उद्घाटन करवाए जाने पर दर्ज की गई याचिका को निरस्त कर दिया गया है। राष्ट्रपति की गरिमा के नाम पर विपक्ष संसद भवन को उद्घाटन में भी घटिया राजनीति करने से नहीं चुका है। आज संसद भवन कोउद्घाटन की बात का विरोध करने वाला विपक्ष कल कहेगा कि 15 अगस्त के दिन भी राष्ट्रपति लाल किले से भाषण दें, प्रधानमंत्री नहीं। सभी जानते हैं कि वैधानिक रूप से राष्ट्रपति देश का प्रथम व्यक्ति है, मगर सभी यह भी जानते हैं कि संविधान की सभी शक्तियां प्रधानमंत्री व उनके मंत्रिमंडल द्वारा ही उपयोग की जाती है। राष्ट्रपति पद सर्वोच्च होते हुए भी व्यवहारिक कार्य प्रधानमंत्री और उनका मंत्रिमंडल ही चलता है। विपक्ष के इस कदम ने उसकी ही गरिमा को ठेस पहुचाई है। सैंगोल को लेकर विवाद भी नेहरू जी के जमाने की पोल खोल गया कि सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक सैंगोल को संग्रहालय में नेहरू जी के छड़ी के नाम पर रखा गया।

- **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

बदहाल पाकिस्तान

पाकिस्तान में जिस तरह से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सेना के रेंजर्स द्वारा अदालत परिसर से गिरफ्तार कर लिया था। उसके बाद देश भर में विरोध प्रदर्शन का सिलसिला शुरू हुआ। पहली बार पाकिस्तान के इतिहास में सेना के खिलाफ तहरीके इन्साफ पार्टी के समर्थक सीधे कार्रवाई करते नज़र आए। हालांकि, दूसरे दिन ही वहां के सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान को जमानत दे दी। लग रहा था इमरान ने लड़ाई का पहला अध्याय बहुत ही शान के साथ जीत लिया है। लेकिन अब पाकिस्तान तहरीके इन्साफपार्टी का अस्तित्व ही समाप्त होता दिखने लगा है। पूर्व मानवाधिकार मंत्री शिरीन मज़ारी से लेकर सूचना मंत्री चौधरी फवाद हुसेन तक ने इमरान से दूरी बनाने का ऐलान कर दिया। यहाँ तक की इमरान खान के तमाम कार्यकर्ता व समर्थक भी मैदान छोड़ चुके हैं। मतलब साफ़है कि सेना ने बाज़ी अपनी तरफ पलट दी है। इमरान खान को अगर अपनी जान बचानी है तो उन्हें फौरन मुल्क से बाहर भागना होगा। लेकिन इमरान खान व बुशरा बेगम के देश छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। इस बीच बदहाल पाकिस्तान में जनता की भुखमरी खबरों से गायब है।

- **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

योगी का आदेश

योगी आदित्यनाथ सरकार ने धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकर को उतारने का आदेश दिया है। योगी सरकार का यह आदेश न्यायोचित है और इसको अमलीजामा पहनाने के लिए निष्पक्ष और जरूरी कार्रवाई की जानी चाहिए। आखिर भक्ति भावना के लिए शोर मचाने का तर्क समझ से परे है। कबीर साहेब ने अपनी ओजस्वी वाणी में कहा है कि मनुष्य के जीवन में आडंबर को कोई स्थान नही है। कांकर-पाथर जोरि के..कहने वाले कबीर साहब के मर्म को भी समझने की आवश्यकता है। सभी धर्मगुरूओं को यह बात समझ लेनी चाहिए कि इससे किसी का भला नहीं होने वाला है केवल परेशानी खड़ी होती है। इससे छात्रों, बीमारों तथा शोर-शराबे को नापसंद करने वालों को परेशानी होती है। प्रदेश सरकार ने पहले भी अवैध लाउडस्पीकर पर रोक लगाई थी। तब यह कदम कारगर साबित हुआ था। उस समय दसियों हजार अवैध लाउडस्पीकरों को धार्मिक स्थलों से हटा दिया गया था। आदेश की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए कठोरता बरतनी होगी।

- **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

पीएम ने योगी सहित भाजपा के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में रविवार को एक बैठक की। जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ आयोजित यह बैठक भाजपा के सुशासन के एजेंडा का हिस्सा है। बैठक में मुख्यमंत्रियों ने शासन और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में अपनी सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा भी बैठक में उपस्थित थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित भाजपा शासित अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री बैठक में शामिल हुए। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, और उत्तर प्रदेश के उनके समकक्ष उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राज्यों में चल रहे विकास कार्यों से अवगत करया। माना जा रहा है कि उक्त बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर सभी मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा भी की। बता दें कि वर्ष 2024 को लोकसभा चुनाव प्रदेश व केन्द्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इस चुनाव में भाजपा को शिकस्त देने के लिए विपक्षी दल एड़ी चोटी का जोर लगाने को तैयार हैं। हाल ही हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली हार जितना भाजपा के लिए चिन्ता का विषय है उतना ही विपक्ष के लिए ऊर्जा का साधन है। कर्नाटक चुनाव से मिली ऊर्जा से ओतप्रोत विपक्ष मौजूदा समय में सत्तारूढ़ भाजपा से लोहा लेने को तैयार है। इन्हीं सब मुद्दों को लेकर भाजपा मुख्यालय में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक काफी अहम मानी जा रही है। इस बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी भी काफी अहम मानी जा रही है। इस कारण हाल ही में यूपी में हुए निकाय चुनाव है जिसमें प्रदेश की योगी सरकार को बड़ी सफलता हासिल उस समय हुई जबकि उत्तर प्रदेश की 17 नगर निगमों में भाजपा की विजय पताका फहरा गया।

निकाय चुनाव में भाजपा को मिली इस जीता सीधा श्रोय प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गया जिन्होंने प्रदेश में अपराध पर अंकुश लगाने के साथ ही जनता के हित में योजनाओं को जमीन पर उतारा कर जनता का विश्वास जीता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्य योजनाओं को अब तो कई अन्य प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों ने भी आत्मसात किया है जिसका उन्हें लाभ मिला है। इसी लिए रविवार को भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति काफी अहम मानी जा रही है।

नए संसद भवन के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नई दिल्ली स्थित सदन में रहे मौजूद

यूपी के लिए गर्व है सेंगोल को संसद में रखना

- राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के निर्देश पर सेंगोल का एक प्रतिरूप प्रयागराज संग्रहालय मे रखे जाने की तैयारी की जा रही है।

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज।

सेंगोल को नई संसद में रखा जाना उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। इस का सबसे बड़ा कारण यह सेंगोल कहीं और से नही बल्की यूपी के प्रयागराज से ले जाएगा गया है जो बीते सात दशकों तक इलाहाबाद संग्रहालय की शोभा बढ़ा रहा था। प्रयागराज संग्रहालय में रखे इस ऐतिहासिक सेंगोल (राजदंड) को नए संसद भवन में स्थापित किए जाने पर प्रयागराज संग्रहालय के अधिकारियों ने इसे गर्व का विषय बताया है क्योंकि इससे दिल्ली में यूपी का मान बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि चोल वंश के समय का यह सेंगोल चांदी से बना है और इस पर सोने की परत चढ़ी है। यह 1947 में अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक है। रविवार को इसे लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास स्थापित किया जाएगा।

प्रयागराज में आम भाषा में इसे राजदंड कहा जाता है, जबकि संग्रहालय के रिकॉर्ड में इसका उल्लेख सुनहरी छड़ी के रूप में किया गया है। संग्रहालय के अधिकारियों ने कहा कि इस खालीपन को भरने के लिए सेंगोल का एक प्रतिरूप संग्रहालय में रखा जाएगा।

प्रयागराज संग्रहालय के सहायक क्यूरेटर वमन वानखेड़े ने बताया कि इस संग्रहालय की नींव 14 दिसंबर, 1947 को पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा चंद्रशेखर आजाद पार्क में रखी गई थी और संग्रहालय को आम जनता के लिए 1954 में खोला गया था। उन्होंने कहा कि नेहरू जी अपने सभी उपहार इलाहाबाद संग्रहालय को देना चाहते थे और तब उन्होंने तत्कालीन क्यूरेटर एससी काला को इस सेंगोल के बारे में बताया था। इस सेंगोल की लंबाई करीब 138.4 सेंटीमीटर है। वानखेड़े ने कहा कि यह प्रयागराज संग्रहालय के लिए खुशी और गर्व की बात है कि इस सेंगोल को नई संसद में स्थापित किया जा रहा है। इसे चार नवंबर, 2022 को राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली को स्थानांतरित किया गया था।

जब इस सेंगोल को दिल्ली स्थानांतरित किया गया, उस समय इस संग्रहालय का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय के कुलपति एके सिंह ने कहा कि यह ऐतिहासिक छड़ी फिर से इतिहास का हिस्सा बनने जा रही है। सिंह के पास इस संग्रहालय का प्रभार 13 महीनों तक रहा।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय से उनके पास एक फोन आया था जिसमें कहा गया कि इस सेंगोल को दिल्ली स्थानांतरित किया जाना है। इस प्रक्रिया को पूरा करने में दो से तीन महीने लगे।

सिंह ने कहा कि जब स्थानांतरण प्रक्रिया जारी थी, तब राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि इस सेंगोल का एक प्रतिरूप प्रयागराज संग्रहालय में रखा जाना चाहिए। हमने इस प्रतिरूप का ऑर्डर पहले ही दे दिया है और इसे जल्द संग्रहालय में स्थापित कर दिया जाएगा।

इलाहाबाद संग्रहालय के निदेशक राजेश प्रसाद ने कहा कि इस सेंगोल को नए संसद भवन में स्थापित करने का समाचार फैलते ही इस सेंगोल का ऐतिहासिक महत्व जानने के लिए संग्रहालय आने वाले लोगों की संख्या काफी बढ़ गई है। इस बीच, लोकसभा सांसद और प्रयागराज की पूर्व महापौर रीता बहुगुणा जोशी ने स्वीकार किया कि उन्होंने संग्रहालय में इस सेंगोल को कभी नहीं देखा, लेकिन अब हजारों लोग इसे संसद भवन में देखेंगे। इलाहाबाद संग्रहालय केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन आता है और इसकी पदेन अध्यक्ष राज्य की राज्यपाल हैं। वहीं दूसरी ओर राज्यपाल आदंदी बेन पटेल ने नए संसद भवन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नए संसद भवन की इमारत वास्त, कला, कौशल, संस्कृति और हमारे संवैधानिक प्रतीकों का जीवंत प्रतीक है। हर भारतीय को यह इमारत गर्व का अनुभव करा रही है। राजयपाल ने कहा कि देश की आजादी के 75वें वर्ष में जबकि प्रत्येक भारतीय आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तब भारतीय लोकतंत्र को समर्पित देश का नया संसद भवन भारत के दृढ़ संकल्पों का सन्देश देता है।

लखनऊ व गाजियाबाद के चुनिंदा मार्गों पर चलेगी 100 इलेक्ट्रिक बसें

- पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर तैयार है यह योजना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया है कि परिवहन निगम की लखनऊ एवं गाजियाबाद में कुछ चुनिंदा मार्गों पर 100 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में यह बसें पायलट तौर पर चलायी जाएंगी, फिर इसे प्रदेश के अन्य जनपदों में आगे चलाया जाएगा।

परिवहन मंत्री ने बताया कि शीघ्र ही प्रदेश के लोगों को बेहतरीन एवं सस्ती परिवहन सेवा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि अभी तक एसी बसों के लिए 2/2 सीटिंग अरेंजमेंट बसों की स्वीकृति थी परंतु अब 3/ 2 सीटिंग अरेंजमेंट बस सेवा को नवीन अनुबंधित बस योजना के अंतर्गत अनुबंध किए जाने की योजना है। उन्होंने बताया कि 3/2 सीटिंग कैपेसिटी वाली बसों का किराया 1 रुपए 63 पैसे प्रति किलोमीटर आएगा, जबकि 2/2 सीटिंग अरेंजमेंट बसों का किराया 1.93 पैसे प्रति किमी आता है। इससे प्रति किमी कुल 30 पैसे का अंतर आएगा।

हज यात्रियों व परिजनों के लिए मोबाइल एप 'इण्डियन हाजी इंफारमेशन सिस्टम' जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- अब तक लखनऊ से 5270 यात्री सऊदी अरब के लिए प्रस्थान कर चुके

हज यात्रियों व उनके परिजनों के लिए भारतीय कॉस्लावास जद्दाह द्वारा हज यात्रियों व उनके परिजनों की सुविधार्थ एक मोबाइल एप 'इण्डियन हाजी इंफारमेशन सिस्टम' जारी किया है। जो गूगल पर उपलब्ध है। प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकेगा व उसपर हज यात्रियों की बिडिंग आदि की जानकारी उपलब्ध है। जानकारी के मुताबिक हज 2023 हेतु लखनऊ उड़ान स्थल से सत्रहवीं उड़ान संख्या एसवी 3897 रविवार 28 को 296 हज यात्रियों को लेकर अपने निर्धारित समय दिन में 12:20 बजे चौधरी चरण सिंह अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हो गयी। इस उड़ान से 171 पुरुष व 125 महिलाएं रवाना हुए। सबसे अधिक शाहजहाँपुर जिले के 160 फर्रुखाबाद 72 व बांदा के 52 हज यात्री गये हैं।

अठ्ठारहवीं उड़ान संख्या एसवी 3895 रविवार 28 को 286 हज यात्रियों को लेकर अपने निर्धारित समय अपराह्न 03:05 बजे रवाना हो गयी। इस उड़ान से 159 पुरुष व 127 महिलाएं रवाना हुए। सबसे अधिक बस्ती जिले के 108, प्रतापगढ़ के 96 व इटावा के 38 हज यात्री गये हैं। इस उड़ान से एक खादिमुल हुज्जाज ;हज सेवकद्ध मोहम्मद अहमद लखनऊ के हज यात्रियों के सुविधार्थ गये हैं। अब तक लखनऊ से 5270 हज यात्री सऊदी अरब के लिए प्रस्थान कर चुके । दिल्ली उड़ान स्थल से रविवार 28 को उड़ान संख्या एसवी 3783 से उत्तर प्रदेश के 322 हज यात्री रवाना हुए जिसमें 172 पुरुष व 150 महिलाएं हैंए सबसे अधिक 308 हज यात्री मुरादाबाद जिले के गए। दिल्ली से उड़ान संख्या एसवी 3889 से 201 हज यात्री रवाना हुए जिसमें 107 पुरुष व 94 महिलाएं रवाना हुएए सबसे अधिक 199 हज यात्री मुरादाबाद जिले के गए। उड़ान संख्या एसवी 3761 से 349 हज यात्री रवाना हुए जिसमें 183 पुरुष व 166 महिलाएं व सबसे अधिक रामपुर जिले के 255 व मुरादाबाद जिले के 92 हज यात्री गए। अब तक उत्तर प्रदेश के दिल्ली से 6836 हज यात्री व उत्तर प्रदेश के अब तक कुल 12106 हज यात्री सऊदी अरब के लिए प्रस्थान कर चुके हैं।

भाजपा सरकार की नीतियां ही समस्याओं की जड़ : सपा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने जनता की परेशानियों और दिक्कतों को बढ़ाया है। उसको जनता की तकलीफों की जरा भी परवाह नहीं है। भाजपा सरकार की नीतियां ही सारी समस्याओं की जड़ हैं। भाजपा चकाचौंध की राजनीति से जनता को धोखा दे रही है। भाजपा संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। समाजवादी पार्टी एकजुट होकर पूरी ताकत से संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए संघर्षरत है। सपा मुखिया अखिलेश यादव रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में जिलों से आए पार्टी कार्यकताओं और पदाधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने चेताया कि भाजपा समाजवादी पार्टी के नेतृत्व को बदनाम करने की रणनीति पर काम कर रही है। समाजवादी पार्टी के नेताओं पर झूठे मुकदमें लगाए जा रहे हैं। उनकी गिरफ्तारियां की जा रही है तथा डराने धमकाने की कोशिश की जाती है। भाजपा की चालाकियों से जनता को गुमराह होने से बचाना है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जातीय वैमनस्य पैदा करती है। नफरत से समाज को बांटती है। उसकी नीतियां पूंजीपतियों की पोषक हैं। गरीब और मध्य वर्ग को भाजपा समाप्त करने पर तुली है। जनता को सामान्य नागरिक सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं है। किसानए नौजवानए व्यापारी सभी भाजपा सरकार की कुनीतियों से तंग है और जल्दी से जल्दी निताज पाना चाहते हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि अब जमीन पर चुनाव की लड़ाई लड़नी है। समाजवादी पार्टी की स्वीकार्यता जनता में है।

गठबंधन का समर्थन करेंगे रालोद के विधायक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कल होने वाले विधान परिषद के उप चुनाव मे राष्ट्रीय लोकदल ने गठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने का निर्णय लिया है। इस बावत रविवार को पार्टी कार्यालय पर एक बैठक की गयी। नेता विधान मंडल दल राजपाल बालियान की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधायक अजय कुमार गुलाम मोहम्मद प्रसन्न चौधरी मदन भैया असरफ अली अनिल कुमार चंदन चौहान सी गुड्डू चौधरी सपा के विधान परिषद सदस्य डॉ मान सिंह यादव राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे व विधान परिषद के उप चुनाव में सपा रालोद गठबंधन के प्रत्याशी राम जतन राजभर व राम करन उपस्थित थे। बैठक में कल होने वाले विधान परिषद के उप चुनाव में सपा रालोद गठबंधन के दोनों प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने का निर्णय लिया गया। बैठक में नई दिल्ली में शान्ति पूर्वक ढंग से प्रदर्शन कर रहे पहलवानों व उनके समर्थकों की जबरन गिरफ्तारी व बदसलूकी की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा गया कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन और तानाशाही है इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में कहा गया जिस समय देश के मुखिया लोकतंत्र के मंदिर का लोकार्पण कर रहे थे, उसी समय लोकतंत्र के मंदिर के सामने देश व तिरंगे का मान बढ़ाने वाले पहलवानों के साथ बर्बरतापूर्ण कार्यवाही की जा रही थी।

नये संसद भवन के उद्घाटन पर मायावती ने दी शुभकामना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नए संसद भवन को लेकर जहां विपक्ष सत्तारूढ़ केन्द्र की भाजपा सरकार व प्रधानमंत्री पर हमलावर है वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो मायावती ने रविवार को नये संसद भवन के उद्घाटन की शुभकामनाएं दी हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा की है कि इसका उपयोग पवित्र संविधान की नेक मंशा के हिसाब से देश एवं जनहित में हो तो यह उचित होगा। बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को ट्वीट कर कहा कि नये संसद भवन के रविवार को किये गये उद्घाटन के लिए केंद्र सरकार को शुभकामनायें। इस नये संसद भवन का परम पूज्य

बाबा साहेब डॉ भीमराव आम्बेडकर की मानवतावादी सोच तथा उनके बनाये गए पवित्र संविधान की नेक मंशा के हिसाब से देश एवं जनहित में सही व भरपूर इस्तेमाल हो, तो यह उचित होगा।

सेंगोल की स्थापना में दक्षिण के ब्राह्मणों को बुलाना दुर्भाग्यपूर्ण: स्वामी प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव एवं विधान परिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य ने रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण कराए जाने को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सेंगोल (राजदंड) की स्थापना पूजन में केवल दक्षिण के कट्टरपंथी ब्राह्मण गुरुओं को बुलाया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ माह पूर्व रामचरित मानस की एक चौपाई पर अपनी विवादित टिप्पणियों के जरिए सुर्खियों में आए स्वामी प्रसाद मौर्य ने रविवार को ट्वीट किया, सेंगोल राजदंड की स्थापना पूजन में केवल दक्षिण के कट्टरपंथी ब्राह्मण गुरुओं को बुलाया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

इसी ट्वीट में उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार का अगर पंथनिरपेक्ष संप्रभु-राष्ट्र भारत में विश्वास होता तो देश के सभी धर्म गुरुओं यथा- बौद्ध धर्माचार्य (भिक्षुगण), जैन आचार्य (ऋषि), गुरु ग्रंथी साहब, मुस्लिम धर्मगुरु, ईसाई धर्मगुरु आदि सभी को आमंत्रित किया जाना चाहिए था।

सपा महासचिव ने आरोप लगाया, ऐसा न कर भाजपा ने अपनी दूषित मानसिकता और घृणित सोच को दर्शाया है। भाजपा सरकार सेंगोल राजदंड की स्थापना कर न सिर्फ राजतंत्र के रास्ते पर जा रही है बल्कि दक्षिण के ब्राह्मण धर्मगुरुओं को बुलाकर ब्राह्मणवाद को भी स्थापित करने का कुत्सित प्रयास कर रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार सुबह नए संसद भवन का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर ईश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच गणपति होमम् अनुष्ठान किया।

प्रधानमंत्री ने सेंगोल (राजदंड) को दंडवत प्रणाम किया और हाथ में पवित्र राजदंड लेकर तमिलनाडु के विभिन्न अधीनमों के पुजारियों का आशीर्वाद लिया।

इसके बाद नादस्वरम् की धुनों के बीच प्रधानमंत्री मोदी सेंगोल को नए संसद भवन लेकर गए और इसे लोकसभा कक्ष में अध्यक्ष के आसन के दाईं ओर एक विशेष स्थान पर स्थापित किया।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख अन्य पिछड़ा वर्ग नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस साल की शुरुआत में यह आरोप लगाया था कि श्रीरामचरित मानस के कुछ छंदों ने जाति के आधार पर समाज के एक बड़े वर्ग का अपमान किया और मांग की कि इन पर प्रतिबंध लगाया जाए।

मौर्य उत्तर प्रदेश की पिछली भाजपा नीत सरकार में कैबिनेट मंत्री थे, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव से ऐन पहले वह सपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने कुशीनगर जिले की फाजिलनगर विधानसभा सीट से सपा से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए। बाद में सपा ने उन्हें विधान परिषद भेज दिया और पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव बनाया।

रामचरित मानस की चौपाई पर टिप्पणी करने के बाद मौर्य के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज हुई। अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने तो 30 जनवरी को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का सिर कलम करने वाले को 21 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की थी।

काले गेहूं की खेती की तरफ बढ़ रहा है किसानों का रुझान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ शाहजहांपुर

शाहजहांपुर जिले में किसानों का रुझान काले गेहूं की खेती की ओर बढ़ रहा है। इस बार यहां के किसानों द्वारा भारी मात्रा में काले गेहूं का उत्पादन किया गया है। हालांकि, फायदे का सौदा होने के बावजूद स्थानीय स्तर पर बाजार की अनुपलब्धता यहां के किसानों को निराश भी कर रही है।

शाहजहांपुर जिले में काले गेहूं की खेती अब प्रचुर मात्रा में होने लगी है। पूरे जिले के लगभग 250 एकड़ क्षेत्र में इसे उगाया गया है। स्थानीय प्रशासन भी किसानों को इस बेहद पोषक अनाज माने जा रहे गेहूं की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने रविवार को को बताया कि जिले में काले गेहूं की पैदावार काफी बढ़ी है। इस बार जिले में 200 से अधिक किसानों ने 250 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में काले गेहूं का उत्पादन किया है। स्थानीय स्तर पर इसे छह हजार रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर खरीदा जा रहा है जबकि बड़े शहरों में इसकी कीमत 10 से 12 हजार रुपए तक मिल रही है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि किसानों को स्थानीय स्तर भी उनकी उपज का भरपूर लाभ मिले।

तिलहर के राजापुर गांव के किसान प्रेम शंकर गंगवार ने बताया कि उन्होंने इस बार परीक्षण के तौर पर एक एकड़ क्षेत्र में काले गेहूं की पैदावार की है। उन्होंने काले गेहूं से संबंधित एक प्रसंस्करण इकाई भी लगाई है जिसमें मैदे की जगह काले गेहूं के आटे से बिस्कुट बनाए जा रहे हैं। मैदे का बेहतरीन विकल्प होने की वजह से लोग इसे काफी पसंद भी कर रहे हैं।

गंगवार ने बताया कि काले गेहूं में कुदरती एंटी ऑक्सिडेंट और एंटीबायोटिक गुण हैं जो मधुमेह, दिल की बीमारी, कैंसर, मानसिक तनाव, घुटनों के दर्द और एनीमिया जैसे रोगों के निदान में काफी कारगर है। काले

गेहूं का आटा छिलकेयुक्त चने के सत्तू की तरह दिखता है और इसका स्वाद साधारण गेहूं की अपेक्षा अलग होता है। मगर यह काफी पौष्टिक है। इसकी फसल साधारण गेहूं की तरह ही होती है मगर पकने पर इसकी बालियां काली हो जाती हैं।

मुख्य विकास अधिकारी श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि जिले के हर गांव में किसानों को काले गेहूं की खेती के बारे में जानकारी दी जा रही है। उन्हें बीज उपलब्ध कराने के अलावा कृषि विभाग की एक टीम बनाई है जो कृषकों को इस खास जिंस के उत्पादन के लिए प्रशिक्षित भी कर रही है तथा समय-समय पर काले गेहूं की फसल का निरीक्षण करने के अलावा कृषकों को फसल के रखरखाव के लिए आवश्यक दिशानिर्देश भी यही टीम दे रही है।

कृषि क्षेत्र में कार्यरत एक संस्था के संचालक राकेश पांडे ने बताया कि वह 2020 से ही शाहजहांपुर के किसानों को काले गेहूं की फसल उगाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं और इसमें प्रशासन भी सहयोग कर रहा है। इसी का नतीजा है कि आज जिले की कलान, तिलहर तथा पुवायां तहसीलों में एक बड़े क्षेत्रफल में किसान काले गेहूं की फसल उगा रहे हैं। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा कृषि मित्रों तथा कृषि विभाग के अधिकारियों के जरिए किसानों को लगातार काले गेहूं की पैदावार की तकनीक और इसकी बिक्री से होने वाले वित्तीय लाभ की जानकारी दी जा रही है। हालांकि, राकेश पांडे का कहना है कि जिले में काले गेहूं की मुनाफेभरी बिक्री की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है, इसलिए वह खुद किसानों का गेहूं खरीद कर बाहर भेज रहे हैं। अगर यहां पर प्रसंस्करण इकाइयां लग जाएं या फिर बाजार की व्यवस्था हो जाए तो किसानों की आय दोगुनी से भी ज्यादा हो जाएगी।

ददरौल क्षेत्र के हसनपुर गांव के किसान अवधेश वर्मा ने भी स्थानीय स्तर पर काले गेहूं का बाजार नहीं होने पर अफसोस जाहिर करते हुए कहा, इस बार हमने 10 बीघा क्षेत्रफल में काले गेहूं की पैदावार की है, मगर यहां बाजार की समस्या होने के कारण हमारा गेहूं बहुत ही कम मूल्य में ही बिक रहा है, जबकि यही गेहूं ऑनलाइन 80 से 100 रुपए प्रति किलो बिकता है।

जिलाधिकारी ने इस समस्या के बारे में पूछने पर बताया, हम प्रयास कर रहे हैं कि यहां काले गेहूं से संबंधित प्रसंस्करण की इकाई भी लगाई जाए जिसके लिए उद्योग बंधु की बैठक में इसे रखेंगे अगर यह इकाई यहां लग जाती है तो किसानों को उनकी उपज का भरपूर लाभ मिल सकेगा।

लिविंग रिलेशन में रह रही नर्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

● मृतका व उसके प्रेमी अलग अलग धर्मों से, मामला दर्ज

संवाददाता। शाहजहांपुर

प्रेमी के साथ लिविंग रिलेशन में रह रही एक नर्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई । मृतका के परिजनों ने प्रेमी पर जहर देने का आरोप लगाया । पुलिस ने मृतिका के प्रेमी सहित द् को हिरासत में लिया। मृतका और उसका प्रेमी अलग अलग धर्मो से है घटना के सामने आने के बाद कुछ हिन्दूवादी संघठन इसको लवजेहाद का एंगिल देते हुए सख्त कार्यवाही की मांग कर रहे है ,हलांकि पुलिस दोनों को लिव(इन रिलेशन में होने की बात कह रही है। लखीमपुर जिले के एक गांव की रहने वाली नर्स करीब ड महीने से शाहजहांपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में बतौर नर्स जॉब कर रही थी। लखीमपुर के उचौलिया के रहने वाले नावेद सिद्दीकी जिले के मोहल्ला लोधीपुर में एक मोबाइल कंपनी में जॉब करता है। दोनों करीब डेढ़ साल पहले संपर्क में आए थे। इसके बाद दोनों शाहजहांपुर के लोधीपुर मोहल्ले में एक किराये के मकान में लिविंग रिलेशन में थे। शनिवार की रात नर्स की अचानक तबियत हुए प्रेमी युवक नावेद उसको लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचा। युवक ने प्रेमिका को अपनी पत्नी बताते हुए उसका नाम जोया सिद्दीकी बीइसटी में लिखवाया। उपचार के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया । प्रेमी की हड़बड़ाहट को देखकर डॉक्टर ने पुलिस को सुचना दी । पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नावेद से मृतका के सम्बन्ध में पूछताछ की तो मामला गंभीर निकला कथित प्रेमी की प्रीमिका दूसरे धर्म की निकली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नावेद उसके दोस्त मुस्तकीन उर्फ पप्पू, और फहाद को हिरासत में लेकर शव को पोस्टमार्टम स्थल भेजा। एसपी सिटी सुधीर जायसवाल ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया डॉक्टरों से एक युवती की संदिग्ध मौत सूचना दी जिसके बाद पुलिस ने कथित पति नावेद से पूछताछ की, तब नावेद ने पूरी कहानी बता दी। उसने बताया कि युवती का असल नाम जोया नहीं है वो हिंदू धर्म से है हमदोनों लिविंग रिलेशन में थे । इधर मृतका के परिजनों ने नावेद पर जहर देकर हत्या का आरोप लगाया पुलिस ने घर वालों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाए। लव जिहाद का मामला सुनते ही हिंदू संगठन के लोग राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। हिंदू संगठन के सदस्य राजेश अवस्थी ने कहा कि शाहजहांपुर में धर्मांतरण हो रहा है। लव जिहाद के मामले में जिला अव्वल है। पुलिस से मांग करता हूं कि आरोपी पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। वरना आंदोलन किया जाए।

मन की बात कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ओयल-खीरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को लेकर आज प्रदेश महामंत्री/ प्रभारी गोरखपुर क्षेत्रविधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता अपने गृह नगर ओयल मंडल के नगर शक्ति केन्द्र के बूथ संख्या 94ए महावीरी/ कोतवाली पर बूथ कार्यसमिति एवं बूथ की जनता जनार्दन के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमारी, जिला मंत्री उमाराज ए मंडल अध्यक्ष नीरज मिश्राए मंडल महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक राकेश गुप्ता बूथ अध्यक्ष उपेन्द्र मिश्रा, बूथ अध्यक्ष राजेन्द्र अग्निहोत्री, मंडल महामंत्री जीतेन्द्र मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष नवरतन सिंह, पूर्व जिला महामंत्री अनुराग मिश्राए हिंदू जागरण मंच के प्रांत संयोजक राहुल तिवारी सनातन, मन की बात के बूथ संयोजक रानू गुप्ता, शक्ति केन्द्र संयोजक सुशील कुमार, मंडल पदाधिकारी, आईटी विभाग के जितांशु सिंह, मंडल संयोजक मनमोहन, सभासद अर्चना वर्मा, सभासद प्रतिनिधि दीपक कश्यप, पार्टी कार्यकर्ता सत्यम सिंह बूथ संख्या 82 व 85 के कार्यकर्ता बंधु तथा बूथ व नगर की देवतुल्य जनता जनार्दन उपस्थित रही।

पीएम आवास में प्रधान की घूसखोरी का वीडियो वायरल

● वीडियो में घूसखोरी की बात करते नजर आ रहे प्रधान, आवास के नाम पर हो रही अवैध वसूली का मामला, ब्लॉक अफसर ने की जांच कर कार्रवाई की बात

● मिश्रिख के ज्ञानेन्द्र कुमार ने डीएम से की शिकायत, प्रधान ने वीडियो से किया इनकार, दो वर्ष पुराना बताया जा रहा वीडियो

संवाददाता। सीतापुर

धन उगाही पर लगाम लगाने के तमाम दावे हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अति महात्वाकांक्षी योजना पीएम आवास में भी प्रधानों द्वारा पलीता लगाया जा रहा है। ताजा मामला यूपी के सीतापुर के मिश्रिख का है। मिश्रिख की ग्राम पंचायत दशरथपुर फुलवारी के रहने वाले ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र बनवारी लाल ने डीएम अनुज कुमार को भेजे गये शिकायती पत्र में प्रधान रामपाल पर पीएम आवास में रिश्वत लेने का आरोप जड़ते हुए वीडियो क्लिप भेजी है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में धन उगाही की बात साफ तौर सुनी जा सकती है। वायरल वीडियो में ग्राम प्रधान साफकहते नजर आ रहे हैं कि ब्लाक मिश्रिख में आवास जियो टैग का 500 रूपए तथा 2000 प्रति आवास में लेते हैं बाकी सचिव को देना पड़ता है। प्रधान यह भी कहते हुए नजर आ रहे हैं कि मकान पक्का बना हो या कच्चा बना हो पैसा दो और आवास बनवाओ। वही ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया प्रधान व सचिव को पैसे मिलने पर पात्र को अपात्र ,अपात्र को पात्र बना दिया जाता है अगर ग्राम पंचायत की जांच की जाए तो सारा मामला सामने खुद आ जाएगा। वही जब प्रधान रामपाल से वायरल वीडियो के बारे में बात की गई तो उन्होंने अपना वायरल वीडियो मानने से इनकार कर दिया ब्लॉक मिश्रिख के खण्ड विकास अधिकारी अजीत कुमार सिंह ने कहा कि वायरल वीडियो दो वर्ष पुराना है जानकारी मिली है जांचकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जनता अब अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री चाहती है

संवाददाता। शाहजहांपुर

सपा में महिला सभा की प्रदेशाध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव रविवार को पार्टी कार्यालय पहुंची। जिलाध्यक्ष तनवीर खां समेत तमाम सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। उसके बाद पदाधिकारियों के साथ प्रदेशाध्यक्ष ने महिला संगठन को मजबूत करने के लिए चर्चा की। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। संसद भवन के उद्घाटन के सवाल पर कहा कि सिर्फ तानाशाही चल रही है। विधानसभा, नगर पालिका, नगर पंचायत और बूथ स्तर पर महिला संगठन को कैसे मजबूत किया जाए। इसके लिए पार्टी पदाधिकारियों के साथ चर्चा की जा रही है। जिस तरह से भाजपा ने चुनाव में धांधली की है। उत्तर प्रदेश की जनता समझ चुकी है, जनता अब अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना चाहती है। मौजूदा सरकार हर तरह से चुनाव जीतना चाहती है। उत्तर प्रदेश में किस तरह से महंगाई बढ़ रही है, लोग बेरोजगार हो गए हैं। हर वर्ग और हर तबके के लोग बहुत परेशान हैं। बेरोजगारों को रोजगार देने, महंगाई को कम करने पर सरकार का कोई फोकस नहीं है। जिस तरह से प्रदेश में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। इसको रोकने के लिए उनके पास कोई रूट मैप नहीं है। सत्ता में बने रहना इनकी प्राथमिकता है। इनको इस बात से मतलब नहीं है कि जनता में खुशहाली कैसे लाई जाए। सांसद भवन के उद्घाटन पर सपा की महिला सभा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि सिर्फ तानाशाही चल रही है। वो अपने ही लोगों को आगे नहीं आने देना चाहते हैं। विपक्ष के लोगों को कैसे आगे आने देंगे। प्रदेश की 25 करोड़ आबादी में आधी आबादी महिलाओं की है। बच्चे जितनी भी पढ़ाई कर लें, लेकिन उनको नौकरी नहीं मिल पा रही है। गरीबों की संख्या बढ़ रही है, लोगों की आय नहीं बढ़ रही और महंगाई बढ़ रही है। सरकारी सेक्टरों को बेचा जा रहा है। सिर्फ मनमानी की जा रही है। सरकारी विभाग के कर्मचारी परेशान हैं। पेंशन वाले इस उम्मीद में थे कि उनकी पेंशन बहाली होगी। ये सरकार तो जुमलेबाजी वाली सरकार है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली ये सरकार है, लेकिन आज भी स्कूलों में बेटी की हत्या की जा रही है, लेकिन सरकार उसमें लीपापोती में लगी है। प्रदेश के हर कोने में महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। सपा सरकार में 1090 की एक योजना लाई गई थी। उसको भी इन लोगों ने तहस-नहस कर दिया। जुमलेबाजी की बातें कर देश को गुमराह किया जा रहा है। सिर्फ हिंदू-मुस्लिम और जाति के आधार पर बांटा जा रहा है। उत्तर प्रदेश को गर्त में ले जाया जा रहा है। सपा सरकार आते ही प्रदेश को गुलामी की तरफ जाने से रोका जाएगा।

डोर फाउंडेशन द्वारा सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन

सीतापुर। सीतापुर डोर फाउंडेशन के प्रदेश महिला कार्यकारणी पदाधिकारियों की तरफ से आयोजित सुंदर कांड पाठ का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष महिला पूनम मिश्रा व प्रदेश उपाध्यक्ष शिव बालक त्रिवेदी ने बजरंगबली व राम दरबार की पूजा आराधना कर किया। स्थानीय घूरामऊ स्थित गायत्री मंदिर में सुन्दर काण्ड पाठ सुभारम्भ में उनको भोग अर्पित किया, और इसके बाद ढोलक व मंजीरा के धुन के साथ सुंदरकांड का पाठ शुरू हुआ। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा, रत्नेश द्विवेदी, आकाश राय, डॉ वीरेन्द्र आर्य, ममता तिवारी, भावना वैश्य, शशि सिंह, राम कुमार कटियार, विजय कुमार शुक्ल, कमलेश मेहरोत्रा, डॉ विकाश जैन, प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, विनोद यादव, सुभित बाजपाई, रूबी बाजपाई, रूबी सिंह, सुनीता मिश्रा, मंजू मिश्रा, माया, बिंदु, सलोनी, प्रेम कुमारी, रोली, अमिता, शिवंशी मिश्रा, मानस मिश्रा बृजेश तिवारी, उत्कर्ष, अलोक शर्मा, उपसना शर्मा आदि उपस्थित रहे।

अध्यक्ष एवं सभासद को गोला एसडीएम ने पद व गोपनीयता की दिलाई शपथ

संवाददाता। गोला गोकर्णनाथ.खीरी

नगरपालिका परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष व भाजपाजिला उपाध्यक्ष विजय शुक्ला उर्फ रिंकू व सभी सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथउप जिलाधिकारी गोला रत्नाकर मिश्रा ने दिलाई। नगर पालिका परिषद के परिसर में आयोजित किए गए शपथ ग्रहण समारोह में आने वाले अतिथि और समर्थकों के बैठने की पंडाल में की गई व्यवस्था से अधिक लोगों के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचने के कारण बैठने को लेकर लोगों में अफ्रा.तफ्री का माहौल बना रहा। शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरू ने कहा कि गोला नगर के विकास हेतु हर संभव शासन द्वारा सहायता दिए जाने का आश्वासन दियाए एवं पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू अपने संबोधन में कहा कि ने नगर की हर समस्याओं के निदान हेतु हर संभव प्रयास करते हुए सभी की मदद करने हेतु सफल रहने का आश्वासन दिया। मंच पर मंचासीन अतिथियों में गोला विधायक अमन गिरी, भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष शरद बाजपेई, विनोद मिश्रा, श्रीनगर विधायक मंजू त्यागी, एमएलसी अनूप गुप्ता, सुरजनलाल वर्मा, डां प्रीति वर्मा, धर्मेंद्र गिरि, अनुराग मिश्र, रामजी दीक्षित, शिक्षक प्रमोद शुक्ला, भाजपा नेता शेर अली खां, डा0 सद्दाम, परवेज उल्ला खां, दामोदर वर्माए वरिष्ठ नागरिक व पूर्व सभासद रामसेवक शुक्ला, सहित भाजपा के आला पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं समर्थकों सहित भारी संख्या में आम जनता मौजूद रही।

क्विक न्यूज

रेलवे सुरक्षा बल की महिला टीम की मदद से महिला ने ट्रेन में पुत्र को दिया जन्म

बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल पर चलाए जा रहे ष्ऑपरेशन मातृशक्तिष् के तहत 27 मई को गाड़ी संख्या 09005 वापी-इज्जतनगर स्पेशल ट्रेन के समय करीब 13:45 बजे कासगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पहुंचने पर ट्रेन में यात्रा कर रहे भीम सिंह ने रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, कासगंज पर आकर बताया कि उसकी पत्नी को प्रसव पीड़ा हो रही है उसे शीघ्र मदद की जरूरत है। यात्री भीम सिंह द्वारा दी गई सूचना पर तत्काल महिला उपनिरीक्षक भारती तोमर तथा महिला कॉन्स्टेबल ममता गढ़वाल को पीड़ित महिला के पास भेजा गया तथा एंबुलेंस को कॉल कर बुलाया गया। यात्री भीम सिंह अपनी गर्भवती पत्नी विनीता उम्र करीब 23 वर्ष तथा मां के साथ गाड़ी संख्या 09005 वापी-इज्जतनगर स्पेशल से पीएनआर नंबर 8503580565 पर सूरत से बरेली तक कोच संख्याै-6 में सीट नंबर 47 व 55 पर यात्रा कर रहे थे। महिला उपनिरीक्षक भारती तोमर तथा महिला कॉन्स्टेबल ममता गढ़वाल द्वारा मौके पर पहुंचकर केबिन में मौजूद अन्य यात्रियों को उस केबिन से थोड़ा अलग हटाते हुए महिला का सहयोग किया गया। करीब 14: 20 बजे एम्बुलेंस स्टेशन पहुंची, तब तक महिला ने एक पुत्र को जन्म दे दिया था। तत्काल महिला व बच्चे को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अशोकनगर, कासगंज में भर्ती कराया गया जहां बच्चा एवं मां दोनों स्वस्थ हैं। उक्त ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों द्वारा एवं स्टेशन पर उपलब्ध रेल यात्रियों द्वारा रेलवे सुरक्षा बल के उक्त प्रशंसनीय कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई।

युगधारा फाउंडेशन द्वारा वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन

सीतापुर। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग की सदस्य अंजू बाला चौधरी अपने एक दिवसीय कार्यक्रम में नैमिषारण्य तीर्थ पहुंची, यहां पर उन्होंने युगधारा फाउंडेशन द्वारा सूतगद्दी मंदिर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। इस दौरान वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, इसमें बोलते हुए चंद्रिका प्रसाद मिश्र ने विभिन्न लेखकों की रचना पर प्रकाश डाला। डा. श्रीनिवास शुक्ल ने भी गोष्ठी को संबोधित किया। इस दौरान उमाशंकर शुक्ल की काव्य संग्रह काजल-काजल हुआ शहर, प्रोफेसर विश्वनाथ शुक्ल की शब्दों की तरनी लहरों पर, डा. प्रेमलता त्रिपाठी की महुआ महके भोरे और शिव मोहन सिंह की पुस्तक ताल किनारे का विमोचन अंजूबाला चौधरी ने किया। इस दौरान डॉ अमिता दुबे, डॉ उमाशंकर शुक्ल शितिकंठ, अरुणेश मिश्र, सुशील खरे, विनोद दुबे, राज कुमार यादव, संजय द्विवेदी, डॉ अनिल जैन, नूतन जैन, झंकार नाथ शुक्ल, रजनीश, राम स्वरूप साहू, रामचंद्र सहस्रबुद्धे, वंदना श्रीवास्तव, विनीत मिश्रा, बबलू गुप्ता, आशुतोष पांडेय, आकाश अवस्थी, सौम्या मिश्रा, रामकृष्ण सहस्रबुद्धे, आदित्य दिवेदी, प्रणव मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

विजेता खिलाड़ियों को किया गया सम्मामित

बरेली। भास्कर हॉस्पिटल में डॉक्टर ओ पी भास्कर, डा कंचन भास्कर, प्रवीण भारद्वाज (प्रदेश उपाध्यक्ष हिन्दू जागरण मंच),पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी लाखन सिंह के संरक्षण में 11 मई से 14 मई को तिरिचि तमिलनाडु में आयोजित हुई नेशनल पॉवरलिफ्टिंग प्रगियोगिता में जनपद बरेली से प्रतिभाग कर पदक जीत कर जनपद और प्रदेश का नाम रोशन करने वाले पावरलिफ्टर्स में वर्षा, ताहूरा,रीता सिंह,रजत नाथ, मनीष कुमार और प्रतिभागी अमनदीप, अभिषेक, अनुराग, सुशील, संस्कार,को सम्मानित किया गया तत्पश्चात जिला पॉवरलिफ्टिंग एसोसिएशन की कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्पत्ति से संरक्षक के पद पर डॉ ओ. पी. भास्कर , प्रवीण भारद्वाज , गंगाराम गंगवार और अध्यक्ष पद डॉ. विनोद शर्मा , उपाध्यक्ष के पद पर अशोक कुमार,सह सचिव के पद पर अनुज कुमार, पवन कुमार,कोषाध्यक्ष के पद पर अरविंद कुमार तथा सदस्य के पद पर राजन चंद्रवंशी, पंकज कुमार, संतोष दिवाकर, रमेश और कादिर भाई का चयन किया गया।

घरेलू कलह के चलते युवक ने की आत्महत्या

बरेली । पत्नी से हुए झगड़े के बाद युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।बदायूं के उसावा थाना क्षेत्र के गांव सरोरा निवासी सुमेर सिंह के 32 वर्षीय बेटे वीर बहादुर की बीती रात इलाज के दौरान बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि वीर बहादुर इन दिनों टीजीटी परीक्षा की तैयारी कर रहा था और उसका विवाह लगभग 2 वर्ष पूर्व ममता से हुआ था कल शाम को उसका पत्नी ममता के किसी बात को लेकर विवाद हो गया जिससे नाराज वीर बहादुर ने घर में ही जहरीला पदार्थ खा लिया कुछ देर बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी तब घर के लोग उसे स्थानीय अस्पताल ले गए जहां से हालत नाजुक देखकर इलाज के लिए बरेली ले आए यहीं पर देर रात उसने दम तोड़ दिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

गुड मॉर्निंग लखीमपुर खीरी अभियान में पिता-पुत्रों के निबटाए गए विवाद

लखीमपुर-खीरी। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन में जनपद खीरी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ष्गुड मॉर्निंग लखीमपुर खीरीष् अभियान के अंतर्गत जनपद खीरी के थाना उचौलिया पुलिस द्वारा रविवार को ग्राम बंगला कॉलोनी रामपुर ग्रंथ में पहुंचकर पिता वहीद अहमद पुत्र शकरुल्लाह व उनके पुत्रों निवासीगण ग्राम बंगला कॉलोनी रामपुर ग्रंथ थाना उचौलिया जनपद खीरी के मध्य चल रहे पारिवारिक विवाद का निबटारा कराया गया। पुलिस ने परिवार के सभी सदस्यों को बैठाकर उनकी समस्या सुनीं और उनका निस्तारण कराया।

संदीप महरोत्रा व सदस्यों को एसडीएम ने दिलाई शपथ

मोहम्मदी खीरी। मोहम्मदी नगर पालिका परिषद में नव निर्वाचित नगर पालिका परिषद अध्यक्ष संदीप मेहरोत्रा कन्हैया व 25 सभासदो ने एक मैरिज लान मे आयोजित भव्य कार्यक्रम मे उपजिलाधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ एमुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद मिथलेश कुमार विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह ने अध्यक्ष सहित सभी सभासदो के उज्जवल भविष्य की कामना कीए अपनी चौथी पारी खेलने और अपनी जीत से उतसाहित अध्यक्ष संदीप मेहरोत्रा कहा कि जनता ने जो चौथी बार जिम्मेदारी मुझे दी है। मैं उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ पूरा करने का काम करूंगा। इस कार्यक्रम मे भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष शरद बाजपेइ, विनोद मिश्रा, ब्लॉक प्रमुख महेन्द्र बाजपेई, पूर्व अध्यक्ष दुर्गा मेहरोत्रा अधिशासी अधिकारी गुंजन गुप्ता, नगर अध्यक्ष शौरभ गुप्ता, शपथ लेने बाले सभासदो में प्रमुख रूप से सुशीला वर्मा, सिराज अली, अरुण राठौर, रामसिह, रुकसाना वेगम आदि थे।

वरिष्ठ पत्रकार वीपी सिंह का निधन

संवाददाता। संडीला (हरदोई)।

जनपद के वरिष्ठतम पत्रकार वीपी सिंह का संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक लहर दौड़ गयी। बड़ी संख्या में पत्रकारों एवं जनप्रतिनिधियों ने उनके आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वी पी सिंह 40 वर्षों से अधिक समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे व अपनी निष्पक्ष और दबंग लेखनी के लिए प्रसिद्ध थे। 1988 से 1995 के बीच में ग्राम सभा बेगमगंज के ग्राम प्रधान भी रहे और कुछ समय तक उन्होंने स्थानीय आईआर इंटर कालेज में बतौर गणित प्रवक्ता के रुप में अंशकालिक सेवायें दीं। फिर बतौर अधिवक्ता प्रैक्टिस करने लगे। वे अमृत प्रभात, नवभारत टाइम्स तथा वर्तमान में अमर उजाला से जुड़े थे। उनके निधन का समाचार मिलते ही एमएलसी अशोक अग्रवाल, चेयरमैन मो रईस असांरी, पूर्व चेयरमैन शैलेश अग्निहोत्री, सपा नेता राजेश यादव, आरपी यादव, कुंवर सत्येन्द्र सिंह और इंस्पेक्टर शिवगोपाल यादव समेत तमाम लोगों ने उनके आवास पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वी पी सिंह की बड़ी बेटी रुमांसी सिंह ने चिता को मुखाग्नि दी। श्री सिंह अपने पीछे अपनी शिक्षक पत्नी संतोष कुमारी, दो पुत्रियों रुमांसी सिंह और राशि सिंह को छोड़ गये हैं। उनके निधन पर स्थानीय प्रेस क्लब पर अनुराग अस्थाना की अध्यक्षता में शोक सभा की गयी। जिसमें दो मिनट मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। शोक सभा में डा के जी गुप्ता, वसीम अहमद सिद्दीकी, मुईज सागरी, हरिअमोल सिंह, एस एम आकिल, अरविंद त्रिपाठी, गंगाराम, प्रियदर्शी आदि कई पत्रकार मौजूद रहे।

संविलियन विद्यालय गनेशपुर बना स्कूल आफ द वीक

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

विकास खंड लखीमपुर का संविलियन विद्यालय गनेशपुर इस हफ्ते का स्कूल आफ द वीक चुना गया। इसकी वजह विद्यालय में मौजूद अत्याधुनिक व्यवस्थाएं हैं। विद्यालय के मुख्य द्वार के अंदर आते ही चारों ओर भव्य हरियाली, विभिन्न प्रजातियों के पौधेए एलसीडी, स्मार्ट टीवी युक्त रंग-बिरंगे कक्ष। देखकर प्रतीत होता है कि हम किसी भव्य कॉन्वेंट विद्यालय के अंदर हों, लेकिन नहीं यह संविलियन विद्यालय गनेशपुर है जोकि कॉन्वेंट की तर्ज पर संचालित हो रहा है। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका संध्या के प्रसास से यहां की तस्वीर बदली है। वर्ष 2015 में संध्या की तैनाती संविलियन विद्यालय में सहायक अध्यापिका पद पर हुई थी। तब यहां की हालत अत्यंत दयनीय थी। उन्होंने एक-एक अभिभावक से मिलकर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया।

प्रभारी प्रधानाध्यापिका संध्या बताती हैं कि विद्यालय में उनकी सेवाएं 18 नवम्बर 2015 से सहायक अध्यापक के रूप में हुई। 2021 में विद्यालय के संविलियन के पश्चात विभागीय सहयोग के अलावा उन्होंने कुछ व्यक्तिगत प्रयासों से विद्यालय का कायाकल्प करने में सफलता अर्जित की और तब से ये सफर लगातार जारी है। संध्या वर्मा ने इंचार्ज प्रधानाचार्य का दायित्व संभालते ही विद्यालय में श्यामपट्ट प्रथा को विराम लगाकर कॉन्वेंट स्कूलों की तर्ज पर ग्रीन बोर्ड पर पढ़ाना शुरू किया। इस वर्ष 17 बच्चो को स्पेशल क्लास देकर नवोदय परीक्षा के लिए ट्रेंड किया है। विद्यालय में बाला मॉडल पेंटिग, टीएलएम, बाल संसद, शैक्षिणेत्तर गतिविधियां, स्मार्ट क्लासेज, लर्निंग कार्नर, लाइब्रेरी, कक्षा-कक्ष सज्जा, विद्युतीकरण, हरा-भरा कैंपस विद्यालय को अनूठा बनाता है। यहाँ एक इंचार्ज प्रधानाध्यापिका व एक सहायक अध्यापक व तीन शिक्षामित्र कार्यरत हैं। एक जिम्मेदार का कहना है कि प्रभारी प्रधानाध्यापिका का प्रयास सभी शिक्षकों के लिए मिसाल बन चुका है। अन्य शिक्षकों को भी संध्या से प्रेरणा लेकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने बच्चों को शिक्षित करने के दायित्व को सिर्फ एक नौकरी समझकर नहीं बल्कि अपना कर्त्तव्य समझकर निभाया है।

डीएम ने बच्चों को पिलाई पोलियो ड्रॉप

संवाददाता। बरेली

डीएम शिवाकान्त द्विवेदी एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना के प्रतिनिधि अनील कुमार सक्सेना ने आज सामूहिक रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीबीगंज में पोलियो दिवस का फीता काट कर शुभारंभ किया । वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रतिनिधि अनिल कुमार सक्सेना ने वहां पर उपस्थित बच्चों की माता से कहा कि 5 वर्ष आयु तक के जो भी बच्चे हो उन्हें पोलियो ड्रॉप अवश्य पिलाएं, जिससे कि आपका बच्चा पोलियो नामक खतरनाक बीमारी से बच सकेंद्य उन्होंने कहा कि सरकार पोलियो नामक बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है द्य इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री के प्रतिनिधि अनिल कुमार सक्सेना एवं डीएम ने जीरो से 5 वर्ष तक के बच्चो को पोलियो की ड्राफ्ट की खुराक दी। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बलबीर सिंह सहित सीएससी का समस्त स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

बरसात से पूर्व नगर क्षेत्र में स्थित नालों की सफाई हो: नगर आयुक्त

संवाददाता। शाहजहांपुर

नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बरसात से पूर्व नगर क्षेत्र में स्थित नालों की सफाई के सम्बंध में दिये गए निर्देशों के क्रम में सफाई एवं खाद्य निरीक्षकों द्वारा अपने- अपने क्षेत्रों में नाला सफाई का कार्य वृहद स्तर पर कराया गया। नाला सफाई का कार्य नगर क्षेत्र के अंटा चौराहा से बिसरात रोड, बी0एस0ए0 ऑफिस से पूराना पोस्ट मार्टम हाउस, ऑफीसर्स कॉलोनी, छरू कुआं, तारा फाटक स्कूल के पास, शहबाजनगर रोड पर बाला जी मंदिर के पास एवं अजीजगंज स्थित नालों की सफाई का कार्य कराया गया। नगर आयुक्त महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि नाले से निकलने वाले मलवाध्सिल्ट को भी मौके पर साफ जाये, जिससे आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कतों का सामना न करना पड़े।नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा जी प्रात: कालीन नगर क्षेत्र के लोधीपुर में स्वीपिंग मशीन द्वारा किये जा रहे सफाई के कार्य का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के समय लोधीपुर में ही स्थित नाला में गंदगी पाए जाने पर सम्बंधित को निर्देशित किया कि तत्काल नाला सफाई के कार्य को कराया जाए व नाले से निकलने वाले मलवा आदि को भी मौके पर ही साफ कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस मौके पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 मनोज कुमार मिश्रा, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक हरवंश कुमार दीक्षित उपस्थित रहे।

26 से 31 अक्टूबर तक होगा 'जाणताराज - भारत के गौरवशाली अतीत' का मंचन

संवाददाता। लखीमपुर.खीरी

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता विनोद मिश्र के प्रतिष्ठान पर दिव्य प्रेम सेवा मिशन की बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता विनोद मिश्र ने की। बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता सिंह पाल सिंह ने बताया कि 26 से 31 अक्टूबर तक लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में छत्रपति शिवाजी के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक महानाट्य ष्जाणताराज.भारत के गौरवशाली अतीतष् का मंचन किया जाएगा। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में मौजूद लोगों ने अपने-अपने सुझाव रखे। इस दौरान अवध क्षेत्र संयोजक अवध बिहिारी मिश्रा, उमाशंकर मिश्र, कुमुदेश शंकर शुक्ला, अरविंद गुप्ता, हरिनाम शंकर अवस्थी, आचार्य संजय, सुरेश चंद्र वर्मा, अशोक ढल, आशू मिश्रा, लक्ष्मीकांत अवस्थी, विनोद शुक्ला, अनूप शुक्ला, पारस मौर्या, राजपाल भार्गव, कौशल किशोर शुक्ला सहित सैकड़ो लोग शामिल हुए। यह जानकारी मिशन के जिला संयोजक सरोज दीक्षित ने दी।

दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन करें

● आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई

संवाददाता। बरेली

जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री योगेश पाण्डेय ने बताया कि ष्दिव्यांगजनों को शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कारष् योजनान्तर्गत पात्र दिव्यांगजनों द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 में सम्पन्न की गई शादियों के अनुदान हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन की न्यूनतम दिव्यांगता 40 प्रतिशत होनी चाहिए, दिव्यांगजन शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के वर के दिव्यांग होने की दशा में रू0 15,000 और बधू के दिव्यांग होने की दशा में रू0 20,000 एवं वर-वधू दोनों के दिव्यांग होने की दशा में रू0 35,000 अनुदान निर्धारित है। कहा कि वर की आयु 21-45 वर्ष एवं वधु की आयु 18-45 वर्ष तक होनी चाहिए। दम्पत्ति आयकर दाता की श्रेणी में न हो। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन की शादी-विवाह के लिए पात्रता हेतु यदि विवाह पंजीकरण प्रमाण-पत्र उपलब्ध है, तो उसकी छायाप्रति स्वप्रमाणित कर उसे अपलोड किया जाना स्वैच्छिक होगा, दम्पत्ति का संयुक्त बैंक खाते की छायाप्रति, शादी का कार्ड, दम्पत्ति का संयुक्त फोटो, दम्पत्ति का आधार कार्ड, वर-वधू का आयु प्रमाण पत्र (हाई स्कूल का अंक प्रमाण पत्र / वोटर आईडी / आधार/ पैन कार्ड आदि), आवेदक का तहसील द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र, वर-वधू का दिव्यांगता प्रमाण पत्र (40 प्रतिशत) होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के अन्तर्गत केवल ऑनलाइन आवेदन पत्र ही स्वीकार किये जायेंगे। ऑनलाइन आवेदन दिनांक 15 जुलाई, 2023 तक कर सकते है। उन्होंने कहा कि फॉर्म ऑनलाइन कराने के बाद प्रिंट करते हुए सभी संलग्नकों सहित आवेदन विकास भवन कमरा नम्बर 04 जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, बरेली के कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट को स्वच्छ और सुंदर बनाना लक्ष्य : नरेंद्र गुप्ता

●ईओ के नेतृत्व में पालिकाकर्मियों ने किया चेयरमैन का स्वागत

संवाददाता। चित्रकूट

नगर पालिका परिषद चित्रकूटधाम कर्वी के अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण करने के बाद कार्यभार ग्रहण करने नगर पालिका कार्यालय पहुंच चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता का ईओ लालजी यादव के नेतृत्व में पालिका कर्मियों ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस दौरान पालिका अध्यक्ष श्री गुप्ता ने कहा कि भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट का सर्वांगीण विकास योगी सरकार और उनकी प्राथमिकता है। सभासदो एवं अधिकारियों-कर्मचारियों के सहयोग से स्वच्छ और सुंदर चित्रकूट बनाने का हर संभव प्रयास होगा। कार्यभार ग्रहण करने नगर पालिका कार्यालय पहुंचे चेयरमैन नरेंद्र गुप्ता का अधिशाषी अधिकारी लालजी यादव, अवर अभियंता संतोष सिंह राठौर, लेखाधिकारी सुभाष गुप्ता,वरिष्ठ लिपिक कर्मोत्तर सिंह, सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला, लिपिक ज्ञान चंद्र गुप्ता, राजेंद्र राम, अशरफ खान, प्रवीण श्रीवास्तव, हसीना बेगम आदि पालिका कर्मियों ने फूल-मालाओं से लादकर भव्य स्वागत किया।

वृद्ध पर जंगली रीछ ने हमला कर किया घायल

राजापुर, चित्रकूट। रैपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम करौंदी कला में शौच क्रिया के लिए गए वृद्ध पर एक जंगली रीछ ने हमला बोल दिया। जिससे उसे गम्भीर चोटें आई हैं। परिजनों ने एम्बुलेन्स की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र राजापुर में भर्ती कराया और उपचार के बाद डॉक्टरों ने घर भेज दिया है। रीछ के हमले से पूरे ग्रामीण इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। रविवार को करीब 6 बजे करौंदी कला निवासी गेंदवा पुत्र भोंड़ेलाल (65वर्ष) पास के रामसिंह के पुरवा हार में शौच क्रिया के लिए गया हुआ था। इसी दौरान छीबों हार की ओर से आए रीछ ने अचानक हमला बोल दिया, वृद्ध ने बचाव के लिए हाथ से रोका तो वृद्ध की एक उंगली काट डाला। जिससे उसका हाथ लहूलुहान हो गया।

अपने बच्चों को दें पोलियो मुक्त जीवन : जिलाधिकारी

संवाददाता। कानपुर देहात

उक्त संदेश आज जिलाधिकारी नेहा जैन द्वारा जिला महिला चिकित्सालय में पल्स पोलियो अभियान के प्रथम बूथ दिवस का शुभारंभ करते हुए उपस्थित अभिभावक एवं अधिकारियों को दिया गया। आज दिनांक 28 मई 2023 को पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 891 बूथों पर पोलियो की खुराक पिलायी जायेगी, 353500 घरों में दिनांक 29 मई से 2 जून तक घर.घर अभियान चलाकर 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को प्रतिरक्षित किया जायेगा। जनपद में कुल 284996 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायी जानी है। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा स्वयं नवजात शिशु को गोद में लेकर दो बून्द पोलियो की खुराक पिलाकर आज इस अभियान का शुभारंभ किया व बच्चों को चॉकलेट भी वितरित की। उन्होंने जनपद के समस्त अभिभावकों से अपील करते हुए जानकारी दी कि आज भारत पूर्ण रूप से पोलियो मुक्त है किंतु ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में अन्य देशों से व्यक्तियों के नियमित आवागमन के कारण पोलियो के आने की संभावना बनी रहती है। जिसके दृष्टिगत भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा चिन्हित लगभग 50 जनपदों में इस अभियान को चलाया जा रहा है जिसमें से अपना जनपद एक है। इस मौके को व्यर्थ न करें व अपने बच्चों को पोलियो मुक्त करने हेतु दो बूंद जिंदगी की अवश्य पिलायें।

उन्होंने बताया 2 जून तक घर घर अभियान के बाद भी छूटे बच्चों को पोलियो खुराक दिनांक 5 जून, सोमवार को बी टीम अभियान के माध्यम बच्चों को प्रतिरक्षित किया जायेगा।

वीर सावरकर की जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

●गांधी के समान देश भक्त थे सावरकर-आलोक पांडेय

●सावरकर ने सामाजिक कुरीतियों, जातिगत ऊंच-नीच पर किया कड़ा प्रहार

संवाददाता। चित्रकूट

मां भारती के अमर सपूत वीर सावरकर जी की जयंती पर युवाओं ने पुष्पांजली दीपांजली कार्यक्रम आयोजित किया। वीर सावरकर जी की जयंती पर पुष्पांजली-दीपांजली कार्यक्रम के साथ वीर सावरकर जी के कृतित्व और विचारों पर विमर्श भी सम्पन्न हुआ। विमर्श पर विचार अभिव्यक्त करते हुए जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय ने कहा कि वीर सावरकर उतने ही बड़े देशभक्त थे जितने महात्मा गांधी जी। वो उतने ही बहादुर थे जितने भगत सिंह जी। वो उतने ही दूरदर्शी थे जितने सरदार पटेल जी। वो उतने ही चतुर थे जितने चाणक्य। सावरकर पर सवाल उठाकर आप अपनी कुपढ़ता का परिचय तो दे सकते हैं मगर इससे उनकी महानता पर रत्ती भर भी आंच नहीं आती है। विमर्श को बढ़ाते हुए आलोक पाण्डेय ने आगे कहा कि वीर सावरकर जी ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, जातिगत ऊंच-नीच पर जितना कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने पतित पावन मंदिर बनाकर दलितों को मंदिर प्रवेश कराया। सावरकर जी को दो जन्म का कारावास दिया गया और कालेपानी की सजा में कठोरतम यातनाएं।

हिंदू महासभा ने मनाई वीर सावरकर की जयंती

फतेहपुर। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानी, हिंदू हृदय सम्राट हिंदू महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सावरकर की जन्म जयंती कार्यक्रम धूमधाम से कैंप कार्यालय आईटीआई रोड में उनके तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर आरती हवन करके हिंदू राष्ट्र दिवस के रूप में मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ चंद्र कुमार पांडेय ने किया। उनके व्यक्तित्व कृतित्व पर अनेक वक्ताओं ने प्रकाश डाला। गोष्ठी को संबोधित करते हुए हिंदू महासभा के प्रदेश महामंत्री मनोज त्रिवेदी ने कहा कि विनायक दामोदर सावरकर ने अपने जीवन के लगभग 15 वर्ष अंडमान निकोबार की जेल में कठिन या तनाव के बीच बैल की तरह कोलू खींचकर हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां बांधकर तेल निकालना उनकी दिनचर्या थी। उनका अदम्य साहस ब्रिटिश हुकूमत के दांत खट्टे कर देता था। अब तक उनको भारत में न मिलना चिंता का विषय है।

नौनिहालों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की

उरई, जालौन। राष्ट्रीय पल्स पोलियो महा अभियान 28 मई 2023 के बूथ दिवस के अवसर पर प्रात: 9.15 पर जिला महिला चिकित्सालय उरई परिसर में स्थापित पोलियो बूथ का शुभारम्भ डा. एनडी शर्मा मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने 0-5 वर्ष के बच्चों को दो बूंद पोलियो की पिलाकर किया गया।

इस अवसर पर डा. अवनीश कुमार सीएमएस जिला चिकित्सालय डा. सुनीता बनौधा सीएमएस, जिला महिला चिकित्सालय, डा. वीरेन्द्र सिंह अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा. एसडी चौधरी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एनयूएचएम स्टोर, डा. देवेन्द्र कुमार भिटौरिया जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, डा. बजेन्द्र सिंह एसआरटीएल डब्लूएचओ डा. एसंके पाल बाल रोग विशेषज्ञ, डा. सरोज बाला शर्मा महिला चिकित्सा अधिकारी, डा. संगीता दिवालिया महिला चिकित्सा अधिकारी आरपी विश्वकर्मा अपर शोध अधिकारी, डा. जितेन्द्र कुमार नोडल अधिकारी टीकाकरण नगर क्षेत्र संजीव संजीव गहोई समाज सेवी तथा राजेन्द्र बाबू लिपिक जिला महिला चिकित्सालय आदि उपस्थित रहे। सीएमओ डा. एनडी शर्मा ने अपने सम्बोधन में उपस्थित लाभार्थियों की माताओं को अपने बच्चों का समय से सम्पूर्ण टीकाकरण कराये जाने के फायदे के बारे में बताया।

सभी को जोड़ कर सतत विकास में आगे बढ़े कोरी समाज : सुरेश कोरी

हमीरपुर। कोरी समाज महासंघ की बैठक स्थानीय रमाकांत कोरी की आवास में सम्पन हुई। बैठक में सबसे पहले भगवान कबीर साहेब व डा भीम भीमराव आंबेडकर बाबा साहब व वीरांगना झलकारी बाई के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर संगठन के नेता डा.सुरेश कोरी ने कहा कि सभी सदस्य समाज को जोड़ने का प्रयास करे,कोरी समाज जो उपजातियों में बंटा है वह एक साथ होकर काम करे ताकि हमारा समाज भी आगे आये।अध्यक्षता देवी दास अनुरागी व संचालन रमाकांत अनुरागी जी ने किया। डा. सुरेश ने कहा कि समाज का हर व्यक्ति समाज को जागरूक करे, यदि समाज पूर्वजों को बताये मार्ग पर चलेगा तो सतत आगे बढ़ता जायेगा। बाबा साहब ने कहा है संघर्ष करो संघठित रहो और शिक्षित बनो यही इस संगठन का उद्देश्य है इस कार्यक्रम में मानसिह राजू अनुरागी भगवान दास सीताराम चन्द्रभान अनुरागी शिवभूषण रामविहारी हरिसिंह प्रदीप रामगोपाल राम बहादुर महेश प्रशाद सुशील मुकेश रमाकांत विश्नाथ रामबाबू माहेश्वरी दीन आदि लोग उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष ने दिलाया नई ऊर्जा के साथ विकास का भरोसा

●सदर एसडीएम ने नव निर्वाचित पालिका अध्यक्ष और सभासदों को दिलाई शपथ

संवाददाता। उरई, जालौन

दूसरी बार नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए भारी मतों से निर्वाचित हुए गिरजा चौधरी का शपथ ग्रहण समारोह बीती शाम नगर के टाउन हॉल परिसर में आयोजित किया गया इस मौके पर प्रशिक्षु आईएएस एवं सदर एसडीएम अभिषेक कुमार ने नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष सहित कई सभासदों को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष गिरजा चौधरी ने कहा कि नगरपालिका के लिए यह उनका दूसरा कार्यकाल है और इस कार्यकाल में वह अपने पिछले अनुभवों का पूरा पूरा इस्तेमाल कर नगर के विकास को नए आयाम प्रदान करेंगे यही नहीं उन्होंने नगर वासियों को भरोसा दिलाया कि नगर के सर्वांगीण विकास में वह किसी भी स्थिति में पीछे नहीं हटेंगे।

टाउन हॉल के मैदान में आयोजित समारोह में सर्वप्रथम नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष गिरजा चौधरी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने का रस्मो रिवाज सदर उप जिलाधिकारी अभिषेक कुमार ने कराया इसी क्रम में उन्होंने कई पालिका सभासदों को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई इस अवसर पर नवनिर्वाचित पालिकाध्यक्ष गिरजा चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह उनके लिए दूसरा शुभ अवसर है जबकि वह नगर पालिका अध्यक्ष पद पर नगर की जनता के द्वारा चुनकर भेजी गई हैं। लिहाजा उनकी जिम्मेदारी अब नगर के सर्वांगीण विकास को लेकर और अधिक बढ़ जाती है।

क्विक न्यूज

खूनी संघर्ष में दस दिन इलाज के दौरान मौत

मौदहा, हमीरपुर। दस दिन पूर्व हुए एक खूनी संघर्ष के मामले में गम्भीर रूप से घायल एक युवक की इलाज के दौरान कानपुर में मौत हो गयी है। परछछ गांव निवासी हर भूषण सिंह ने पुलिस को बताया कि मुझे व मेरे भाई लाला व बालेंद्र को पड़ोसियो ने लाठी, डंडा, फरसा, तमंचे के साथ हवाई फायर करते हुए मारपीट कर लहूलुहान कर दिया था। जिनको गंभीर हालत में कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया हालत चिंताजनक होने पर हर भूषण बालेंद्र को सघन इलाज हेतु चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया था जिसमें हर भूषण और छोटे को इलाज में सुधार होते न देख जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने कानपुर लाला लाजपत राय हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया था जहां पर लगभग दस दिन इलाज के बाद भी सुधार नहीं हुआ और उसकी मौत हो गई। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी हेमंत कुमार मिश्रा ने बताया कि हेमराज, बृजेश व रामकरण के विरुद्ध धारा के तहत मामला पंजीकृत किया गया था जिसमें दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मारुति वैन और ऑटो की टक्कर में दो की मौत, छह घायल

पुखरायां, कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के हांसेमऊ गांव के पास रविवार को सवारियों भरे ऑटो और मारूति वैन में टक्कर हो गई है। इस जोरदार टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं गंभीर रूप से घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सीएचसी पुखरायां से जिला अस्पताल अकबरपुर रेफर किया गया है। जबकि मृतकों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। रविवार को बरौर थाना क्षेत्र के कैलाई गांव निवासी अब्दुल सत्तर का पुत्र अफजाल ऑटो में सवारियां भरकर बरौर से पुखरायां जा रहा था। तभी हांसेमऊ गांव के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित मारुति वैन अचानक सवारी भरे ऑटो से टकरा गई। जिसमें डुडियामऊ निवासी बदलू का पुत्र छोटे, उसकी पत्नी सरोज व पुत्री और रमेश की पत्नी रमेश अफजाल का पुत्र सैफ, प्यारे का संतोष बुरी तरह घायल हो गए हैं।

दबंगों ने पत्रकार पर किया जानलेवा हमला

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के खंडेहा गांव के पत्रकार रामबहोरी केशरवानी पुत्र स्व मोहनलाल ने थानाध्यक्ष को दी तहरीर में कहा कि उसकी खबरों से खफा दबंगों ने जानलेवा हमला किया है। पुलिस ने तहरीर ले ली है, अभी तक दबंगों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज नहीं की। रविवार को खंडेहा गांव के पत्रकार रामबहोरी केशरवानी ने थानाध्यक्ष को दी तहरीर में बताया कि 27 मई को दोपहर 12 बजे ईंटा-गिट्टी सप्लायर छोटू सिंह ने रास्ते में घात लगाकर गांव के राधेश्याम व भाई श्यामलाल पुत्रगण सूरजपाल आदि ने घेरकर लाठी-डंडों व कुल्हाडी से हमला बोल दिया। हमला करने वाले कह रहे थे कि जेसीबी से मिट्टी खुदवा रहे थे तो खबर क्यों छापी।

पुलिस ने गुमशुदा बालक को 24 घंटे में किया बरामद

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला के निर्देश पर गुमशुदा/अपहृतों की बरामदगी को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कर्वी गुलाब त्रिपाठी की अगुवाई में कोतवाली कर्वी पुलिस ने गुमशुदा बालक को बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया। ज्ञात है कि 27 अप्रैल को कोतवाली कर्वी के बघौडा गांव के ज्ञानचंद्र शुक्ल पुत्र स्व महेश प्रसाद हालमुकाम पुरानी बाजार कर्वी ने अपने छोटे पुत्र अनन्य शुक्ला की गुमशुदगी की रिपोर्ट कोतवाली कर्वी में दी। कोतवाली पुलिस ने सर्विलांस की मदद से खोये अनन्य शुक्ल पुत्र ज्ञानचन्द्र शुक्ल को बरामद करने के प्रयास शुरु कर दिये। कोतवाली पुलिस के प्रयास से गुमशुदा अनन्य को 24 घंटे के बरामद किया।

राधा श्याम शक्ति मन्दिर में आध्यात्मिक काव्य गोष्ठी आयोजित

फर्रुखाबाद । आध्यात्मिक काव्य गोष्ठी राधा श्याम शक्ति मन्दिर में संपन्न नगर के लोहाई रोड स्थित राधा श्याम शक्ति मंदिर के प्रांगण में स्वर्गीय गोपीराम सफ्फड़ की स्मृति में दो दिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान के प्रथम दिन आध्यात्मिक काव्य गोष्ठी का आयोजन आयोजन देश के जाने-माने कवि डॉक्टर शिवओम अंबर की अध्यक्षता एवं कवि ब्रज किशोर सिंह किशोर के संचालन में हुआ। इस मौके पर कवियों ने प्रभु के चरणोंमें बैठकरअध्यात्मिक काव्य पाठ किया काव्य गोष्ठी गीतकार वरिष्ठ कवित्री डॉक्टर गरिमा पांडेय की वाणी वंदना से प्रारंभ हुई।

कथा सुनने के लिए श्रद्धालुओं का लगा तांता

फतेहपुर। अमौली विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़दा में चल रहे श्री रुद्र महायज्ञ महोत्सव में शंकराचार्य शिक्षा मंडल सम्पूर्ण भारत वर्ष द्वारा आयोजित श्रीमहा मृत्युंजय रुद्र महायज्ञ कार्यक्रम में जगत गुरु शंकराचार्य स्वामी एवं प्रख्यात कथा वाचक आत्मानंद सरस्वती महाराज द्वारा कथा का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालुओं का कथा सुनने के लिए तांता लगा रहा।

पेज एक का शेष

आजादी के...

कि देश को नए संसद भवन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सीट व सांसदों की संख्या भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि समय की मांग थी कि संसद की नई इमारत का निर्माण किया जाए। नए संसद भवन में विरासत भी है, वास्तु भी है। इसमें कला भी है और कौशल भी है। इसमें संस्कृति भी है और संविधान के स्वर भी हैं। प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार के नौ वर्षों के शासन को भारत के नवनिर्माण और गरीब कल्याण का कार्यकाल बताया और कहा कि नया भवन स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा, आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा और विकसित भारत के संकल्पों की सिद्धि होते हुए देखेगा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि संसद के नए भवन का कण-कण गरीब को समर्पित है। उन्होंने कहा कि नया संसद भवन योजना को यथार्थ से, नीति को निर्माण से और इच्छाशक्ति को क्रियाशक्ति से तथा संकल्प को सिद्धि से जोड़ने वाली अहम कड़ी साबित होगा। यह नया भवन हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने का नया माध्यम बनेगा। यह नया भवन आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा। प्रधानमंत्री के मुताबिक, देश की विकास यात्रा के कुछ पल अमर हो जाते हैं और आज भी ऐसा ही एक दिन है।

उप्र के...

ताकि इसे जोड़ने के बाद भी कायम रहे और यह अधिक लोगों की आवाजाही के बावजूद खराब न हो। राज्यसभा में उपयोग किए गए रंग मुख्य रूप से कोकम लाल रंग से प्रेरित हैं और लोकसभा में हरे रंग का इस्तेमाल किया गया है जो भारतीय मोर के पंखों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि कालीन बनाने के लिए प्रति वर्ग इंच पर 120 गांठों को बुना गया, यानी कुल 60 करोड़ से अधिक गांठें बुनी गईं। चटर्जी ने कहा, हमने वैश्विक महामारी के बीच 2020 में यह काम शुरू किया था। सितंबर 2021 तक शुरू हुई बुनाई की प्रक्रिया मई 2022 तक समाप्त हो गई थी, और नवंबर 2022 में इसे बिछाए जाने का काम शुरू हुआ।

नए संसद...

राष्ट्रपति मुर्मू ने संसद को देश के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश करार देते हुए कहा कि नया संसद भवन हमारी लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मुर्मू ने कहा, नए संसद भवन के उद्घाटन का अवसर भारत के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। मुर्मू ने कहा कि नए संसद भवन का उद्घाटन देशवासियों के दिलों में एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करेगा। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान आयोजित यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षण और विस्तार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का जीता-जागता प्रमाण है। यह उत्तर से दक्षिण तक और पूर्व से पश्चिम तक देश के सभी लोगों के लिए गर्व और बहुत आनंद का क्षण है। हमारी सामूहिक चेतना में संसद का विशेष स्थान है। संसद हमारी समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं का भी प्रकाशस्तंभ है। मुर्मू ने कहा, लोकतांत्रिक विमर्श के प्रति सम्मान हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक परम्पराओं का मूल सार है, जिसके आधार पर सदियों से चली आ रही स्वस्थ बहस, सार्थक संवाद और विचारों के आदान-प्रदान की व्यवस्था फली-फूली है।

भारत के...

आत्मनिर्भर भारत बनाने से लेकर लोगों की सभी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने और देशवासियों को सशक्त बनाने से लेकर गरीबी दूर करने तक, यह गौरवशाली इमारत आने वाले दशकों में कई ऐतिहासिक पलों का अध्याय लिखेगी। धनखड़ ने कहा कि कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियां भवन निर्माण में शामिल मेहनती एवं प्रतिबद्ध कर्मियों के अटूट संकल्प को रोकने में विफल रहीं। उन्होंने संसद को लोकतंत्र का मंदिर बताते हुए कहा कि यह वर्तमान और भावी पीढ़ियों की आकांक्षाओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के अलावा सनातन परंपराओं और महान लोकतांत्रिक मानकों के संरक्षक के रूप में भी कार्य करती है। उपराष्ट्रपति ने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि नया संसद भवन यह सुनिश्चित करेगा कि देश के हाशिए पर पड़े वर्गों को विशेष वरीयता देते हुए नीतियों और विधानों के माध्यम से सभी नागरिकों की जरूरतों एवं आकांक्षाओं को पूरा किया जाए। इस तरह भारत की बुनियादी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। धनखड़ ने कहा कि उन्हें यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि देश की आजादी के बाद जन्म लेने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस शानदार इमारत को राष्ट्र को समर्पित कर रहे हैं।

विपक्षी दलों...

संसद के नए भवन के शिलान्यास कार्यक्रम से तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को दूर रखा गया। उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को दरकिनार कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आरएसएस की पिछड़ा समुदाय विरोधी और उच्च जाति वाली सोच है। यही वजह है कि रामनाथ कोविंद और द्रौपदी मुर्मू को वह सम्मान नहीं दिया गया, जिसके वे सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन होने के रूप में हकदार थे। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नए संसद भवन का उद्घाटन करना आत्ममुग्धता के समान है। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति को नहीं बुलाया गया। भाजपा की मानसिकता हमेशा दलित और आदिवासी विरोधी रही है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने सिलसिलेवार ट्वीट किए और आरोप लगाया कि उद्घाटन समारोह नए भारत की घोषणा के साथ हंगामेदार दुष्प्रचार के बीच आयोजित किया गया। भाकपा के सांसद विनय विश्वम ने कहा कि इस शुरुआत से यह पता चल गया कि संसद में क्या होने वाला बसपा की अध्यक्ष और उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन की शुभकामना देते हुए अपेक्षा की कि इसका उपयोग पवित्र संविधान की नेक मंशा के हिसाब से देश एवं जनहित में हो तो यह उचित होगा।

राजद ने...

समझे? भाजपा के राज्यसभा सदस्य और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने ट्वीट के लिए राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि इससे ओछा और शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता।उन्होंने कहा, उन्होंने दो तस्वीरें ट्वीट की हैं, एक नई संसद की और दूसरी एक ताबूत की। नई संसद की तस्वीर भारत के भविष्य को दिखाती है। ताबूत की तस्वीर राजद के भविष्य को दिखाती है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने आरोप लगाया कि राजद ने यह तुलना करके देश की 140 करोड़ जनता की भावनाओं को आहत किया है। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। यह उनका मानसिक दिवालियापन दिखाता है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पलटवार करते हुए कहा, 2024 में देश की जनता आपको इसी ताबूत में बंद करके दफना देगी और नए लोकतंत्र के मंदिर में आप को आने का मौका भी नहीं देगी। चलिए यह भी तय हुआ कि संसद भवन देश का है और ताबूत आपका। उन्होंने कहा, आज एक ऐतिहासिक पल है और देश गौरवान्वित है। आप नजरबट्टू हैं और कुछ नहीं। छाती पीटते रहिए। बिहार भाजपा के पूर्व अध्यक्ष संजय जायसवाल ने एक वीडियो वक्तव्य में कहा, इससे उनकी यह सोच सामने आ गई है कि राजद को संसद के प्रति कोई सम्मान नहीं है। राजद के किसी नेता का नाम लिए बिना जायसवाल ने कहा कि उन्हें लगता है कि केवल उनके माता पिता ही मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री पदों पर रह सकते हैं। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राजद के ट्वीट को घृणित करार दिया और कहा, वे इस हद तक गिर गए हैं। यह राजद की राजनीति की ताबूत में आखिरी कील साबित होगा। भारतीय प्रणाली में त्रिकोण या त्रिभुज का काफी अधिक महत्व है। वैसे ताबूत में छह किनारे होते हैं। औरंगाबाद से भाजपा सांसद सुशील कुमार सिंह ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के बाद कहा कि राजद का ट्वीट अशोभनीय था। सुशील कुमार सिंह ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, आप इस पार्टी (राजद) से क्या उम्मीद करते हैं जो फिलहाल बिहार सरकार में जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) की साझेदार है। जो लोग ताबूत के साथ इस तरह की घिनौनी तुलना कर रहे हैं, उनकी राजनीति ताबूत में बंद हो जाएगी। चार बार के सांसद सिंह ने कहा कि नया संसद भवन आत्मनिर्भर भारत की भावना को दर्शाता है। हालांकि राजद के ट्वीट को सही ठहराते हुए उसके बिहार प्रदेश प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, जिस तरह नए संसद भवन का आज उद्घाटन किया गया, उसने दिखा दिया कि लोकतंत्र को दफना दिया गया। न तो राष्ट्रपति और न ही उपराष्ट्रपति, जो राज्यसभा के सभापति हैं, को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। ऐसा लोकतंत्र में नहीं होता है।

पुलिस ने...

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन किए जाने का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए ट्वीट किया, राज्याभिषेक पूरा हुआ - अहंकारी राजा सड़कों पर कुचल रहा जनता की आवाज। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि सरकार महिला खिलाड़ियों की आवाज को निर्ममता से बूटों तले रौंद रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी पहलवानों को रविवार को पुलिस हिरासत में लिए जाने की निंदा की और इसे निहायत गलत कृत्य करार दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि लोकतंत्र सहिष्णुता में निहित है, लेकिन निरंकुश ताकतें असहिष्णुता और असंतोष को कुचलने पर पनपती हैं।

मणिपुर में...

उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई में इन उग्रवादियों को निशाना बनाया। मुख्यमंत्री ने लोगों से सुरक्षाकर्मियों की आवाजाही में बाधा नहीं डालने की अपील की और उनसे सरकार में विश्वास रखने और सुरक्षा बलों का समर्थन करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम नागरिकों की हत्याओं और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा घरों में आगजनी में शामिल कई कुकी उग्रवादियों को जाट रेजीमेंट ने पकड़ लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले के फएंग में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों की गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि सुगनू में हुई गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। सुगनू में 6 और सेरौ में 4 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि ताजा संघर्ष तब शुरू हुआ जब सेना ने शांति कायम करने के लिए समुदायों को हथियारों से मुक्त करने को लेकर तलाशी अभियान शुरू किया। एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि पश्चिम इंफाल के उरीपोक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक ख्वाइरकपम रघुमणि सिंह के आवास में तोड़फोड़ की गई और उनके दो वाहनों में आग लगा दी गई। उन्होंने कहा कि प्रतिद्वंद्वी जातीय उग्रवादी समूहों के साथ-साथ उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच कई स्थानों पर तड़के झड़प हुई। अधिकारी ने कहा, हमारी जानकारी के मुताबिक, काकचिंग में सुगनू, चुड़ाचांदपुर में कांगवी, इंफाल पश्चिम में कांगचुप, इंफाल पूर्व में सगोलमंग, बिशेनपुर में नुंगोईपोकपी, इंफाल पश्चिम में खुरखुल और कांगपोकपी में वाईकेपीआई से गोलीबारी की सूचना मिली है।

विदेशों की गाय देती दूध, भारत की गाय लेती वोट : भूपेश बघेल

फतेहपुर। छत्तीसगढ़ प्रांत के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि विदेशों की गाय जहां दूध देने का काम करती है वहीं भारत की गाय महज वोट की खातिर इस्तेमाल की जाती है। उनके प्रांत में सरकार किसानों से गोबर व गौमूत्र खरीदकर कंपोजिट खाद का निर्माण कर रही है। आगामी लोकसभा चुनाव में सभी विपक्षी दल एकजुट होकर तानाशाह भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे। रविवार को अमौली ब्लाक के बुढ़दा ग्राम में आयोजित श्री राम कथा में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ प्रांत के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शिरकत की। सर्वप्रथम जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी ने उनके आगमन पर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की। महाराज जी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की सरकार किसानों की हालत पर विशेष कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान राम व माता कौशल्या जी का गांव है। जिससे हम सभी भगवान रामजी और कौशिल्या माता को पूजते हैं। वह किसान हैं और गांव के रहने वाले हैं। जब भी स्कूल जाते थे तो पहले गौधाम जाते थे। विपक्ष ने बताया कि यहां पर गाय के नाम पर राजनीति होती है। हमारी सरकार दो रुपये में गोबर और चार रुपये लीटर गौमूत्र किसानों से खरीद कर कम्पोजिट खाद का निर्माण कर रही है। अब तक 28 लाख कुंटल खाद का निर्माण किया जा चुका है। गोबर से बिजली उत्पादन करके किसानों को 400 यूनिट बिजली फ्री में उपलब्ध कराई जाती है। सबसे ज्यादा किसानों को गन्ना और धान की कीमतों के उचित मूल्य दिया जाता है।

चैयरमैन ने लोगों के साथ सुनी पीएम के मन की बात

कानपुर देहात। रूरा नगर पंचायत के नवनिर्वाचित चैयरमैन व भाजपा जिला महामंत्री रामजी गुप्ता ने कई लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 101 एपिसोड को टीवी पर सुना। चैयरमैन पुत्र प्रशान्त ओमर, विनय ओमर, समाजसेवी अखिलेश गुप्ता लल्ला, रामबाबू शुक्ला, गिरजेश द्विवेदी, अविनाश ओमर, प्रमोद शुक्ला सहित अन्य लोग मौजूद रहे। रविवार को 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण किया गया।

ग्रामीणों ने भेदभाव का आरोप लगा मुख्यमंत्री से लगायी गुहार

नालियों के बाहर फैली गंदगी

आवास न मिलने की समस्या बताती महिला

रूरा, कानपुर देहात। धनीरामपुर गांव के आधा सैकड़ा से अधिक लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर गांव के विकास के लिये जिम्मेदार जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारियों की वित्तीय अनियमितता व विकास योजनाओं में भेदभाव की जांच के लिये गुहार लगायी है। ग्रामीणों ने विकास के लिये जिम्मेदारों पर गंभीर आरोप लगाते हुये निष्पक्ष जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग के साथ वित्तीय अधिकारों पर रोक लगाये जाने की मांग की है। धनीरामपुर गांव के राजेन्द्र प्रसाद, रिजवान मोहम्मद, चन्द्रप्रकाश, आशीष, मुन्शीलाल, छेदीलाल, समी, कृष्ण कुमार, बब्लू, संतोष कुमार, श्रीपाल सहित अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री को पंजीकृत डाक से भेजे गये शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया कि बीते दो वर्षों से धनीरामपुर गांव में विकास का कोई काम नही किया गया है गांव के लिये आवॅटित योजनाओं को मजरे में स्थानान्तरित करने की साजिश जिम्मेदारों द्वारा रची गयी है। ग्रामीणों ने तत्काल प्रभाव से जिम्मेदारों के वित्तीय अधिकारों पर रोक लगाने के साथ निष्पक्ष व प्रभावी जांच कर सख्त कार्यवाही की मांग की है।

रूस का कीव दिवस से पहले सबसे बड़ा ड्रोन हमला

● यूक्रेन की राजधानी में एक की मौत

भाषा। कीव

कीव दिवस के आयोजन की तैयारियों के बीच रविवार तड़के यूक्रेन की राजधानी युद्ध की शुरुआत के बाद से सबसे बड़े ड्रोन हमले का शिकार हुई। हमले में कम से कम एक व्यक्ति मारा गया। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सेर्ही पोपको ने कहा कि रूस ने शनिवार रात ईरान निर्मित शहीद ड्रोन से शहर पर सबसे बड़ा हमला किया। यह हमला पांच घंटे से अधिक समय तक जारी रहा, जिस दौरान यूक्रेन की हवाई रक्षा प्रणाली ने कथित तौर पर 40 से अधिक ड्रोन को नष्ट कर दिया। कीव के मेयर विटाली क्लिट्सको ने बताया कि सात मंजिला गैर-आवासीय इमारत पर ड्रोन का मलबा गिरने और आग लगने से 41 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि घटना में घायल हुई 35 वर्षीय एक महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि शनिवार रात देशभर में शहीद ड्रोन से इतने हमले किए गए, जितने इससे पहले कभी नहीं हुए थे। उसने दावा किया कि रूसी सेना द्वारा दागे गए 54 ड्रोन में से 52 को वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा मार गिराया गया। पूर्वोत्तर के खारकीव प्रांत में क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने कहा कि दो अलग-अलग हमलों में 61 वर्षीय एक महिला और 60 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। कीव दिवस यूक्रेन की राजधानी का आधिकारिक स्थापना दिवस है। इस दिन को आमतौर पर संगीत कार्यक्रम, सड़कों पर मेले, प्रदर्शनियों और आतिशबाजी के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष, शहर की 1,541वीं वर्षगांठ के लिए सीमित स्तर पर उत्सव की योजना बनाई गई है। सैन्य अधिकारी पोपको ने कहा, आज, दुश्मन ने अपने घातक ड्रोन की मदद से कीव के लोगों को कीव दिवस की बधाई देने का फैसला किया है। रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र के स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने इल्स्की तेल रिफाइनरी की ओर दागे गए दो ड्रोन को नष्ट कर दिया। अमेरिका निर्मित पेट्रियट मिसाइल समेत पश्चिमी देशों से मिली वायु रक्षा प्रणाली के कारण कीव हमलों को नाकाम करने में सफल रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में लड़ाई के अलावा दोनों पक्ष लंबी दूरी की मिसाइल के जरिए एक-दूसरे को निशाना बना रहे हैं। पिछले साल फरवरी में रूस द्वारा हमलों की शुरुआत के बाद से नियमित अंतराल पर रूसी सीमा से सटे क्षेत्रों में ड्रोन हमले होते रहे हैं। पिछले महीने ऐसे हमलों की संख्या बढ़ गई। इस महीने के आरंभ में क्रास्नोडार में तेल रिफाइनरी पर लगातार दो दिन ड्रोन से हमले किए गए। इससे पहले, यूक्रेन ने कीव पर रूस के भीषण हवाई हमलों को नाकाम करते हुए सभी मिसाइलों को गिरा दिया था। इस बीच, निप्रोपेत्रोव्स्क प्रांत की क्षेत्रीय राजधानी दिनप्रो में शुक्रवार को मिसाइल हमले में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। प्रांत के गवर्नर सेरही लिसाक ने कहा कि जो तीन लोग लापता थे, उनकी मौत की पुष्टि हो गई है। इस हमले में दो बच्चों समेत 32 लोग घायल हुए थे।

माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले भारतीय मूल के लापता पर्वतारोही का पता नहीं लग सका

सिंगापुर। खोज और बचाव दल 19 मई को माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले भारतीय मूल के लापता पर्वतारोही का अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद पता नहीं लगा पाया है। पर्वतारोही की पत्नी ने शनिवार को इंस्टाग्राम पोस्ट में यह जानकारी दी। द स्ट्रेट टाइम्स ने पोस्ट के हवाले से लिखा कि विभिन्न पर्वतों की चोटियों पर पहुंचने पर ली गई अपने पति श्रीनिवास सैनी दत्तात्रेय की तस्वीरें साझा करते हुए 36 वर्षीय संगीतकार सुषमा सोमा ने कहा, वह 39 वर्ष के थे और उन्होंने अपना गौरवशाली व समृद्ध जीवन पूरी निडरता और सकारात्मकता से जिया। श्रीनिवास 19 मई को माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचे थे। उन्होंने इसके बाद अपनी पत्नी को एक संदेश भेजा था, जिसमें उन्होंने बताया था कि वह एवरेस्ट की चोटी पर पहुंच गए हैं। उन्हें सेरेब्रल ओडेमा हुआ है ।

विवक न्यूज़

तुर्किए में राष्ट्रपति चुनावः एर्दोआन और प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी केलिचडारोहलू के बीच मुकाबला

अंकारा। तुर्किए में आम चुनाव के दूसरे दौर के लिए रविवार को मतदान संपन्न हो गया। इस बार का मतदान यह फैसला करेगा कि लंबे समय से देश की सत्ता पर काबिज राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन का निरंकुशतावादी शासन जारी रहेगा या फिर अधिक लोकतांत्रिक समाज बहाल करने का वादा करने वाले उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी कमाल केलिचडारोहलू उन्हें सत्ता से हटा देंगे। देश में 14 मई को हुए पहले दौर के मतदान के बाद किसी भी उम्मीदवार को चुनाव जीतने के लिए जरूरी बहुमत नहीं मिल पाया था। मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ। तुर्किए में एग्जिट पोल नहीं होते, लेकिन पांच बजे शाम मतदान संपन्न होने के कुछ ही घंटे के अंदर प्रारंभिक परिणाम सामने आने की उम्मीद है। इस चुनाव में छह करोड़ 40 लाख से अधिक मतदाता मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए पात्र थे। इस्तांबुल में अपना वोट डालने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने कहा कि यह तुर्की के इतिहास में पहला राष्ट्रपति चुनाव है जिसमें दूसरे दौर का मतदान हो रहा है। एर्दोआन ने पहले दौर में उच्च मतदान प्रतिशत की तारीफ की और कहा कि उन्हें रविवार को फिर से बड़ी संख्या में लोगों के मतदान करने की उम्मीद है। 74 वर्षीय पूर्व नौकरशाह केलिचडारोहलू ने दूसरे दौर के मतदान को देश के भविष्य के लिहाज से एक जनमतसंग्रह के रूप में वर्णित किया। एर्दोआन पिछले 20 साल से तुर्किए की सत्ता पर काबिज है। पहले दौर के मतदान में जीत के लिए आवश्यक बहुमत से कुछ अंतर से चूक गए एर्दोआन के दूसरे दौर में जीत हासिल करने का अनुमान जताया जा रहा है। पहले चरण में एर्दोआन अपने प्रतिद्वंद्वी केलिचडारोहलू से चार प्रतिशत अंकों से आगे रहे थे।

सूडान के सैन्य शासक ने संयुक्त राष्ट्र में देश के राजदूत को हटाने का अनुरोध किया

काहिरा। सूडान के सैन्य शासक अब्देल फत्तेह बुरहान ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस को पत्र लिखकर संयुक्त राष्ट्र में तैनात सूडानी राजदूत वोल्कर पर्थेस को हटाने का अनुरोध किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के प्रवक्ता ने कहा कि गुतारेस ने इस पत्र पर हैरानी जताई है। पर्थेस सूडान में एक मुख्य मध्यस्थ रहे है। उन्होंने देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम करने के प्रयासों और फिर पिछले महीने सैन्य प्रतिद्वंद्वियों के बीच तनाव बढ़ने के बाद शुरू हुई लड़ाई के समय मध्यस्थ अहम भूमिका निभाई। सूडान में सेना प्रमुख बुरहान के सैनिकों और जनरल मोहम्मद हमदान डागालो के नेतृत्व वाले शक्तिशाली अर्धसैनिक समूह रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच लड़ाई छिड़ी हुई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव को शुक्रवार को बुरहान का पत्र मिला। संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, संयुक्त राष्ट्र महासचिव उन्हे मिले पत्र से स्तब्ध है। उन्हे वोल्कर पर्थेस द्वारा किए गए कार्यों पर गर्व है और वह उनमे पूर्ण विश्वास करते है। दुजारिक ने पत्र में लिखी बाते उजागर नही की। सूडान के एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि बुरहान के पत्र में गुतारेस से पर्थेस को हटाने का अनुरोध किया गया है, जिन्हे 2021 मे पद पर नियुक्त किया गया था। अधिकारी के अनुसार, बुरहान ने पर्थेस पर पक्षपातपूर्ण होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके दृष्टिकोण ने जनरलों और लोकतंत्र समर्थक आंदोलनकारियों के बीच युद्ध से पहले हुई वार्ता में संघर्ष को भड़काने का काम किया थ। उस वार्ता का उद्देश्य देश मे लोकतंत्र बहाल करना था, जो अक्टूबर 2021 मे हुए सैन्य तख्तापलट के कारण पटरी से उतर गया था।

पाकिस्तान में पुलिस ने पंजाब प्रांत से टीटीपी के नौ आतंकवादियों को गिरफ्तार किया

लाहौर। पाकिस्तान की पुलिस ने रविवार को 12 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया, जिनमे से नौ आतंकवादियो का संबंध प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) संगठन से है। ए आतंकवादी लाहौर और पंजाब प्रांत समेत देश के अन्य हिस्सों में संवेदनशील प्रतिष्ठानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे। पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने पिछले सप्ताह पंजाब प्रांत के विभिन्न हिस्सों में 54 खुफिया-आधारित अभियान चलाए। इसके बाद, उन्होंने 12 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया, जिनमे से नौ टीटीपी के सक्रिय सदस्य है, दो सिपाह-ए-सहाबा पाकिस्तान (एसएसपी) और एक आतंकवादी इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से जुड़ा हुआ था। सीटीडी अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादी लाहौर और पंजाब प्रांत के अन्य हिस्सो मे संवेदनशील प्रतिष्ठानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे। अधिकारियो ने बताया कि अभियान के दौरान पुलिस ने इन आतंकवादियो के पास से चार किलोग्राम विस्फोटक, एक आत्मघाती जैकेट, एक हथगोला, आठ डेटोनेटर, बारह फुट सुरक्षा फ्यूज तार, 9.28 फुट का प्राइमा कार्ड, चार पिस्तौल, 20 गोलियां और प्रतिबंधित पर्चे बरामद किए। गौरतलब है कि हाल के समय मे पाकिस्तान मे टीटीपी के आतंकवादियो ने कई हमलो को अंजाम दिया है।

दुनिया के सबसे भयानक पशु रोग से दुनियाभर में मेंढकों की आबादी हो रही है नष्ट

न्यूकैसल । दुनिया के सबसे भयानक पशु रोग से दुनियाभर मे मेढको की मौत हो रही है। एक घातक कवक रोग से पिछले 40 वर्षों से दुनियाभर मे मेढको की आबादी नष्ट हो रही है और इस वजह से 90 प्रजातियो का सफाया हो गया है। वैश्विक कोविड-19 महामारी के विपरीत, आप शायद इस पैजूटिक के बारे मे नही जानते होंगे। यह जानवरो की दुनिया मे एक महामारी की तरह है। यह दुनिया की सबसे खराब वन्यजीव बीमारी है। हाल मे जर्नल ट्रांसबाउंड्री एंड इमर्जिंग डिसीज मे प्रकाशित, एक बहुराष्ट्रीय अध्ययन ने अब इस बीमारी के सभी ज्ञात स्वरूपों का पता लगाने के लिए एक विधि विकसित की है, जो ऐम्फिबियन काइट्रिड फंगस के कारण होता है। यह सफलता व्यापक रूप से उपलब्ध इलाज की दिशा मे काम करते हुए इस बीमारी का पता लगाने और शोध करने की हमारी क्षमता को आगे बढ़ाएगी। काइट्रिडिओमाइकोसिस या काइट्रिडै के कारण 500 से अधिक मेढक प्रजातियो की संख्या मे गिरावट आई है और ऑस्ट्रेलिया मे सात प्रजातियो सहित 90 प्रजातियो के विलुप्त होने की आशंका है। अत्यधिक मृत्यु दर और प्रभावित प्रजातियों की अधिक संख्या, स्पष्ट रूप से काइट्रिड को अब तक ज्ञात सबसे घातक पशु रोग बनाती है। काइट्रिड मेंढकों की त्वचा मे प्रजनन करके उन्हे संक्रमित करता है। एक कोशिकीय कवक एक त्वचा कोशिका मे प्रवेश करता है, और फिर जानवर की सतह पर वापस आ जाता है।

अपने गठन के 27 साल बाद सबसे मुश्किल वक्त का सामना कर रही है इमरान की पार्टी

लाहौर। क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी अपने गठन के 27 साल बाद सबसे मुश्किल समय का सामना कर रही है। इस महीने की शुरुआत मे, सैन्य प्रतिष्ठानो पर हुए हमलो के मद्देनजर पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली मौजूदा गठबंधन सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी पर पाबंदी लगाए जाने की संभावना है। सैन्य प्रतिष्ठानो द्वारा समर्थित एवं मुख्यधारा के दल--पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम पाकिस्तान-फजल (जेयूआई-एफ)--चरमपंथ और हिंसा को बढ़ाने देने को लेकर इमरान की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष मे है। रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ पहले ही संकेत दे चुके है कि सत्तारूढ़ गठबंधन इमरान की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने के लिए संसद मे जल्द ही एक प्रस्ताव लाएगा। आसिफ ने पत्रकारो से कहा, संघीय सरकार के सभी गठबंधन सहयोगियों को इस मुद्दे पर एकजुट किया जाएगा। इमरान ने 25 अप्रैल 1996 को लाहार मे पार्टी का गठन किया था, जो अब तक के सबसे मुश्किल समय का सामना कर रही है।

पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में हिमस्खलन से 10 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में शनिवार को हिमस्खलन की घटना मे कम से कम 10 लोगो की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि गिलगित-बाल्टिस्तान के अस्तोर जिले के शंटर टॉप इलाके मे हुए हिमस्खलन मे जान गंवाने वाले 10 लोगों में तीन महिलाएं शामिल है। स्थानीय लोगो की मदद से बचाव अभियान शुरू किया गया। बाद में पाकिस्तानी सेना के जवान भी बचाव अभियान मे शामिल हो गए। गिलगित-बाल्टिस्तान के प्रमुख सचिव मोहिउद्दीन वानी ने हिमस्खलन की घटना की पुष्टि की और कहा कि प्रभावित क्षेत्र मे बचाव दल काम कर रहे है। गिलगित-बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री खालिद खुर्शीद खान ने हिमस्खलन में लोगो की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होने स्थानीय अधिकारियों को बचाव अभियान मे तेजी लाने का निर्देश भी दिया।

पाकिस्तान में 6.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कई हिस्सो मे रविवार सुबह 6.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया जिससे दहशत फैल गई और लोगो को अपने घरो से बाहर निकलने को मजबूर होना पड़ा। इस्लामाबाद स्थित राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान का सीमावर्ती क्षेत्र था और यह 223 किलोमीटर की गहराई में आया, जिसके चलते इसके विनाशकारी प्रभाव नही हुए। इस्लामाबाद, पेशावर, स्वात, हरिपुर, मलकंद, एबटाबाद, बाटग्राम, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर, टेक्सलिया, पिंड दादान खान और देश के कई अन्य हिस्सो मे भूकंप के झटके महसूस किए गए। अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नही मिली है।

कुवैत में सड़क दुर्घटना में भारतीय प्रवासी भी शामिल

दुबई। कुवैत के अल खलीज अल अरबी मार्ग पर हिट एंड रन दुर्घटना मे घायल हुए 15 एशियाई लोगो मे प्रवासी भारतीय भी शामिल है। एक मीडिया रिपोर्ट मे रविवार को यह जानकारी दी गई। खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दुर्घटना शुक्रवार को कुवैत शहर मे उस वक्त हुई जब फिलिपिनो साइकिलिंग ग्रुप का एक दल खेल का अभ्यास करने के लिए इकट्ठा हुआ था और बाद मे इस दल मे भारतीय साइकिल चालक भी शामिल हुए, जैसे ही चालको का दल मुख्य सड़क पर साइकिल चलाते हुए पहुंचा तभी एक वाहन उन्हे टक्कर मारते हुए वहां से निकल गया। रिपोर्ट मे कहा गया है, अल खलीज अल अरबी मार्ग पर हुई दुर्घटना मे एशियाई साइकिल चालको के एक समूह को गंभीर चोटें आईं, इस दल मे भारतीय प्रवासी भी शामिल थे जो मुख्य सड़क पर साइकिल चला रहे थे। वाहन चालक, साइकिल चालकों को टक्कर मारकर नीचे गिराने के बाद तुरंत फरार हो गया। पुलिस आरोपी चालक को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल कर रही है।

ओमान के सुल्तान दो दिवसीय दौरे पर ईरान पहुंचे

तेहरान। ओमान के सुल्तान ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ वार्ता के लिए रविवार को तेहरान पहुंचे। सरकारी टेलीविजन की एक खबर के अनुसार राजधानी के सादाबाद पैलेस में रईसी ने सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सैद का आधिकारिक स्वागत किया। सुल्तान की यात्रा ईरानी राष्ट्रपति के आधिकारिक निमंत्रण के बाद हो रही है। यह उनकी पहली ईरान यात्रा है। ईरानी टेलीविजन ने कहा कि सुल्तान हैथम ने एक बड़े प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया जिसमें रक्षा विभाग, विदेश विभाग और अर्थव्यवस्था एवं निवेश मामलो के मंत्री शामिल हैं। सरकारी समाचार एजेंसी इरना की खबर के अनुसार ईरानी राजधानी में ओमान के शासक के प्रवास के दौरान निवेश, तेल और गैस के मुद्दो पर चर्चा की जाएगी।

कनाडा-अमेरिका सीमा पर चार भारतीयों के शव मिलने के मामले में आरोपी ने खुद को बेकसूर बताया

ह्यूस्टन (अमेरिका)। फ्लोरिडा के एक व्यक्ति ने पिछले साल कनाडा-अमेरिका सीमा से कुछ ही कदम की दूरी पर भारतीय परिवार के चार सदस्यों के मृत पाए जाने से संबंधित मामले में मानव तस्करी का आरोप स्वीकार करने से इनकार कर दिया है और खुद को बेकसूर बताया है। ग्रैंड फोर्क्स हेराल्ड समाचार पत्र की खबर के अनुसार, स्टीव शैंड (48) पर जनवरी 2022 में कड़ाके की ठंड के दौरान भारत से प्रवासियों को अवैध रूप से अमेरिका लाने का आरोप है। मिनेसोटा के मजिस्ट्रेट न्यायाधीश लियो ब्रिस्बोइस ने शैंड से पूछा कि वह इन आरोपों पर क्या कहेंगे तो उसने कहा, मैं ए आरोप स्वीकार नहीं करता। शैंड को जनवरी 2022 में उत्तरी मिनेसोटा के एक सुदूर इलाके में गिरफ्तार किया गया था। कनाडा प्रेस समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार मैनिटोबा में कनाडा-अमेरिका सीमा से लगभग 12 मीटर की दूरी पर रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) को चार लोगों के शव मिले थे।

पाकिस्तान के सत्तारूढ़ गठबंधन ने इमरान खान के बातचीत के प्रस्ताव को ठुकराया

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सत्तारूढ़ गठबंधन ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बातचीत के प्रस्ताव को यह कहते हुए खारिज कर दिया है कि वार्ता आतंकवादियों से नहीं, बल्कि राजनेताओं से होती है। मीडिया की एक खबर में रविवार को यह जानकारी दी गई है।समाचार पत्र द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार सरकार ने यह भी कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख खान अब खुद राष्ट्रीय सुलह अध्यादेश (एनआरओ) की मांग कर रहे हैं।खान ने सरकार के साथ बातचीत करने के लिए सात सदस्ईय एक दल का गठन किया है। इसके बाद यह घटनाक्रम सामने आया है।नौ मई के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद शुरू की गई कार्वाई से पीटीआई के अस्तित्व को लेकर खतरा पैदा हो गया है। इसके बाद से कई प्रमुख नेता पीटीआई को छोड़ चुके हैं। पार्टी छोड़ने वाले प्रमुख नेताओं में महासचिव असद उमर, वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी और पूर्व मंत्री शिरीन मजारी शामिल हैं। अर्धसैनिक रेंजरों द्वारा खान को नौ मई को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से गिरफ्तार किए जाने के बाद हिंसक विरोध शुरू हो गया था। उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने खान की गिरफ्तारी के विरोध में लाहौर कोर कमांडर हाउस, मियांवाली एयरबेस और फैसलाबाद में आईएसआई भवन सहित 12 सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की थी। भीड़ ने पहली बार रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर भी हमला किया था। वार्ता की पेशकश पर प्रतिक्रिया देते हुए, सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सर्वोच्च नेता नवाज शरीफ ने ट्विटर पर कहा कि बातचीत केवल राजनेताओं के साथ होती है। उन्होंने कहा, शहीदों के स्मारक जलाने और देश को आग लगाने वाले आतंकवादियों और तोड़फोड़ करने वालों के समूह से कोई बातचीत नहीं होगी। सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने एक बयान में कहा, देश पर हमला करने वालों को दंडित किया जाता हैअ उनके साथ बातचीत नहीं की जाती है। मरियम ने कहा कि शहीदों के स्मारक में तोड़फोड़ करने वालों से बातचीत करना शहीदों का अपमान है। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस, अस्पतालों और स्कूलों को जलाने तथा युवाओं के दिमाग में जहर घोलने के बाद खान बातचीत चाहते हैं।

इमरान की पार्टी फर्जी छापे की साजिश रच रही, टैपिंग से उजागर हुआ मामलाः पाकिस्तान के मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने दावा किया है कि खुफिया एजेंसियों ने फोन टैपिंग मे एक बातचीत को उजागर किया है जिससे संकेत मिलता है कि इमरान खान की पार्टी कानून लागू करने वाले अधिकारियों को बदनाम करने की साजिश रच रही है। सनाउल्लाह ने आरोप लगाया कि इस कदम का उद्देश्य कानून लागू करने वाली एजेंसियों को अपराध मे झूठा फंसाना और बाद में इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उछालना था। गृह मंत्री ने दावा किया, देश की एजेंसियो ने टैपिंग मे एक बातचीत को उजागर किया जिससे पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेता के घर पर छापा मारने और बलात्कार का फर्जी मामला गढ़ने सहित साजिशों का खुलासा हुआ है। हालांकि, सनाउल्लाह ने अपने दावों के पक्ष में कोई सबूत नही दिया। खान ने रविवार को सनाउल्लाह पर पलटवार करते हुए कहा कि मंत्री साफ तौर पर मीडिया मे आने वाली खौफनाक कहानियों को छिपाने की कोशिश कर रहे है। खान ने ट्वीट किया, अगर जेलो में महिलाओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार को लेकर कोई संदेह था तो इस प्रमाणित अपराधी के इस संवाददाता सम्मेलन से ऐसी सभी शंकाएं दूर हो जानी चाहिए। उन्होंने कहा, शासन द्वारा महिलाओं के साथ कभी भी इतना दुर्व्यवहार और उत्पीड़न नही किया गया जितना कि इस फासीवादी सरकार द्वारा किया गया जब वे शांतिपूर्वक विरोध करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर रही थी।

लक्ष्यों का पता लगाने में सक्षम दूरबीन एफआरबी से जुड़े रहस्यों की गुत्थी सुलझा सकती

पर्थ। खगोलविद तीव्र रेडियो प्रस्फोट (एफआरबी) के आकाशगंगा संबंधी वातावरण को बेहतर ढंग से समझने का प्रयास कर रहे हैं। एफआरबी, अज्ञात कारणों से उत्पन्न एक बहुत अधिक ऊर्जावान खगोल भौतिकीय परिघटना होती है, जिसमें बहुत-ही क्षणिक समय के लिए एक रेडियो संकेत प्रकट होता है। यह औसतन कुछ मिलीसैकंड के लिए ही जारी रहते हैं। अब, एक ही आकाशगंगा में धीमी गति से चलने वाली, तारा बनाने वाली गैस का एक एफआरबी संबंधी अध्ययन द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। यह एक ही आकाशगंगा का वर्णन करने वाले खगोल विज्ञान के दो पूरी तरह से अलग क्षेत्रों पर अब तक का चौथा प्रकाशन है। इससे भी अधिक उल्लेखनीय तथ्य यह है कि एक ही दूरबीन ने इस खोज को संभव बनाया। ब्रह्मांड को बनाने वाले पदार्थों की जांच के जरिए ब्रह्मांड का अध्ययन करने के लिए एफआरबी बेहद उपयोगी हैं। यहां तक कि ब्रह्मांड का कितना विस्तार हो रहा है इसे मापने के लिए भी एफआरबी उपयोगी हैं। हालांकि, एफआरबी की उत्पत्ति खगोलविदों के लिए एक पहेली बनी हुई है। कुछ एफआरबी दोहराने के लिए जाने जाते हैं, कभी-कभी एक हजार बार से भी ज्यादा, जबकि कई एफआरबी का केवल एक बार पता चल पाता है। क्या इन दोहराए जाने वाले या नहीं दोहराए जाने वाले संकेतों की उत्पत्ति अलग-अलग तरीके से हुई हैं, वर्तमान में कई शोध समूहों द्वारा इसकी पड़ताल की जा रही है। यह एफआरबी का अध्ययन करने को लेकर रोमांचक समय है, जैसा कि एक गुरुत्वाकर्षण तरंग और एक एफआरबी के बीच संबंध को हाल के अध्ययन द्वारा दिखाया गया है। इसका मतलब है कि एक ब्लैक होल बनाने के लिए विलय करने वाले दो न्यूट्रॉन सितारे कम से कम कुछ एफआरबी का निर्माण कर सकते हैं।हालांकि, यह तय करना मुश्किल है कि वास्तव में एफआरबी की उत्पत्ति कहां से होती है। ए बेहद चमकीले और क्षणिक होते हैं इसलिए कई रेडियो दूरबीनों के लिए एक सटीक स्थिति का पता लगाना कठिन है। यह जाने बिना कि ए विस्फोट कहां से उत्पन्न होते हैं, हम उन आकाशगंगाओं का अध्ययन नहीं कर सकते जिनमें वे पाए जाते हैं। साथ ही जिस वातावरण में एफआरबी बनते हैं, उसे जाने बिना हम उनके रहस्यों को पूरी तरह से सुलझा नहीं सकते।

दक्षिण कोरिया : उड़ान के दौरान आपातकालीन निकास द्वार खोलने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

सियोल। दक्षिण कोरिया में उड़ान के दौरान आपातकालीन निकास द्वार खोलने वाले एक व्यक्ति को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। विमानन सुरक्षा कानून का उल्लंघन करने के आरोप में उसे 10 साल तक की कैद हो सकती है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह घटना शुक्रवार को हुई। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान 33 वर्षीय व्यक्ति ने जांच अधिकारियों को बताया कि उसे घुटन महसूस हुई और उसने विमान से जल्दी से उतरने की कोशिश की। एशियाना एयरलाइंस एयरबस की उड़ान ए321-200 का दरवाजा खोलने की घटना के बाद 12 लोग मामूली रूप से घायल हो गए। दरवाजा खोले जाने से केबिन के अंदर हवा का तेज झोंका आया। घटना से यात्रियों में दहशत फैल गई। जिन लोगों को अस्पतालों में ले जाया गया, उनका मुख्य रूप से सांस लेने में कठिनाई जैसी छोटी-मोटी समस्याओं के लिए इलाज किया गया। कुछ यात्रियों ने शिकायत की है कि उन्हें कान में तेज दर्द हुआ। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में कुछ यात्री चिल्लाते और रोते हुए दिखे। आम तौर पर, विमान के अंदर और बाहर हवा के दबाव में अंतर के कारण आपातकालीन निकास द्वार को उड़ान के बीच में नहीं खोला जा सकता है। एशियाना एयरलाइंस के अधिकारियों के अनुसार, व्यक्ति शायद दरवाजा इसलिए खोलने में सफल रहा क्योंकि विमान उतरने की तैयारी करते समय कम ऊंचाई पर उड़ रहा था और दबाव में ज्यादा अंतर नहीं था।

दृश्यम 2 सर्वश्रेष्ठ फिल्म, आलिया व रितिक सर्वश्रेष्ठ कलाकार

● आइफा अवार्ड्स 2023

भाषा। अबू धाबी

अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार (आइफा) में अजय देवगन अभिनीत फिल्म दृश्यम 2 ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार अपने नाम किया। आलिया भट्ट और ऋतिक रोशन को क्रमशः सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला।

हिंदी फिल्मों का यह सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार समारोह हर साल किसी विदेशी स्थल पर आयोजित किया जाता है। इस साल इसे एतिहाद एरिना में आयोजित किया गया जो यास द्वीप पर यास बे वाटरफ्रंट का हिस्सा है। फिल्म दृश्यम 2 इसी नाम की मलयालम फिल्म का रीमेक है। इसे सर्वश्रेष्ठ एडेप्टेड स्टोरी का पुरस्कार भी मिला। आलिया भट्ट ने इस साल पुरस्कार समारोह में शिरकत नहीं की। उन्हें संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में उनकी अदाकारी के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। वहीं, रितिक रोशन को एक्शन-थ्रिलर फिल्म विक्रम वेधा के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। किरदार निभाने का मौका देने के लिए निर्देशक जोड़ी पुष्कर और गायत्री का शुक्रिया अदा करते हुए रोशन ने कहा, मैं कई वर्षों से वेधा को जी रहा हूं। यह सब यहीं अबू धाबी में शुरू हुआ। मैंने वेधा के किरदार की शूटिंग यहीं से शुरू की थी। ऐसा लगता है कि मेरे लिए जीवन चक्र पूरा हुआ। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अभिनीत ब्रह्मास्त्र: पार्ट वन शिव ने इस साल सबसे अधिक पुरस्कार अपने नाम किए। फिल्म के लिए श्रेया घोषाल को सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका, अरिजीत सिंह को सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक, अमिताभ भट्टाचार्य को सर्वश्रेष्ठ गीतकार और मौनी रॉय को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। अभिनेता अनिल कपूर को फिल्म जुगजग जीयो के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार मिला। अभिनेता आर. माधवन को बतौर निर्देशन उनकी पहली फिल्म रॉकेट्री: द नंबी इफेक्ट के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला। परवेज शेख और जसमीत रीन ने डार्लिंग्स के लिए सर्वश्रेष्ठ मौलिक कहानी का पुरस्कार जीता। दिवंगत बॉलीवुड अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान को फिल्म कला सर्वश्रेष्ठ डेब्यू (पर्दापण) अभिनेता का पुरस्कार मिला। उन्होंने गंगूबाई काठियावाड़ी के अभिनेता शांतनु माहेश्वरी के साथ यह पुरस्कार साझा किया। अभिनेत्री खुशाली कुमार को धोखा अराउंड द कॉर्नर के लिए सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। समारोह में संगीतकार ए. आर. रहमान ने आइफा पुरस्कार में सिनेमा जगत के जाने माने कलाकार कमल हासन को आउटस्टैंडिंग अचीवमेंट इन इंडियन सिनेमा पुरस्कार से सम्मानित किया। हासन ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए कहा, मैं सिनेमा में जन्मा और सिनेमा में ही पला-बढ़ा हूं। मैं पिछले साढ़े तीन दशक से इसका हिस्सा हूं। फिर भी मुझे हमेशा लगता है कि मुझे अभी और बहुत कुछ करना है। मुझे वापस जाकर अभी और काम करना है। समारोह में सलमान खान, वरुण धवन, जैकलिन फर्नांडीज, नोरा फतेही और रकुल प्रीत सिंह ने अपनी प्रस्तुतियों से चार चांद लगाए। खान ने आज की पार्टी , सिटी मार , आजा सोनिए और जुम्मे की रात है जैसे गीतों पर प्रस्तुति दी।

वैश्विक मंच पर भारतीयता को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है : सारा अली खान

अबू धाबी। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान (27) ने कहा कि भारत कई भाषाओं, भावनाओं के साथ-साथ सांस्कृतिक रूप से भी एक समृद्ध देश है और कान फिल्म महोत्सव जैसे वैश्विक मंच पर इसका प्रचार करना महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार (आइफा) समारोह के दौरान उन्होंने इस बात का जिक्र किया। केदारनाथ , सिंबा और अतरंगी रे जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय करने वाली सारा ने इस महीने की शुरुआत मे कान फिल्म महोत्सव के 76वें संस्करण में भी शिरकत की थी। सारा ने आइफा अवार्ड समारोह के दौरान पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे लगता है कि भारतीयता को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। हम सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश है। हमारे पास इतनी सारी भाषाएं, भावनाएं और इतनी विविधताएं है और मुझे वैश्विक मंच पर इन चीजो के बारे मे बात करने पर गर्व है।

सार्वजनिक सूचना

एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि मेरी मुवक्किल ललिता वर्मा पुत्री अशोक कुमार वर्मा निवासी डी.डी.ए. फ्लैट नंबर 7 सी, हर्ष अपार्टमेंट्स, पॉकेट-1, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075, ने अपना नाम ललिता वर्मा से बदलकर तानिया वर्मा कर लिया है। सनद रहें कि, ललिता वर्मा अब से तानिया वर्मा के नाम से जानी जाएगी।

PREM PRAKASH (ADVOCATE)
Legalpath Competent Lawyers LLP
207, Plot-1, MLU Sector-10, Dwarka,
New Delhi-75 Phone:9871268399

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mr. Ravinder Kumar who is purchasing the Plot area measuring 170 Sq. Yds., out of Khasra No.393, situated at Khodna Kala, Paragna & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar (U.P.); from Mr. Anil Kumar, who is one of the owners of the land admeasuring 1.0130 Hectare, carved out of Khasra No.393 vide Khatoni starting from fasli year 1401 i.e., 1991 as per records of revenue; and same to be finance & mortgage by Ummeed Housing Finance Private Limited. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim / right / title / interest / creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Lucem Legal LLP Plot no.136, (Basement)
Uday Park, New Delhi-110049
Contact # 011-40046316

युवा संगम देश की विविधता को बढ़ावा देने वाला कार्यक्रम : मोदी

मन की बात

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिक्षा मंत्रालय के युवा संगम कार्यक्रम की सराहना करते हुए रविवार को कहा कि यह शानदार पहल देश की विविधता और लोगों के बीच के संपर्क को बढ़ावा देने वाली है। उन्होंने मन की बात कार्यक्रम की 101वीं कड़ी में युवा संगम कार्यक्रम का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की शक्ति इसकी विविधता में है। हमारे देश में देखने के लिए बहुत कुछ है। इसी को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने युवा संगम नाम से एक बेहतरीन पहल की है। इस पहल का उद्देश्य लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के साथ ही देश के युवाओं को आपस में घुलने-मिलने का मौका देना है। विभिन्न राज्यों के उच्च शिक्षा संस्थानों को इससे जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि युवा संगम में युवा दूसरे राज्यों के शहरों और गावों में जाते हैं, उन्हें अलग-अलग तरह के लोगों के साथ मिलने का मौका मिलता है। प्रधानमंत्री ने बताया कि युवा संगम के पहले चरण में लगभग 1200 युवा, देश के 22 राज्यों का दौरा कर चुके हैं। उनका कहना था, जो भी युवा इसका हिस्सा बने हैं, वे अपने साथ ऐसी यादें लेकर वापस लौट रहे हैं, जो जीवनभर उनके हृदय में बसी रहेंगी। हमने देखा है कि कई बड़ी कंपनियों के सीईओ, कारोबारी नेताओं ने बैग पैकर्स की तरह भारत में समय गुजारा है। मैं जब दूसरे देशों के नेताओं से मिलता हूं, तो कई बार वो भी बताते हैं कि वो अपनी युवावस्था में भारत घूमने के लिए आए थे। युवा संगम कार्यक्रम में भाग लेने वाले कुछ युवाओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने संवाद भी किया। इस दौरान इन युवाओं ने अपने अनुभव साझा किए। मोदी ने कहा, हमारे भारत में इतना कुछ जानने और देखने के लिए है कि आपकी उत्सुकता हर बार बढ़ती ही जाएगी। मुझे उम्मीद है कि इन रोमांचक अनुभवों को जानकर आप भी देश के अलग-अलग हिस्सों की यात्रा के लिए जरूर प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा, कुछ दिन पहले ही मैं जापान में हिरोशिमा में था। वहां मुझे हिरोशिमा शांति स्मारक संग्रहालय में जाने का अवसर मिला। यह एक भावुक कर देने वाला अनुभव था। जब हम इतिहास की यादों को संजोकर रखते हैं तो वो आने वाली पीढ़ियों की बहुत मदद करता है। प्रधानमंत्री ने भारत के कई संग्रहालयों का उल्लेख करते हुए कहा, कई बार संग्रहालय में हमें नए सबक मिलते हैं तो कई बार हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। मोदी ने कहा, कुछ दिन बाद 4 जून को संत कबीरदास जी की भी जयंती है। कबीरदास जी ने जो मार्ग हमें दिखाया है, वो आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

मोदी ने तेलुगू फिल्मों के मशहूर अभिनेता और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन टी रामाराव की 100वीं जयंती के अवसर पर उन्हें याद किया। प्रधानमंत्री ने कहा, एनटीआर अपनी बहुमुखी प्रतिभा के बल पर न सिर्फ तेलुगू सिनेमा के महानायक बने, बल्कि उन्होंने, करोड़ो लोगों का दिल भी जीता। देश-दुनिया में लाखों लोगों के दिलों पर राज करने वाले एन.टी. रामाराव जी को मैं अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर विशेष स्मारक डाक टिकट, 75 रुपए का सिक्का जारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर एक विशेष स्मारक डाक टिकट और 75 रुपए का सिक्का जारी किया। उन्होंने नए संसद भवन के लोकसभा कक्ष में आयोजित उद्घाटन समारोह में सिक्का और डाक टिकट जारी किया।केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सिक्के का वजन 34.65 ग्राम से 35.35 ग्राम के बीच होगा।अधिसूचना में कहा गया कि सिक्के के एक तरफ बीच में अशोक स्तंभ की छवि होगी, जिसके एक ओर देवनागरी लिपि में भारत जबकि दूसरी ओर अंग्रेजी में इंडिया लिखा होगा।

नए संसद भवन में गूंजा मोदी-मोदी

नई दिल्ली। नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद लोकसभा में आयोजित समारोह में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रवेश करने से पहले ही पूरा कक्ष तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ही मोदी-मोदी, भारत माता, जय श्रीराम और हर-हर महादेव के नारों से गूंज उठा। प्रवेश द्वार से मोदी के आगमन से लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के साथ मंच पर उनके पहुंचने तथा समारोह की औपचारिक शुरुआत होने तक तालियों की गड़गड़ाहट जारी रही। कक्ष के अंदर दो बड़े स्क्रीन थे, जिन पर मोदी के आगमन का सीधा प्रसारण हो रहा था। प्रधानमंत्री ने जैसे ही कक्ष में कदम रखा तो इस दौरान कुछ सदस्यों ने शिवाजी महाराज की जय के नारे भी लगाए। मंच की ओर बढ़ते समय मोदी ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा सहित कई गणमान्य लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान सभी सदस्य अपने स्थानों पर खड़े होकर तालियां बजा रहे थे। देवगौड़ा सबसे पहले पहुंचने वाले वरिष्ठ नेताओं में शामिल थे। वह व्हीलचेयर पर आए थे। वह पहली पंक्ति में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के साथ बैठे थे। उनकी बाईं तरफ पहली पंक्ति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा और राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल एकसाथ बैठे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नगालैंड के उनके समकक्ष नेफ्यू रियो, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और हरियाणा के उनके समकक्ष मनोहर लाल खट्टर तथा असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा गुजरात के अपने समकक्ष भूपेंद्र पटेल और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ पहली पंक्ति में बैठे नजर आए। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी भी पहली पंक्ति में बैठे नजर आए। लाल साड़ी में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पीली साड़ी में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक साथ कक्ष में प्रवेश किया। ईरानी ने महाजन और जोशी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। योगी आदित्यनाथ और अमित शाह ने भी उनका कुशलक्षेम पूछा। आदित्यनाथ और शाह के कक्ष में पहुंचते ही बड़ी संख्या में संसद सदस्य और गणमान्य लोग उनके पास पहुंचे और उनका अभिवादन किया। कई सांसदों को दोनों नेताओं के साथ फोटो खिंचवाते और सेल्फी लेते भी देखा गया। शाह के पहुंचने के बाद जगनमोहन रेड्डी उनके पास आकर बैठ गए और फिर दोनों नेताओं ने कुछ देर चर्चा भी की। बाद में वह निर्मला सीतारमण के साथ चर्चा करते देखे गए। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी त्रिपुरा, मेघालय और सिक्किम के अपने समकक्षों-क्रमशः माणिक साहा, पेमा खांडू और प्रेम सिंह तमांग के साथ दूसरी पंक्ति में बैठे नजर आए। विदेश मंत्री एस जयशंकर सहित कई केंद्रीय मंत्री दूसरी पंक्ति में बैठे दिखे। शिवसेना के शिंदे गुट के सांसद रंगीन पगड़ी पहने हुए सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। मथुरा से भाजपा की सांसद हेमा मालिनी कई महिला सांसदों के साथ बैठी थी। उन्हें भी फोटो और सेल्फी लेते देखा गया। कुछ सदस्यों ने वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों से आग्रह कर समूह में तस्वीरें खिंचवाईं। भाजपा के सांसद वरुण गांधी अपनी मां व पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के साथ पहुंचे और पिछली ओर की एक पंक्ति में दोनों साथ ही बैठे रहे। इस दौरान भाजपा सांसद पूनम महाजन और मेनका गांधी को चर्चा करते देखा गया। प्रधानमंत्री मोदी जब मंच से संबोधन दे रहे थे तब साक्षी महाराज सहित कई सदस्यों को उनका वीडियो बनाते भी देखा गया। मोदी के करीब 35 मिनट के संबोधन के दौरान कमोबेश हर दो लाइन के बाद तालियां बजी और जब उनका संबोधन समाप्त हुआ तो सदस्यों ने खड़े होकर कुछ मिनट तक तालियां बजाईं। संबोधन समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री ने सामने की पंक्ति में बैठे सभी नेताओं से मुलाकात की। वह मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन और देवगौड़ा का हालचाल पूछते भी नजर आए। उन्होंने हाथ हिलाकर और हाथ जोड़कर पीछे की ओर बैठे सदस्यों का भी अभिवादन किया।

भारत माता, जय श्रीराम और हर-हर महादेव के नारे

राहुल को मिला पासपोर्ट आज जाएंगे अमेरिका

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को एक स्थानीय अदालत द्वारा अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी किए जाने के दो दिन बाद रविवार को नया सामान्य पासपोर्ट मिल गया और अब वह सोमवार को अमेरिका रवाना होंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि पासपोर्ट कार्यालय ने भरोसा दिलाया था कि रविवार को पासपोर्ट मिल जाएगा और उन्हें दोपहर के समय पासपोर्ट मिल गया। दिल्ली की एक अदालत ने राहुल गांधी को 10 वर्ष के बजाय तीन वर्ष के लिए सामान्य पासपोर्ट जारी किए जाने के वास्ते गत शुक्रवार को अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी किया था। राहुल गांधी सोमवार शाम अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को के लिए रवाना होने वाले हैं। उनके अमेरिका के कुछ अन्य शहरों में भी कार्यक्रम हैं। आगामी चार जून को वह न्यूयॉर्क में भारतीय मूल के लोगों को संबोधित करेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को गुजरात के सूरत की एक अदालत द्वारा आपराधिक मानहानि के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इसके पश्चात राहुल ने राजनयिक यात्रा दस्तावेज लौटा दिए थे।

ठाणे में मेडिकल छात्र और उसकी नाबालिग बहन की झील में डूबने से मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक गांव में मेडिकल छात्र और उसकी नाबालिग बहन की रविवार को झील में डूबने से मौत हो गई। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एमआईडीसी दमकल केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना डोम्बिवली शहर के दावाड़ी गांव में दोपहर में हुई। उन्होंने बताया कि एमबीबीएस अंतिम वर्ष का छात्र रंजीत खींद्रन (23) और उसकी बहन कीर्ति (16) अपने कुत्ते को नहलाने के लिए झील पर गए थे, तभी वे डूब गए। अधिकारी के मुताबिक, आसपास के लोगों ने शोर मचाया और स्थानीय अग्निशमन दल ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों के शवों को बाहर निकाला। अधिकारी ने कहा कि मृतक उमेश नगर इलाके के निवासी थे और उनके माता-पिता को दुर्घटना के बारे में सूचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस नेता पुत्तरंगशेट्टी ने कर्नाटक विधानसभा का उपाध्यक्ष पद लेने से मना किया

चामराजनगर (कर्नाटक)। कर्नाटक विधानसभा के उपाध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस ने पार्टी के वरिष्ठ नेता सी. पुत्तरंगशेट्टी के नाम को मंजूरी दे दी थी, लेकिन उन्होंने इस पद को स्वीकार करने से रविवार को इनकार कर दिया। मंत्री पद के आकांक्षी विधायक ने कहा कि उन्होंने अपने समर्थकों और मतदाताओं द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर गौर करने के बाद पद को स्वीकार नहीं करने का फैसला किया। पुत्तरंगशेट्टी ने कहा, मैं उपाध्यक्ष का पद स्वीकार नहीं करूंगा। मेरे समर्थकों और मतदाताओं ने मुझे यह कहते हुए इसे स्वीकार नहीं करने को कहा है कि ऐसी स्थिति में मुझ तक उनकी पहुंच सीमित हो जाएगी।

भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं को दर्शाती हैं नए संसद भवन में प्रदर्शित कलाकृतियां

भाषा। नई दिल्ली

अति भव्य नए संसद भवन की दीवारों और गलियारों में प्रदर्शित कलाकृतियां, वैदिक काल से लेकर आज तक भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं की कहानियां बयां करती हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया और ऐतिहासिक राजदंड सेंगोल को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के समीप स्थापित किया। देश में लोकतंत्र के विकास को नए संसद भवन के कांस्टीट्यूशन हॉल में प्रदर्शनियों की एक श्रृंखला के माध्यम से दर्शाया गया है। कांस्टीट्यूशन हॉल , जिसमें भारतीय संविधान की एक डिजिटल प्रति है, में आधुनिकता का स्पर्श है क्योंकि इसमें पृथ्वी के घूर्णन को प्रदर्शित करने के लिए फौकॉल्ट पेंडुलम भी है। मोदी ने कहा, लोकतंत्र केवल भारत में प्रचलित व्यवस्था नहीं है बल्कि यह एक संस्कृति, विचार और परंपरा है। हमारे वेद हमें सभा और समिति के लोकतांत्रिक आदर्शों की शिक्षा देते हैं। हमें महाभारत में गणतंत्र का वर्णन मिलता है। फौकॉल्ट पेंडुलम संविधान हॉल की त्रिकोणीय छत से एक बड़े रोशनदान से लटका हुआ है और ब्रह्मांड के साथ भारत के विचार को दर्शाता है। प्रभावशाली विधाई कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा कक्ष में एक डिजिटल मतदान प्रणाली और अत्याधुनिक ऑडियो-विजुअल प्रणाली की व्यवस्था की गई है। इस भवन में तीन औपचारिक अग्रदीर्घा हैं जहां महात्मा गांधी, चाणक्य, गार्गी, सरदार वल्लभभाई पटेल, बी. आर. आंबेडकर और कोणार्क के सूर्य मंदिर के रथ के पहिए की विशाल पीतल की मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। सार्वजनिक प्रवेश द्वार तीन दीर्घाओं की ओर जाते हैं। संगीत गैलरी जो भारत के नृत्य, गीत और संगीत परंपराओं को प्रदर्शित करती हैअ स्थापत्य गैलरी देश की स्थापत्य विरासत को दर्शाती है और शिल्प गैलरी विभिन्न राज्यों की विशिष्ट हस्तकला परंपराओं को प्रदर्शित करती है। नए संसद भवन में लगभग 5,000 कलाकृतियां है, जिनमें पेंटिंग, पत्थर की मूर्तियां और धातु चित्र शामिल हैं। लोकसभा कक्ष का आंतरिक भाग राष्ट्रीय पक्षी मोर के विषय पर आधारित हैं, जबकि राज्यसभा के कक्ष में राष्ट्रीय फूल कमल को दर्शाया गया है। अधिकारियों के अनुसार उस्ताद अमजद अली खान, पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, उस्ताद बिस्मिल्लाह खान, पंडित रविशंकर सहित प्रख्यात संगीतकारों और उनके परिवार के सदस्यों ने संगीत गैलरी के लिए अपने वाद्य यंत्र दान किए हैं। चार मंजिला संसद भवन का निर्मित क्षेत्र 64,500 वर्गमीटर है और इसमें दो कक्ष हैं - 888 सीट वाली लोकसभा, जिसमें दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के लिए।,272 सदस्य शामिल हो सकते हैं और 384 सीट वाला राज्यसभा कक्ष है। संसद भवन में बरगद का एक पेड़ भी है। नए भवन में छह नए समिति कक्ष और मंत्रिपरिषद के कार्यालयों के रूप में उपयोग के लिए 92 कमरे भी हैं। नए भवन के लिए प्रयुक्त सामग्री देश के विभिन्न भागों से लाई गई है। नए संसद भवन में प्रयुक्त सागौन की लकड़ी महाराष्ट्र के नागपुर से लाई गई।

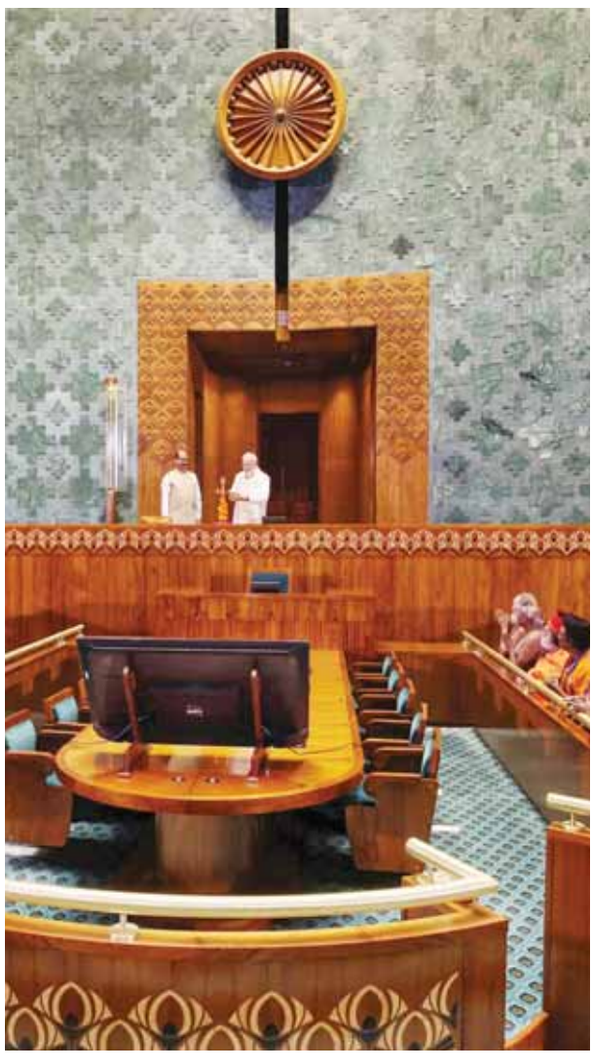

नए संसद भवन में अखंड भारत के भित्ति चित्र की ट्विटर पर लोगों ने सराहना की

नई दिल्ली। नए संसद भवन में एक भित्ति चित्र प्राचीन भारत के प्रभाव को दर्शाता है। यह भित्ति चित्र रविवार को सोशल मीडिया पर सामने आया जिसमें कई लोगों ने दावा किया कि यह अखंड भारत के संकल्प का प्रतिनिधित्व करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अखंड भारत को एक सांस्कृतिक अवधारणा के रूप में वर्णित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया। संसद भवन में भित्तिचित्र, अतीत के महत्वपूर्ण साम्राज्यों और शहरों को चिह्नित करता है और वर्तमान पाकिस्तान में तत्कालीन तक्षशिला में प्राचीन भारत के प्रभाव को दर्शाता है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने ट्विटर पर कहा, संकल्प स्पष्ट है- अखंड भारत। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने नए संसद भवन के अंदर प्राचीन भारत, चाणक्य, सरदार वल्लभभाई पटेल और बी. आर. आंबेडकर और देश की सांस्कृतिक विविधता के भित्ति चित्रों सहित कलाकृतियों की तस्वीरें साझा की। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा, यह हमारी गौरवपूर्ण महान सभ्यता की जीवंतता का प्रतीक है। मुंबई उत्तर-पूर्व से लोकसभा सदस्य मनोज कोटक ने ट्विटर पर कहा, नई संसद में अखंड भारत। यह हमारे शक्तिशाली और आत्मनिर्भर भारत का प्रतिनिधित्व करता है। ट्विटर पर कई लोगों ने नए संसद भवन में अखंड भारत के चित्रण का स्वागत किया और पूछा कि क्या यह विपक्ष के समारोह के बहिष्कार का कारण था। राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय के महानिदेशक अद्वैत गडनायक ने कहा, हमारा विचार प्राचीन युगों के दौरान भारतीय विचारों के प्रभाव को चित्रित करना था। यह उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में वर्तमान अफगानिस्तान से लेकर दक्षिण-पूर्वी एशिया तक फैला हुआ है। गडनायक नए संसद भवन में प्रदर्शित कलाकृतियों के चयन में शामिल थे।आरएसएस के अनुसार, अखंड भारत की अवधारणा अविभाजित भारत को संदर्भित करती है जिसका भौगोलिक विस्तार प्राचीनकाल में बहुत विस्तृत था। हालांकि, अब आरएसएस का कहना है कि अखंड भारत की अवधारणा को वर्तमान समय में सांस्कृतिक संदर्भ में देखा जाना चाहिए, न कि स्वतंत्रता के समय धार्मिक आधार पर भारत के विभाजन के राजनीतिक संदर्भ में।

अक्षय कुमार, शाहरुख खान ने नए संसद भवन के उद्घाटन की बधाई दी

मुंबई। अभिनेता शाहरुख खान और अक्षय कुमार ने कहा कि नया संसद भवन नए भारत की दिशा में योगदान देगा और यह देश की विकास गाथा का प्रतीक बनेगा। दोनों अभिनेताओं ने शनिवार रात ट्विटर पर नए संसद भवन की एक झलक साझा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसका उद्घाटन किए जाने पर खुशी जाहिर की। प्रधानमंत्री ने नए भवन पर अपने विचार साझा करने के लिए दोनों अभिनेताओं की प्रशंसा की। शाहरुख खान ने ट्विटर पर लिखा, हमारे संविधान को बनाए रखने वाले, इस महान राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक का प्रतिनिधित्व करने वाले और इसके हर व्यक्ति की विविधता की रक्षा करने वाले लोगों के लिए कितना शानदार है नया संसद भवन। नए भारत के लिए एक नया संसद भवन...भारत के गौरव के सदियों पुराने सपने के साथ। जय हिन्द। नए संसद भवन के बारे में अपने विचारों को खूबसूरती से व्यक्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने शाहरुख की सराहना की। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, नया संसद भवन लोकतांत्रिक शक्ति और प्रगति का प्रतीक है। यह आधुनिकता के साथ परंपरा का मिश्रण है। अक्षय ने ट्वीट किया, संसद के इस शानदार नए भवन को देखकर गर्व होता है। यह सदैव भारत की विकास गाथा का एक प्रतिष्ठित प्रतीक बना रहे। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में पले-बढ़े अक्षय ने कहा कि बचपन में वह देखते थे कि इंडिया गेट के पास की अधिकतर इमारतों का निर्माण अंग्रेजों ने किया था। उन्होंने ट्विटर पर साझा एक क्लिप में कहा, आज इस एकदम नए और भव्य भवन को देखकर मेरा दिल गर्व से भर गया है। भारतीय संसद लोकतंत्र का मंदिर है। यह नए भारत का प्रतीक है। एक ऐसा भारत, जो न केवल संस्कृति और विरासत में सबसे आगे है , बल्कि अपनी प्रगति के साथ दुनिया में आगे भी बढ़ रहा है। अभिनेता ने इस दिन को संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी।

अगले लोस चुनाव से पहले जनगणना की संभावना नहीं

भाषा। नई दिल्ली

महामारी के कारण अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई जनगणना की कवायद अप्रैल-मई 2024 में होने वाले अगले लोकसभा चुनावों से पहले होने की संभावना नहीं है। जब भी जनगणना कराई जाएगी तब स्मार्टफोन, इंटरनेट, लैपटॉप, कंप्यूटर, कार, दोपहिया वाहनों तक पहुंच, मुख्य खपत वाले अनाज जैसे 31 प्रश्न नागरिकों से पूछे जाएंगे। जनगणना और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अद्यतन करने की कवायद एक अप्रैल से 30 सितंबर, 2020 तक देशभर में होने वाली थी लेकिन कोविड-19 के प्रकोप के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। जनगणना का काम अभी भी रुका हुआ है और सरकार ने अभी तक एक नए कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है। जनवरी में भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त के कार्यालय ने सूचित किया कि प्रशासनिक सीमाओं को स्थिर करने की तारीख - नए जिलों या उप-जिलों का सृजन - 30 जून तक बढ़ा दी गई है। इस बीच, निर्वाचन आयोग अगले आम चुनावों के लिए मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण आदि की प्रक्रिया शुरू करेगा। अधिकारियों ने बताया कि अक्टूबर से, जनगणना कवायद आयोजित करने की बहुत कम संभावना है क्योंकि ऐसा माना जा रहा है कि निर्वाचन आयोग और महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा समान लोगों को ही इस काम में शामिल किया जाना है।उन्होंने संभावना जताई कि जनगणना का काम लोकसभा चुनाव के बाद ही किया जाएगा। नागरिकों से पूछे जाने वाले 31 प्रश्न निर्धारित किए गए हैं। इन सवालों में शामिल है कि क्या किसी परिवार के पास टेलीफोन लाइन है, इंटरनेट कनेक्शन है, मोबाइल या स्मार्टफोन है, साइकिल है, स्कूटर है या मोटरसाइकिल है या मोपेड है, क्या उनके पास कार, जीप या वैन है।

नागरिकों से स्मार्टफोन, इंटरनेट, अनाज के बारे में पूछा जाएगा

कभी नहीं सोचा था कि नई संसद में बैठूंगा: देवेगौड़ा

बेंगलुरु। दिल्ली में नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में रविवार को शामिल होने वाले पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि वह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में एक बड़े क्षण के साक्षी बने। देवेगौड़ा (91) ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह अपने जीवन में नए संसद भवन में बैठेंगे। उन्होंने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मैं भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में एक बड़े क्षण का गवाह बना। मैंने 1962 में कर्नाटक विधानसभा में प्रवेश किया और 1991 से संसद सदस्य रहा हूं। 32 साल पहले जब मैंने लोगों के इस महान संसद में प्रवेश किया था, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं प्रधानमंत्री बनूंगा और मुझे इतने लंबे समय तक सार्वजनिक जीवन में रहने की उम्मीद नहीं थी। गौड़ा ने एक बयान में कहा लेकिन इससे भी बड़ा आश्चर्य यह है कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपने जीवन में कभी नए संसद भवन में बैठूंगा- मैंने ऐसा 91 साल की उम्र में किया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में और सामान्य भारतीय के जीवन में, एक नए घर का निर्माण और एक नए घर में प्रवेश करना बहुत ही शुभ और दुर्लभ क्षण होता है। उन्होंने कहा, किसी राष्ट्र के जीवन में यह एक असाधारण क्षण है।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद व पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा भी उपस्थित रहे

कश्मीरी पंडितों ने वार्षिक खीर भवानी मेले का आयोजन किया

भाषा। तुलमुल्ला

जम्मू-कश्मीर में गंदेरबल जिले के प्रसिद्ध रागन्या देवी मंदिर में सैकड़ों कश्मीरी पंडितों ने रविवार को मत्था टेका और वार्षिक खीर भवानी मेले का आयोजन किया। मध्य कश्मीर जिले में चिनार के विशाल पेड़ों की छाया में स्थित इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई, जिनमें से अधिकांश कश्मीरी पंडित थे जो देश के कई हिस्सों से यहां आए थे। मेले में आए भक्त नंगे पैर चल रहे थे, गुलाब की पंखुड़ियां ले जा रहे थे और देवी को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे थे, जबकि पुरुषों ने मंदिर के करीब जलधारा में डुबकी लगाई। मुख्य मंदिर परिसर के करीब जाने के लिए भक्त एक-दूसरे के साथ धक्का-मुक्की करते हुए नजर आए, इस दौरान मंदिर परिसर में भजनों की गूंज सुनाई दी और श्रद्धालुओं ने परिसर के भीतर दूध और खीर (चावल की खीर) चढ़ाते हुए देवी को प्रणाम किया। साम्प्रदायिक सौहार्द का प्रतीक यह मेला शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया और प्रशासन ने श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा सहित व्यापक इंतजाम किए थे। जम्मू की एक भक्त गुड़ी जुत्शी ने कहा कि देवी के जन्मदिवस पर आयोजित वार्षिक मेले के अवसर पर मंदिर में आए बिना उनकी पूजा अधूरी है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी इस अवसर पर मंदिर में दर्शन किए। महबूबा ने कहा कि उन्होंने घाटी में कश्मीरी पंडितों की गरिमापूर्ण वापसी के लिए प्रार्थना की। महबूबा मुफ्ती ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं यहां जम्मू और अन्य जगहों से आए हमारे कश्मीरी पंडित भाइयों का स्वागत करने आई हूं। हम यहां इन लोगों की गरिमापूर्ण वापसी के लिए प्रार्थना करने के लिए आए हैं ताकि एक बार फिर हिंदू-मुस्लिम-कश्मीरी पंडित जम्मू-कश्मीर में भाईचारे के साथ रह सकें।

पीडीपी प्रमुख महबूबा हुईं शामिल

प्रणय ने मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता

●चीन के वेंग होंग एंग को हराकर छह साल के खिताब के सूखे को खत्म किया

भाषा। कुआलालंपुर

भारत के एचएस प्रणय ने रविवार को यहां मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के कड़े पुरुष एकल फाइनल मुकाबले में तीन गेम में चीन के वेंग होंग एंग को हराकर छह साल के खिताब के सूखे को खत्म किया। तीस साल के भारतीय खिलाड़ी ने 94 मिनट चले मुकाबले के दौरान शानदार जज्बा दिखाते हुए चीन के दुनिया के 34वें नंबर के खिलाड़ी वेंग के खिलाफ 21-19 13-21 21-18 से जीत दर्ज की। यह प्रणय का पहला बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) विश्व टूर खिताब है। साथ ही भारत का कोई खिलाड़ी इस साल पहला एकल खिताब जीतने में सफल रहा। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर छह स्तर में विभाजित है जिसमें विश्व टूर फाइनल्स, चार सुपर 1000, छह सुपर 750, सात सुपर 500 और 11 सुपर 300 टूर्नामेंट शामिल हैं। एक अन्य वर्ग के टूर्नामेंट बीडब्ल्यूफ टूर सुपर 100 से भी खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक मिलते हैं। सुपर 500 बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग प्रणाली में ग्रेड दो (चौथे स्तर) का टूर्नामेंट है। प्रणय ने पिछले साल थॉमस कप में भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी लेकिन 2017 अमेरिकी ओपन ग्रां प्री गोल्ड के बाद से वह व्यक्तिगत खिताब नहीं जीत पाए थे। केरल का यह बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले साल स्विस ओपन के फाइनल में पहुंचकर खिताब के सूखे को खत्म करने के करीब पहुंचा था। इसके अलावा प्रणय मलेशिया और इंडोनेशिया सुपर 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भी जगह बनाने में सफल रहे थे। प्रणय ने कई चोट और स्वास्थ्य समस्यों से जूझने के बाद 2021 के दूसरे हाफ के बाद से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। पिछले दो साल में भारतीय खिलाड़ियों के बीच प्रणय के प्रदर्शन में सबसे अधिक निरंतरता रही है लेकिन इसके बावजूद वह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब नहीं जीत पा रहे थे। रविवार को दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय की कड़ी मेहनत का फल मिला जब उन्होंने चीन के 23 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत हासिल की। प्रणय ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी खिताबी जीत के दौरान दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी चाउ टिएन चेन, ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग और जापान के केंटा निशिमोटो को हराया। वेंग ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत करते हुए पहले गेम में 3-। की बढ़त बनाई लेकिन प्रणय ने स्कोर 5-5 कर दिया। प्रणय ने जोरदार स्मैश के साथ स्कोर 10-10 किया और वेंग के नेट पर स्मैश उलझाने पर ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बनाई। दोनों के बीच प्रत्एक अंक के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली। इस बीच स्कोर 16-16 से बराबर था। प्रणय ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए दो गेम प्वाइंट हासिल किए। वेंग ने एक अंक बचाया लेकिन अगला बैकहैंड शॉट नेट पर मार बैठे जिससे भारतीय खिलाड़ी ने पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी वेंग ने प्रणय की खराब शुरुआत का फायदा उठाते हुए 4-0 की बढ़त बनाई। प्रणय ने दो शॉट बाहर जबकि एक नेट पर मारा। प्रणय ने वापसी की कोशिश की लेकिन वेंग ब्रेक तक 11-9 से आगे निकल गए। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद कई गलतियां की जिससे वेंग ने 16-10 की बढ़त बना ली और फिर दूसरा गेम जीतकर स्कोर।-। कर दिया।

तीसरे और निर्णायक गेम में भी वेंग ने बेहतर शुरुआत करते हुए 8-6 की बढ़त बनाई लेकिन प्रणय ने 8-8 के स्कोर पर बराबरी हासिल कर ली। प्रणय ब्रेक तक 11-10 से आगे थे। प्रणय ने कुछ अच्छे क्रॉस कोर्ट स्मैश लगाकर 14-11 की बढ़त बनाई लेकिन वेंग ने स्कोर 13-14 कर दिया। प्रणय ने एक बार फिर दमदार क्रॉस कोर्ट समैश से 16-13 की बढ़त हासिल की लेकिन वेंग एक बार फिर वापसी करते हुए 18-18 पर स्कोर बराबर करने में सफल रहे।

मैंने इसकी उम्मीद नहीं की थी लेकिन गोपी सर जोर देते रहेः प्रणय

कुआलालंपुर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने अपना अगला एकल खिताब जीतने की उम्मीद छोड़ ही दी थी लेकिन मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने उनके अंदर छह साल के खिताब के सूखे को खत्म करने का आत्मविश्वास डाला और उन्हे विश्वास दिलाया कि वह मजबूत खिलाड़ी है। प्रणय ने रविवार को यहां मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल मे चीन के वेंग होंग एंग को तीन गेम मे हराकर खिताब के सूखे को खत्म किया। प्रणय ने खिताब जीत के बाद कहा, मुझे लगता है कि बहुत सारी भावनाएं है। पिछले छह साल बहुत अधिक उतार-चढ़ाव वाले रहे है। ईमानदारी से कहूं तो मुझे उम्मीद नही थी कि छह साल बाद ऐसा होगा। मेरा मतलब है कि अगर आपने मेरे से 2017 मे पूछा होता तो मै नही कहता कि मै 2023 मे खिताब जीतूंगा। इसलिए काफी मिश्रित भावनाएं है। सभी कोच, सहयोगी स्टाफ और गोपी सर (मुख्य राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद) को धन्यवाद। वह मुझसे कहते रहे कि यह एक दिन ऐसा होगा और मुझे विश्वास रखना चाहिए। दुनिया के नौवे नंबर के और भारत के शीर्ष खिलाड़ी 30 वर्षीय प्रणय ने अपने पूर्व साथी आरएमवी गुरुसाई दत्त का भी शुक्रिया अदा किया जिन्होने पिछले साल जून में संन्यास लेने के बाद कोचिंग की ओर रुख किया और जरूरत के समय उनकी मदद की।

खबरें स्टेडियम से

अंबाती ने आईपीएल से संन्यास लिया

अहमदाबाद। भारत के पूर्व वनडे विशेषज्ञ और चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने घोषणा की है कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल आईपीएल मे उनका आखिरी मैच होगा। इंग्लैड मे 2019 विश्व कप के लिए भारतीय टीम मे नही चुने जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले रायुडू ने कुछ साल पहले घरेलू क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया था लेकिन बाद मे फैसला वापिस ले लिया। 38 वर्ष के इस खिलाड़ी ने हालांकि रविवार को ट्वीट किया कि इस बार वह फैसला नही बदलेगे। इस सत्र मे उन्होने 15 मैचो मे 139 रन बनाए है। उन्होने ट्वीट किया , दो बेहतरीन टीमे मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स। 204 मैच, 14 सत्र, 11 प्लेआफ, आठ फाइनल और पांच खिताब। उम्मीद है कि आज रात को छठा भी। यह शानदार सफर रहा। मैने तय किया है कि आज का फाइनल आईपीएल मे मेरा आखिरी मैच होगा। इस शानदार टूर्नामेंट मे खेलने का पूरा मजा आया। अब की बार वापसी नही। रायुडू ने 55 वनडे मैचो मे 1694 रन बनाए। टी20 क्रिकेट मे वह सीएसके का अभिन्न अंग रहे। फाइनल से पहले वह 203 आईपीएल मैचो मे 4329 रन बना चुके है। उन्होने 2018 सत्र मे चेन्नई के लिए 602 रन बनाए।

भारत अलमाटी शॉटगन विश्व कप में पांचवें स्थान पर

अलमाटी। भारत आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप मे यहां एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ पांचवे स्थान पर रहा। भारत की दोनो जोड़ियां ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा मे पदक नही जीत सकी। पृथ्वीराज टोडाइमन और श्रेयसी सिंह 150 मे से 136 निशाने लगाकर पांचवे स्थान पर रहे। कांस्य पदक 137 स्कोर वाली जोड़ी को मिला। जोरावर संधू और प्रीति रजक की जोड़ी 134 स्कोर के साथ आठवे स्थान पर रही। कजाखस्तान की मारिया दमित्रिएंको और विक्टर के ने 142 अंक लेकर स्वर्ण पदक जीता जबकि तुर्की को रजत और ईशन को कांस्य पदक मिला।

अदिति बैंक ऑफ होप टूर्नामेंट में नॉकआउट में जगह बनाने से चूकी

लास वेगास। भारत की ओलंपियन अदिति अशोक ने 18वे होल मे डबल बोगी के साथ बैंक ऑफ होप एलपीजीए मैच प्ले गोल्फ टूर्नामेंट के नॉकआउट प्ले ऑफ मे जगह बनाने का मौका गंवा दिया। पहले मैच मे पेरिन डेलाक्वेर के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली अदिति ने अगले मुकाबले मे कैरोलिन इंग्लिस को शिकस्त दी।अपने अंतिम राउंड रोबिन मैच मे अदिति ने जेनिफर कुपचो को मुकाबला टाई करने का मौका दे दिया।

मुंबई सिटी एफसी का साथ छोड़ेंगे मंदार राव देसाई

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने कहा है कि मंदार राव देसाई 31 मई को अपना अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब को छोड़ देंगे। मुंबई सिटी एफसी ने प्रेस विज्ञप्ति के जरिए यह जानकारी दी। मुंबई सिटी एफसी के साथ तीन सत्र बिताने के बाद यह 31 वर्षीय फुटबॉलर क्लब का साथ छोड़ेगा। मंदार अक्टूबर 2020 मे एफसी गोवा का साथ छोड़कर मुंबई सिटी एफसी से जुड़े थे।

सबालेंका से हाथ नहीं मिलाने के लिए यूक्रेन की कोस्तियुक की हूटिंग

पेरिस। बेलारूस की एरिना सबालेंका को रविवार को पहले दौर की जीत के बाद लगा कि फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दर्शक उनकी हूटिंग कर रहे है और उपहासपूर्ण सीटियां बजा रहे है। लेकिन यह नकारात्मक प्रतिक्रिया उनकी विरोधी यूक्रेन की मार्टा कोस्तियुक के लिए थी जिन्होने हार के बाद नेट पर अपनी विरोधी के साथ हाथ नही मिलाया।यूक्रेन की कोस्तियुक मैच के बाद बेलारूस की सबलेंका से आंखो का संपर्क करने से भी बची और सीधे चेयर अंपायर की ओर चली गई। इसके विपरीत सबालेंका नेट की ओर गई थी।

फैंटेसी गेमिंग को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ । ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म प्लेयर्जपॉट ने अपने ब्रांड एंबेसडर सुपरस्टार रश्मिका मंदाना के साथ एकदम अनोखे कैंपेन टैलेंट की वैल्यू की शुरुआत की। ताकि फैंटेसी गेमिंग को पसंद करने वाले लोगों के जोश व उत्साह को बरकरार रखा जा सके। इस कैंपेन के लॉन्च के मौके पर प्लेयर्जपॉट के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सुनील यादव ने कहा कि कौशल.आधारित खेल सचमुच गेमिंग सबसे बड़ी गेमिंग कैटेगरी में से एक हैए जिसने देश भर में हर उम्र के लोगों का दिल जीत लिया है। हालाँकि भारत की गेमिंग कम्युनिटी काफी बड़ी हैए इसके बावजूद कौशल.आधारित कैजुअल गेम्स मेंए और खासतौर पर मोबाइल फॉर्मेट में शानदार करियर बनाने के मामले में यह कम्युनिटी अभी भी काफी पिछड़ी हुई है। प्लेयर्जपॉट सही मायने में मोबाइल गेमिंग क्रिएटर्स और खिलाड़ियों के लिए काफी गंभीर हैए और रश्मिका की करिश्माई ऑन स्क्रीन अपील के साथ.साथ देश भर के दर्शकों पर उनके प्रभाव से हमारे ऐप पर कई तरह के गेम्स का आनंद लेने वाले खिलाड़ियों के लिए बड़े पैमाने पर बदलाव आएगा। फैंटेसी गेमिंग सेगमेंट में जबरदस्त कामयाबी के बादए हमें पूरा यकीन है कि हम खास तौर पर टियर 2 और टियर 3 शहरों में कौशल.आधारित गेम्स के सेगमेंट में भी सबसे आगे होंगे।

अटवाल ने कर हासिल किया, जीव चूके

प्रिस्को (टेक्सास)। भारत के अर्जुन अटवाल ने लगातार दूसरे दौर मे पार 72 के स्कोर के साथ सीनियर पीजीए चैंपियनशिप के टूर्नामेंट मे कट हासिल कर लिया। पचास साल से अधिक के गोल्फरो के चैंपियन्स टूर की दूसरी प्रतियोगिता मे हिस्सा ले रहे अटवाल का तीन दौर के बाद कुल स्कोर एक ओवर 217 है।

कोहली से इतर किसी के बारे में सोचना मुश्किल : हसी

भाषा। नई दिल्ली

माइकल हसी का मानना है कि अगर भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जून से लंदन के ओवल में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल जीतना है तो विराट कोहली का प्रदर्शन काफी मायने रखेगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत की जीत की संभावना के लिए कोहली के अलावा कप्तान रोहित शर्मा का प्रदर्शन भी काफी महत्वपूर्ण होगा। हसी ने आईसीसी वेबसाइट से कहा, कोहली से इतर किसी अन्य खिलाड़ी के बारे में सोचना मुश्किल है। उन्होंने (कोहली) निश्चित रूप से खेल के

डब्ल्यूटीसी फाइनल में

प्रत्एक प्रारूप में शानदार फॉर्म में वापसी की है तथा उनका और रोहित शर्मा का बल्लेबाजी में प्रदर्शन भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा। कोहली फिर से अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आए हैं और उन्होंने हाल में इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की तरफ से लगातार मैचों में शतक जमाए थे। कोहली अपने साथी खिलाड़ी मोहम्मद सिराज के साथ इंग्लैंड पहुंच चुके हैं और फाइनल से पहले कैंट क्रिकेट ग्राउंड पर अभ्यास कर रहे हैं। भारत ने हाल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में जीत दर्ज की थी लेकिन हसी का मानना है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल पूरी तरह से अलग तरह का खेल होगा। यह मैच इंग्लैंड में खेला जाएगा तथा वहां की परिस्थितियां भारत की तुलना में भिन्न होंगी, इसलिए मुझे लगता है कि तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम होगी।

हसी ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस की भूमिका महत्वपूर्ण होगी और जोश हेजलवुड फिर से फिट हो जाते हैं तो यह ऑस्ट्रेलिया के लिए अच्छा होगा। लेकिन भारत के पास भी कई अच्छे गेंदबाज हैं। उनके पास मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज तथा रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन जैसे स्पिनर हैं। यह विश्वस्तरीय आक्रमण है और ऑस्ट्रेलिया को उनसे पार पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। हसी ने इस मैच में किसी टीम को जीत के दावेदार के रूप में नहीं चुना। दबाव भारत पर होगा जिसने 2013 के बाद आईसीसी का कोई खिताब नहीं जीता है। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के सहयोगी स्टाफ में शामिल हसी ने कहा, मैं केवल दो श्रेष्ठ टीमों को खेलते हुए देखना चाहता हूं। यह देखना दिलचस्प होगा कौन सी टीम जीत दर्ज करती है। हम केवल अच्छी, कड़ी और निष्पक्ष क्रिकेट देखना चाहते हैं और जो भी टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी वह जीत की दावेदार होगी। यह शानदार मैच होना चाहिए।

मेसी की मदद से पीएसजी ने जीता रिकॉर्ड 11वां खिताब

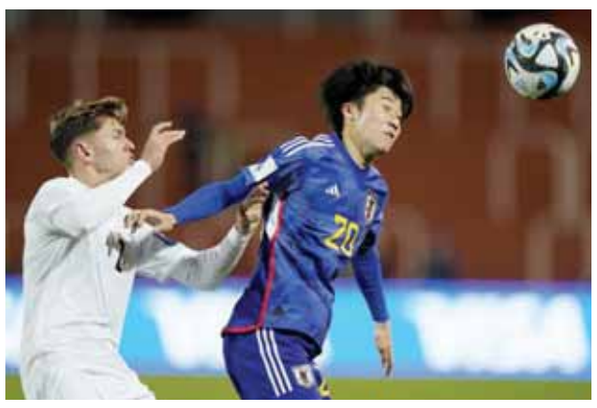

भाषा। पेरिस

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लियोनेल मेसी के गोल की मदद से स्ट्रासबर्ग के खिलाफ मैच।-। से ड्रॉ खेलकर रिकॉर्ड 11वीं बार फ्रांसीसी फुटबॉल लीग का खिताब जीता। इस जीत से पीएसजी के 37 मैचों में 85 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर काबिज लेंस से चार अंक आगे हो गया है। लेंस के 37 मैचों में 81 अंक हैं और अब केवल एक दौर के मैच होने बाकी है।मेसी ने 59वें मिनट में काइलियन एम्बाप्पे के पास पर गोल करके पीएसजी को बढ़त दिलाई। पीएसजी के पूर्व स्ट्राइकर केविन गामेरो ने 79वें मिनट में स्ट्रासबर्ग की तरफ से बराबरी का गोल दागा। मेसी का यह यूरोप में लीग मैचों में 496वां गोल था और इस तरह से उन्होंने यूरोप की शीर्ष पांच लीग में सर्वाधिक गोल करने के क्रिस्टियानो रोनाल्डो का रिकॉर्ड तोड़ा। लेंस ने एक अन्य मैच में अजाशियो को 3-0 से हराकर अपना दूसरा स्थान सुनिश्चित किया। इससे उसने अगले सत्र में होने वाली चैंपियंस लीग में भी अपनी जगह पक्की की। पीएसजी ने फ्रांस की पूर्व दिग्गज टीम सैंट एटीने को पीछे छोड़ा जिसने अपना 10वां और आखिरी खिताब 1981 में जीता था। सैंट एटीने पिछले साल दूसरी डिवीजन में खिसक गया था।

अंडर-20 विश्वकप : ब्राजील ग्रुप डी में शीर्ष पर रहा, इटली और नाइजीरिया भी आगे बढ़े

ब्यूनस आयर्स। ब्राजील ने पहले हाफ के आखिर में किए गए दो गोल की मदद से नाइजीरिया को 2-0 से हराकर अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया। इटली ने भी डोमेनिका गणराज्य को 3-0 से पराजित करके ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रहकर अंतिम 16 में जगह बनाई। नाइजीरिया तीसरे स्थान पर रहने के बावजूद नॉकआउट चरण में जगह बनाने में सफल रहा। वह तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों में सर्वश्रेष्ठ चार टीम में शामिल रहा जिससे वह अंतिम 16 में प्रवेश करने में सफल रहा। इन तीनों टीम के समान छह अंक रहे लेकिन ब्राजील बेहतर गोल अंतर के कारण पहले स्थान पर रहा।

बेनफिका ने रिकॉर्ड 38वीं बार पुर्तगाली लीग का खिताब जीता

लिस्बन। बेनफिका ने सत्र के अंतिम दिन सांता क्लारा को 3-0 से हराकर रिकॉर्ड 38वीं बार पुर्तगाली लीग का खिताब अपने नाम किया। एफसी पोर्टो ने एक अन्य मैच में गुइमारेस को 3-0 से पराजित करके दूसरा स्थान हासिल किया। पिछली बार के चैंपियन एफसी पोर्टो तभी अपने खिताब का बचाव कर पाता अगर सांता क्लारा अंतिम दौर के मैच में बेनफिका को पराजित कर देता। बेनफिका ने पुर्तगाली लीग में सर्वाधिक खिताब जीतने के अपने रिकॉर्ड को 38 पर पहुंचा दिया है। यह उसका 2019 के बाद पहला खिताब है। इस बीच पोर्टो ने दो बार जबकि स्पोर्टिंग लिस्बन ने एक बार खिताब जीता था।

बायर्न म्यूनिख बना बुंदेसलीगा चैंपियन

बर्लिन। जमाल मुसियाला के 89वें मिनट में किए गए गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने कोलोन को 2-। से पराजित करके जर्मन फुटबॉल लीग बुंदेसलीगा का खिताब जीतकर बोरुसिया डोर्टमंड की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। डोर्टमंड अंतिम दौर के मैच शुरू होने से पहले दो अंक की बढ़त पर था और उसका खिताब जीतना तय लग रहा था लेकिन उसने अंतिम दौर का मैच मेंज के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेला। बायर्न म्यूनिख और डोर्टमंड दोनों के 34 मैचों में समान 71 अंक रहे। बायर्न म्यूनिख ने हालांकि बेहतर गोल अंतर के कारण पहले स्थान पर रहकर खिताब जीता। बायर्न म्यूनिख के रिकॉर्ड 10 साल तक चैंपियन बने रहने के अभियान को समाप्त करने के लिए डोर्टमंड को जीत की जरूरत थी लेकिन वह पिछले 23 साल में प्रतियोगिता के अंतिम दिन अपनी बढ़त गंवाने वाली पहली टीम बन गई।

●जूनियर एशिया कप

भारत ने पाक से मैच 1-1 से ड्रॉ खेला

भाषा। सलालाह (ओमान)

भारत ने पूल ए का अपना तीसरा मैच चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ।-। से ड्रॉ खेला और इस तरह से पुरुष जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में अपना अजेय अभियान जारी रखा। शारदानंद तिवारी ने शनिवार की रात को खेले गए मैच में 24वें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई लेकिन बशारत अली ने 44वें मिनट में पाकिस्तान की तरफ से बराबरी का गोल दाग दिया। यह मैच ड्रॉ समाप्त होने से भारत के अब तीन मैचों में सात अंक हो गए हैं और वह पूल ए में दूसरे स्थान पर है। पाकिस्तान के भी सात अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर बेहतर होने के कारण पहले स्थान पर है। जापान तीन मैचों में छह अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। उसने शनिवार को चीनी ताइपे को 10-। से पराजित किया था। भारत ने इससे पहले चीनी ताइपे को 18-0 और जापान को 3-। से हराया था। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भारत ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाकर अपनी विरोधी टीम को दबाव में रखा। भारत को शुरू में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन वह उसका फायदा नहीं उठा पाया। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी कुछ मौके बनाए और वह पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने की स्थिति में भी पहुंच गया था लेकिन भारतीय गोलकीपर अमनदीप लाकड़ा ने बेहतरीन बचाव करके उसका यह प्रयास नाकाम कर दिया। पहला क्वार्टर गोल रहित छूटने के बाद शारदानंद ने दूसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को महत्वपूर्ण बढ़त दिलाई। इसके बाद भारतीय टीम अधिक आत्मविश्वास के साथ खेलने लग गई और उसने पाकिस्तानी रक्षा पंक्ति में लगातार सेंध लगाई लेकिन गोल करने में असफल रही। पाकिस्तानी टीम छोर बदलने के बाद गोल करने के लिए बेताब दिखी और उसने कुछ अच्छे मूव बनाए। इसका उसे फायदा मिला और बशारत ने मैदानी गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय टीम ने चौथे क्वार्टर में अधिक आक्रामक खेल दिखाया जबकि पाकिस्तान ने भी जवाबी हमले किए। दोनों टीम कुछ अवसरों पर गोल करने के करीब पहुंची लेकिन आखिर में मैच।-। से बराबरी पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम पूल ए के अपने अंतिम मैच में थाईलैंड से भिड़ेगी।

राजनेताओं और खिलाड़ियों ने पहलवानों को हिरासत में लेने की निंदा की

नई दिल्ली। प्रदर्शनकारी पहलवानों को दिल्ली पुलिस द्वारा रविवार को नाटकीय तरीके से हिरासत में लेने की कई नेताओं और पूर्व खिलाड़ियों ने निंदा की और इसे सरकार के लिए शर्मनाक करार दिया। विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया जैसे शीर्ष पहलवानों को महिलाओं की महापंचायत के लिए नए संसद भवन की ओर जाने की कोशिश के दौरान सुरक्षा घेरा तोड़ने के बाद कानून और व्यवस्था के उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया गया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ट्वीट किया, जिस तरह से दिल्ली पुलिस ने साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और अन्य पहलवानों के साथ दुर्व्यवहार किया, उसकी कड़ी निंदा करती हूं। यह शर्मनाक है कि हमारे चैंपियनों के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाता है। लोकतंत्र सहिष्णुता में निहित है लेकिन निरंकुश ताकतें असहिष्णुता और असंतोष को दबाने पर पनपती हैं। मैं मांग करती हूं कि उन्हें पुलिस द्वारा तुरंत रिहा किया जाए। मैं अपने पहलवानों के साथ खड़ी हूं।

एडमस ने पंजाब विवि चंडीगढ़ को 3-1 से हराया

शिवा श्रीधर को पांच स्वर्ण , नया मीट रिकॉर्ड बनाया

लखनऊ। जैन यूनिवर्सिटी के शिवा श्रीधर ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों की तैराकी स्पर्धा में रविवार को पांच पदक जीत लिए जिससे उनके और क्राइस्ट यूनिवर्सिटी के अनीश गौड़ा के बीच अंतर बढ गया है। शिवा ने पुरूषों की 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले में अपना ही मीट रिकॉर्ड तोड़ा। पिछले सत्र में उन्होंने 4:38.98 मिनट का समय निकाला था लेकिन इस बार 4 :37.21 मिनट का समय रहा। अनीश गौड़ा दूसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चार गुणा सौ मीटर मेडले में भी स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा पुरूषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। दोनों के सात सात पदक हो गए हैं। निशानेबाजी में मानव रचना यूनिवर्सिटी के मानवादित्य सिंह राठौड़ और कीर्तिक गुप्ता ने ट्रैप मिश्रित टीम में स्वर्ण पदक जीता। दिल्ली यूनवर्सिटी के दक्ष सिंह और आशिमा अहलावत दूसरे स्थान पर रहे। निशानेबाजी में दूसरा स्वर्ण दस मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में आर नर्मदा नितिन और श्री कार्तिक साबरी राज (मद्रास यूनिवर्सिटी) ने जीता। दिल्ली यूनिवर्सिटी की टीम दूसरे स्थान पर रही। बेंगलोर यूनवर्सिटी की प्रीता वी ने तैराकी में महिलाओं की 800 मीटर और 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। जादवपुर यूनिवर्सिटी की सृष्टि उपाध्याय ने 100 और 200 मीटर बटरफ्लाय में स्वर्ण पदक हासिल किया। कुश्ती में गुरू नानक देव और दिल्ली यूनिवर्सिटी ने दो दो स्वर्ण पदक जीते। वहीं टेनिस में महिला वर्ग के सेमीफाइनल में बेंगलुरू की जैन यूनिवर्सिटी का सामना पुणे की सावित्रीबाई फुले यूनिवर्सिटी से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में मद्रास यूनिवर्सिटी की टक्कर उस्मानिया यूनिवर्सिटी से होगी।

●खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेल टेनिस के लीग मुकाबले पूरेए कल खेले जाएंगे सेमीफाइनल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पहली बार खेले जा रहे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स.2022 उत्तर प्रदेश के अंतर्गत लखनऊ में आयोजित टेनिस के लीग दौर के मुकाबलो के पूरा होने के साथ सेमीफाइनल मुकाबलों की तस्वीर साफ हो गयी। इकाना स्पोर्ट्स सिटी के टेनिस कोर्ट पर खेले जा रहे टेनिस के मुकाबलो में लीग दौर के मैच पूरा होने के बाद महिला वर्ग में जैन यूनिवर्सिटीए सावित्री बाई फुले पुणे यूनिवर्सिटीए यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास और उस्मानिया यूनिवर्सिटी ने सेमीफाइनल में जगह बना ली। दूसरी ओर पुरुष वर्ग के सेमीफ इनल में अन्ना यूनिवर्सिटी, केआईआईटी भुवनेश्वर, गुजरात यूनिवर्सिटी और भारथिअर यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर ने स्थान सुरक्षित किया। आज खेले गए लीग दौर के मुकाबलों में महिला वर्ग में सावित्री बाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी ने केआईआईटी को 2-1 से उस्मानिया यूनिवर्सिटी ने जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी को 3-0 सेए पंडित रविशंकर शुक्ला यूनिवर्सिटी ने राजस्थान यूनिवर्सिटी को 2-1 से जैन यूनिवर्सिटी ने पंजाब यूनिवर्सिटी को 3-0 से और एसआरएम यूनिवर्सिटी ने महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी को 3-0 से हराया। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास ने जाधवपुर यूनिवर्सिटी को 2-1 से हराया। टेनिस के सेमीफाइनल मुकाबले कल यानि 29 मई को खेले जाएंगे। महिला वर्ग का पहला सेमीफाइनल मुकाबला जैन यूनिवर्सिटी व सावित्री बाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी के मध्य खेला जाएगा। दूसरे सेमीफाइनल में यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास की उस्मानिया यूनिवर्सिटी से टक्कर होगी। पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में अन्ना यूनिवर्सिटी व केआईआईटी भुवनेश्वर और गुजरात यूनिवर्सिटी भारथिअर यूनिवर्सिटीए कोयंबटूर के बीच फाइनल में जगह बनाने के लिए भिड़ंत होगी।

पुरुष फुटबॉल :गुरू गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के मैदान पर एमजी यूनिवर्सिटी कोट्टम केरल ने संत बाबा भाग सिंह यूनिवर्सिटी पंजाब को 2-0 से हराया।एडमस यूनिवर्सिटी ने पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ को 3-1 से हराया

महिला फुटबॉलः इकाना स्पोर्ट्स सिटी के फुटबॉल मैदान पर गुरु जंबेश्वर यूनिवर्सिटीए हिसार ने मुंबई यूनिवर्सिटी को 6.0 से हराया। प्लेयर्जपॉट ने ब्रांड एंबेसडर रश्मिका मंदाना के साथ अपना नया कैंपेन टैलेंट की वैल्यू लॉन्च किया